HRA an USUA The Gazette of India

MINIAPIT H MAPUSIA PUBLISHED BY AUTHORITI

सं० 31]

न**र्द वि**ल्ली, शनिवार, जुलाई ३०, **198**3 (श्रावण 8, 1905)

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 30, 1983 (SRAVANA 8, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाली है जिससे कि यह जलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

HIGH III-BOE 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियस्त्र और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय का० एवं० प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई विरुली, दिनांक 7 जुलाई 1983

सं० ए०-19016/1/83-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री के० एस० ढिरुलों, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-1953) को विनाक 1 जुलाई, 1983 के पूर्वाह्न से संयुवत निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एथं पुलिस विशेष महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जुलाई 1.983

सं० यू०-2/72-प्रशा०-5---दिनांक 22 फरवरी, 1983 के समसंख्यक अधिसूचना के कम में, राष्ट्रपित अपने प्रसाद में श्री यू० एस० प्रसाद को दिनांक 1-3-1983 से दिनांक 30-6-1983 तक की अविधि के लिए पूर्णतया तदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में स्थानापक्ष वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० वी० 8/72-प्रशा०-5—दिनांक 31 जनवरी, 1983 के समसंख्यक अधिसूचना के ऋम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री वी० एन० श्रीवास्तव को दिनांक 1-3-1983 से 30-6-1983 1--176GI/83

तक की अवधि के लिए पूर्णतया तदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप् में नियुक्त करते हैं।

संव आर०-14/72-प्रणा०-5—दिनांक 9 फरवरी, 1983 के समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से शी आर० के० वर्मा को दिनांक 1-3-1983 से दिनांक 30-6-1983 तक की अवधि के लिए पूर्णतया तदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में स्थानापन्न विष्ट लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एस०-27/72-प्रशा०-5--विनांक 31 जनवरी, 1983 के समसंख्यक अधिसूचना के कम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० भट्टाचार्जी को दिनांक 1-3-1983 से दिनांक 30-6-1983 तक की स्रविध के लिए पूर्णतया संधर्ष श्राधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० एस०-32/72-प्रशा०-5—दिनांक 7 9 फरवरी, 1983 के समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में, राष्ट्रपति अपने प्रसाद मे श्री एस० पी० श्रीवास्तव को दिनांक 1-3-1983 से दिनांक 30-6-1983 तक की अवधि के लिए पूर्णतया तदर्थ

आधार पर, केन्द्रीय अन्त्रेषण ब्यूरी में स्थामापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19021/2/79-प्रणा०-5--प्रत्यावर्तन हो जाने पर श्री एन० आ० देव, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश-1965), पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवाएं दिनांक 30 जून, 1983 के अपराह्म से मध्य प्रदेश सरकार को सौंपी जाती है।

सं० ए०-19036/27/79-प्रशा०-5—श्री एन० के० लिहरी, पुलिस उपाधीक्षक (एफ० पी०)/सी० एफ० पी० बी०, कलकत्ता की सेवाएं दिनांक 18 जून, 1983 के अपराह्म से प्रतिनियुक्ति पर सी० डी० टी० एस०, कलकत्ता को सौंपी जाती हैं।

सं० ए०-19020/3/83-प्रशा०-5---राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्री भागवंत सिंह, भारतीय पुलिस सेवा (मध्य प्रदेश---एस० पी० एस०) को दिनांक 30 जून, 1983 के अपराह्य से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> कें० चक्रवर्थी उप-निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय अन्वेणष ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1983

मं ० ए०-19036/14/82-प्रशा०-5--निवर्तन की आर्बु प्राप्त कर लेने पर, महाराष्ट्र राज्य पुलिस से केन्द्रीय अन्वेषण क्यूरो में प्रतिनिक्युत श्री बी० एस० अम्बेकर, पुलिस उपा-धीक्षक की सेवाएं विनांक 30 जून, 1983 (अपराह्म) से महाराष्ट्र सरकार को सींप दी गई हैं।

प्रताप नारायण आर्य प्रशासनितः अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, के० रि० पु० बल नई बिल्ली, बिनांक 2 जुलाई 1983

सं० एफ० 2/12/83-स्थापना—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांडेंट के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:---

- 1. श्री आर० सी० पुरी
- 2. श्री एम० एल० शर्मा
- 3. श्री के० केशवन
- 4. श्री जगबीर सिंह
- श्री मोहर सिंह
- श्री आर० एस० वोहरा
- 7. श्री एव एस० सन्धु

- 8. श्री अभी लाल यादव।
- . 9. श्री एन० रामाचन्दरन
- 10. श्री स्वर्ण सिंह
- 11. श्री पी० जे० शेट्टी
- 12. श्री बोधराज शर्मा
- 13. श्री एम० पी० चिटनिस
- 14. भी एस० आर० यादव
- 15. श्री एस० ए० खान
- 16. श्री जी० एस० सिद्ध्
- ये आवेश उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन सिविल अपील नं० 3932/78 के अन्तिम निर्वतन की शर्त पर मान्य होंगे।

'दिनांफ 6 जुलाई 1983

सं० डी॰ एक-17/81-स्थापना—इस मिहानिवेशालय की अधिसूचना इसी संख्या के अन्तर्गत दिनांक 21/5/83 को रह समझा जाये।

सं० डी०-1-17/81-स्थापना—श्री एस० पी० सिंह, कमांडेंट [सहायक निदेशक (ट्रेनिंग)] I^{T} महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को भारत पर्यटन विकास निगम लि० में जनरल मैनेजर (विजिलैंस) की प्रतिनियुक्ति के कारण दिनांक 27-6-83 अपराह्म को अपने कार्यभार से विमुक्त हो गये हैं।

दिनांक 7 जुलाई 1983

सं० ओ० दो-1403/77-स्थापना—श्री संगत सिंह ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप उप-पुलिस श्रधीक्षक के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार 30-4-1983 (अपराह्न) को त्याग दिया।

दिनांक 8 जुलाई 1983

सं० ओ० दो-1809/83-स्थापना—राष्ट्रपति जी, श्री अशोक राज महीपाथी, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी (मनीपुर) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर सहायक कमांडेंट के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री महीपाथी ने केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल के सहायक कमांडेंट, ग्रुप केन्द्र कें रि० पु० बल, हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 1-6-83 के पूर्वाह्म को संभाला।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापन)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 29 जुन 1983

सं ० ई०-16013(2)/24/82-कार्मिक--प्रितिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री पी० के० सहाय, भा० पु० से० (प० बं०: 74) ने 9 जून, 1983 के पूर्वाह्न से कमांडेंट, के० औ० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० सिन्दरी के पद का कार्यभार संभान निया।

दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० ई०-16013/(2)/12/79-कार्मिक—राज्य संवर्गः को प्रत्यावितत होने पर श्री बी० के० भरुला० भा० पु० से० (म० प्र०: 62) ने 9 जून, 1983 के अपराह्म से कमाडेंट के० औ० सु० ब० यूनिट बी० एन० पी० देवास के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सुरेन्द्र नाथ महानिवेशक/के० औ० सु०ब०

भारत के महारजिस्ट्रर का कार्यालय नईदिल्ली-110011,दिनांक 7 जुलाई 1983

सं० एफ० 10/10/83-प्रणा०-1---राष्ट्रपति केन्द्रीय सिचवालय सेवा के सेलेक्शन ग्रंड अधिकारी ग्रौर इस समय नई विस्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में भारत के उपमहारजिस्ट्रार के पद पर कार्यरत श्री विजय पाल पाण्डे को उसी कार्यालय में तारीख 2 मई 1983 के पूर्वाह्न से छः महीने की अवधि के लिए भारत के संयुक्त महारजिस्ट्रार के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 श्री विजय पाल पाण्डे का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

> ंपी० पब्मनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मन्स्नालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नाशिक रोड दिनांक 25 जून 1983

सं० 60/क—अधिसूचना संख्या 168/क दिनांक 18 नवम्बर 1982 और 286/क दिनांक 15-1-1983 के कम में सर्वश्री एम० एस० पाण्डे उप नियंत्रण अधिकारी धौर के० के० पाठक, उप नियंत्रण अधिकारी की तदर्थ आधार पर नियंत्रियों को कम्माः दिनांक 20-04-1983 धौर 11-04-1983 से तीन माह के लिए या उक्त पद नियमित आधार पर भरे जाने तक, इसमें ओ भी पहले हो उन्हीं गर्तो धौर नियमों पर बढ़ाया जाता है।

पी० एस० शिवराम महाप्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, ना० रोड

बैंक' नोट मुद्रणालय देवास दिनांक 5 जुलाई 1983

नस्ती कमांक बी० एन० पी०/सी०/5/83--शी टी० एस० सुवर्णनराम स्थामी भण्डारी को स्थानापन्न रूप से भण्डार-अधिकारी के पद पर रुपये 840-40-1000-द० रो०-40 1200 (समूह "ख" राजपित्रत) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास (म० प्र०) में दिनांक 30-6-83 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

मु० वै० टार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय आंध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 5 जुलाई 1983

सं० प्रणा० 1/8-132/83-84/525---श्री एस० कृष्णमाचारी, लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय आंध्र प्रवेश सेवा से 30-6-1983 अपर्गृह्म निवृत्त हुए।

सं० प्रशा० 1/8-132/83-84/525—श्री एम० जी० के० मूर्ती, लेखा अधिकारी महालेखाकार का कार्यालय आध्र प्रदेश सेवा से 30-6-1983 अपराह्म निवृत्त हुए।

बी० मेसन वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात अहमदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1983

सं० स्था० (एफ०)/बी० श्रीं०/3(37)/428——महा-लेखाकार-1, गुजरात के अधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाए गए दिनांक से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार-1, गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखाअधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है:—

1. श्रीपी० एच० जाधव 1-6-83 पूर्वाह्म से

2. श्रीं के० डी० वाघेला 1-6-83 पूर्वाह्न से

उपर्युक्त पदोन्नतियां तदर्थ आधार पर 1980 के विशेष दीवानी आवेदन पत्न सं० 735 में गुजरात उच्च न्यायालय के मंतिम आदेशों की प्राप्ति की शतों पर की जाती हैं।

> के० डीं०देव वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) अहमदाबाद

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरिया सेवा आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-16 दिनांक 2 जुलाई 1983

सं० 31/जी०/83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसरों को स्थानापन्न एडिशनल डी० जी० ग्रो० एफ०/सदस्य के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:---

- श्री आर० के० चेल्लम डी० डी० जी० श्रो० एफ० (स्तर्-1)---26 अप्रैल 1983।
- 2. श्री वी० वी० करमार्कर जी० एम० (एस० ए० जी०/ स्तर-1 में)---27 अप्रैल 1983।

वी० के० मेहता निदेश

वाणिज्य मंद्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-नियति का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1983 आयात एवं नियति व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/601/50-प्रणा० ''राज"/4540—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयास-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री एस० पी० भुखर्जी, नियंत्रक आयात-निर्यात को 31 मई 1983 के अपराहः से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति वे दी गई है।

वी० के० मेहता उप-मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात फ़ुते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रणासन अनुभाग-6)

नर्द्र दिल्ली दिनांक 5 जुलाई 1983

सं० प्र-6/247(521)—राष्ट्रपति निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय के सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि-यांन्सिकी) श्री एस० बी० पाल को दिनांक 20 अप्रैल 1983 के पूर्वाह्म से 6 महीने की अविध के लिए तदर्थ आघार पर उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (अभियांद्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रेड-III ग्रुप "ए" अभियान्तिकी शाखा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री पाल ने कलकत्ता में दिनांक 20-04-83 (पूर्वाह्म) से सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियान्त्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उसी तारीख से उसी कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० एल० कपूर उप निदेशक (प्रशासन) इस महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001,दिनांक 5 जुलाई 1983

सं० प्र०-6-57(8) वास्यूम 10---महानिवेशक पूर्ति तथा निपटान निम्नलिखित अधिकारियों को प्रस्थेक के नाम के आगे दी गई तारीख से सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं:---

कम संख्या	श्रधिकारी का नाम	स्थाईकरण की सार्राख
1	2	- 3
1. पी०	र्स० बारवे 🔒 .	01-07-1976
2. श्रीए	० जी० थडानी .	. 01-09-1976
3. श्रीए	स० नागराजन .	. 29-09-1976
_	० एस० रामामूर्ति .	. 01-11-1976
5. श्रीव्	ुलवन्त सिंह (अनु० जाति)	. 01-09-1977
	न०के०घोष .	01-10-1977
7. श्रीट	ो० आर० वर्मा	. 04-02-1978
8. श्रीवे	० एस० मित्तल .	25-07-1978
9. श्रीवे	^{६०} सुब्रामणियन .	. 01-10-1978
10 श्रीवे	० एस० श्रीधरण	. 01-10-1978
11. প্রবি	ी ० के० कृष्णन .	. 01-11-1978
12. श्री ३	गर० एन० घोष .	. 01-11-1978
13. श्री	ो० सी० स्वामीनाथन	01-01-1979
14.श्रीवे	० श्री निवासन .	01-02-1979
15. श्रीव	ी० एस० र मन .	. 01-04-1979
16. श्रीः	डी० एन ० बनर्जी .	. 01-08-1979
17. श्रीर	तिश्वर दयाल माथुर	. 14-03-1980
18. श्री	ए० के० खान 🔻 .	. 01-09-1980
19. श्री	ए० बी० सेन .	. 01-10-1980
20. श्री ।	एस०के० सेन .	. 01-10-1980
21. श्रीः	नी०सी०नाग .	. 01-03-198
22. শ্বনি	जी० गणेशन .	. 01-03-198
23. श्री	मी <i>०</i> एल० सूर्यनारायणन	. 19-03-198
24. श्री	बी०एन०घोप .	. 24-04-198
25. श्री	के० वी० नारायणन .	. 05-05-198
26. श्री	एस० के० बन्दोपाध्याय	. 13-05-198
27. श्री	पी <i>०</i> एम० आर० न म बूदिरी	. 13-05-198
28. श्री	जैकब जान	13-05-198
	आर० के० गुहा .	. 13-05-198
30. श्री	बी०के०मलाकार .	. 13-05-198

1	2			3
31.	श्री डीं० एल० तलबार	•		13-05-1981
32.	श्री ए० सी० निगम			13-05-1981
33.	श्री आर० के० राजोरा ((अनु० जाति)		01-11-1981
34.	श्री के० एल० निर्माण (अन० जाति)		01-11-1981
35.	श्री आर० सी० वर्मा			28-12-1981
36.	श्री आर० सी० गुप्ता	,		01-05-1982
37.	श्री पी० एन० गुलाटी			01-10-1982
38.	श्री एच० बो० शर्मा			01-10-1982
39.	श्री आर० के० गुप्ता		,	01-10-1982
40.	श्री के० के० सभरवाल	•		01-02-1983
41.	श्री ए० के० सान्याल			01-02-1983
42.	श्री सिसित कान्ति बस्			01-02-1983
43.	श्री प्रीतम सिंह .			01-02-1983

सं० प्र-6/247 (553) — राष्ट्रपति ने मद्राम निरीक्षण मंडल के सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीिमयरी) श्री एस० सुखनन्दन को दिनांक 23-5-83 के पूर्वाह्न से 6 मास की अविध के लिय उसी निरीक्षण मंडल में तदर्थ आधार पर निरीक्षण अधिकारी (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रेड-3 के ग्रुप ए इंजीनियरी शाखा) के पद पर नियुक्त किया है।

2. श्री सुखनन्दन के दिनांक 21-5-1983 (अपराह्म) को सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) हैदराबाद के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 23-5-1983 के पूर्वाह्म से निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) मंत्रास के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 6 जलाई 1983

सं० ए०-17011/216/83 प्र-6—महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटात, मद्रास निरीक्षण मंडल के भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री बी० कृष्णामूर्ति को दिनांक 12 मई, 1983 के पूर्वाह्न से कलकत्ता निरीक्षणालय में तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

गुस० एल० कपूर उप निवेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 2 जुलाई 1983

मं० 5735वी/पी०-19011/(1 के० सी० एम०)/81-19ए--राष्ट्रपति जी, श्री सत्यनारायण बेहरा को भूवैज्ञानिक किनिष्ठ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपमें के न्यूनतम बेतन-मान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 3-3-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5753बी०/ए.०-19011 (1-के० के० सी) /81-19ए— राष्ट्रपति जी, श्री किणोर कुमार क्षष्टी को भूचै-ज्ञानिक (कनिष्ट) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40ब900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवेण होने तक 2-5-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 5768बी/ए०-19011 (1-एन० आर० एम०)/
81-19ए०---राष्ट्रपति जी, श्री निहार रंजन महापात को
भूबैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूबैज्ञानिक सर्वेक्षण
में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपय
के न्यूनतम बेतनमान में, स्थानापञ्च क्षमता में, आगामी आदेश
होने तक 13-4-83 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 4 जुलाई 1983

सं० 5912बी०/ए०-32013 (ए० ओ०)/82-19ए०---भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रशासनिक अधिकारी श्री सुनील राथ को उसी विभाग,में अबीक्षक पद पर 5-5-83 (अपराह्म) से प्रत्यावितित किया जा रहा है।

दिनांक 5 जुलाई 1983

सं० 5929बी'०/ए०-19012 (3-बीं० पीं० डीं०)/83-19बीं०--श्री बरुण प्रसाद दास को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-50-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम वेतन में, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28-5-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5939बी०/ए०-19012 (उ-एम० पी० एस० एस०) /83-19बी०--श्री एप० पी० एस० सेनगर को सहायक रमायनत के पर पर भारतीय भू जिल्ला मर्वेक्षण में बेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम बेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आवेण होने तक 31-5-1983 के पूर्वाह से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5950बी०/ए०-19012 (3-बी० पी० के०)/83-19 बी०--कु०बी० ी० कन्फाडे को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 र० के न्यूनतम वेतन में, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 20-5-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5961बी०/ए०-19012 (3-जे० आर० जी०)/83-19बी०--श्री जय राज गुप्ता को सहायक रसायनक्ष के पद पर भारतीय भूवैक्तानिक सर्वेक्षण में बेतन नियमानुसार या वेतन-मान 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमना में आगामी आदेण होने तक 4-6-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 6001बी०/ए०-19012(3-एस० एन० आई०)/83-19बी०--श्री एस० एन० इंगलागेरी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवेजानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या बेतनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 3-6-1983 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 6012वी०/ए०-19012(3-आर० के० टी०)/83-19वी०—श्री आर० के० तिवारी को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेसनमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के न्यूनसम वेतन पर, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेण होने तक 13-5-83 के पूर्वाह्म से नियुक्स किया जा रहा है।

सं० 6022बी०/ए०-19012(3-एन० एस० एन०)/83-19बी०--श्री एन० एस० नायर को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में बेसन नियुमानुसार या वेसनमान 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 ६० के न्यूनतम वेसन पर, जैसा मामला हो अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 3-6-1983 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 6 जुलाई 1983

सं० 6079नी०/ए०-19012(3-एस० के० एस०)/
83-19नी०--डा० शिषा कुमार पार्मा की सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार या वेननमान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के न्यूनतम वेतनमान में, जैसा मामला हो, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने नक 9-6-1983 के पूर्वाह्म में नियुक्त किया जा रहा है।

एस० के० मुखर्जी महानिदेशक

आकाभवाणी महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

सं० 4(66) 82-एस० एक---महानिदेशक, आकाणवाणी, एनव्दारा श्री रफीक अहमद मसुदी को 1 जून, 1983 के

अपराह्म से अगले आदेण तक 650-30-740-35-810-य० रो०-35-880-40-1000-य० रो०-40-1200 र० के वेतन-मान में विज्ञापन प्रसारण नेवा, आकाणवाणी अहमदाबाद में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(68)/82-एस०-1--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री अनूप कुमार सेठी, को 27-5-83 से अगले आवेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी बम्बई में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(81) 82-एस० एक---महानिवेशक, आकाशवाणी . एतव्हारा श्री प्रकाश एस० शुजलपुरकार को 9 मार्च 1983 से अगले आवेश तक, 650-30-740-35-810-द० रो०-। 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में आकाशवाणी बम्बई में, अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक इसे महानिदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निवेशालय

बम्बई-400001,दिनांक 6 जुलाई 1983

सं० डी० पो॰ एस०/2/1(7)/79-प्रणा०/22114—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक
ने स्थाई भंडारी श्री मुलियापुरत्त राजू को रुपये 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०40-1200 के वेतनमान में ता० 23-6-1983 (पूर्वाह्म) से 30-9-1983 (अपराह्म) तक के लिए या अगले आदेश होने तक, जो भी पहले हो, तदर्य आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त किया है।

सं० डी० पी० एस०/41/2/83-प्रमा०/22123—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भंडार निदेशालय के निवेशक ने सहायक भंडार अधिकारी श्रीमती एली मैथ्यू की छुट्टी मंजूर किए जाने पर स्थायी भंडारी श्री एलियास रेगी को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेलनमान में ता० 6-5-1983 (पूर्वाह्न) से 18-6-1983 (अपराह्म) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानायन रूप से सहाय में श्री श्री श्री निदेशालय में स्थानायन रूप से सहाय में श्री श्री कारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैवराबाद-500016, दिनांक 4 जुलाई 1983

सं० प० ख० प्र-1/27/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतद्वारा श्री एन० राज गोपाल को परमाणु खनिज प्रभाग में 23 जून, 1983 के पूर्वाह्म से लेकर अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस० बी०" नियुक्त करते हैं।

टी० डी० घाडगे वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 8 जुलाई 1983

सं० 05052/फर० 83/2296—-भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री अम्मानूर गोमातुम पद्गनाभन, भारी पानी संयंत्र (तूतीकोरिन) के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' को, उसी संयंत्र में 6 फरवरी, पूर्वाह्न, 1983 से आगे आदेण होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2297---भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री टी० श्रीनिवासन, भारी पानी संयंत्र (त्तीकोरिन) के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'मी' को, उसी संयंत्र में पूर्वाह्न 1 फरवरी, 1983 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

सं० 05052/फर० 83/2298—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रमुख कार्यकारी, श्री सुब्रमणी गनाना भाषकरन, भारी पानी संयंत्र (तूतीकोरिन) के अस्थायी कार्यदेशक (फोरमैन) को, उसी संयंत्र में पूर्वीह्म फरवरी 1, 1983 से आगे आदेश तक के लिए स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता (ग्रेड एस० बी०) नियुक्त करते हैं।

आर० सी० कोटियानकर प्रशासन अधिकारी

रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपायकम्-603102, दिनांक 27 जून 1983

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/978/77/9229—
रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस केन्द्र के स्थायिवत् सहायक फोरमैन तथा स्थानापन्न फोरमैन श्री रंगास्वामी अराबमुधन को ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-४० रो०-40-1200 के वेननमान में बैजानिक अधिकारी/अभियता ग्रेड "एस० बी०" के पद पर 17 जून 1983 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 30 जून 1983

सं० आर० आर० सी०/ए० 32023/1/83/आर०/9368—रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस केन्द्र के स्थायां सहायक लेखापाल श्री कोंगास्सेरी नारायण मूर्ति को उसी केन्द्र में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 13-5-1983 से 14-6-1983 तक की जबिध के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति, श्री टी० म्बुमणि, जिनकी लेखा अधिकारी-11 के पद पर पदोन्नति की गई है, के स्थान पर की गई है।

सं० आर० आर० सी०/ए० 32023/1/83/आर०/9366—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना के स्थायिवस् निम्न श्रेणी लिपिक तथा रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री टी० अम्बुमणि, को उसी केन्द्र में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न ६प से लेखा अधिकारी-II के पद पर 13-5-83 से 14-6-83 तक की अवधि के लिए नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री के० वी० फुप्णामूर्ति, लेखा अधिकारी-III, जिन्हें लेखा अधिकारी-III के पद पर पदोक्षत किया गया है, के स्थान पर की गई है।

सं० आर० आर० सी०/ए० 32023/1/77/आर०/9367—इस केन्द्र की तारीख 3/4-5-83 की मुमसंख्यक अधिसूचना (6528) के क्रम में, रिऐक्टर अनुसंधान केन्द्र के निदेशक ने इस केन्द्र के स्थायी सहायक लेखापाल श्री किल्ली कुलंगार मामन बेलायुधन की उसी केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की गई पदोन्नित की अवधि को 1-6-83 में 7-6-83 तक की अवधि के लिए बढ़ाया है।

एस० पद्मनाभन प्रणासनिक अधिकारी

पर्यटन तथा नागर विमानन मंद्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग नई विल्ली विनांक 30 जून 1983

सं० ए० 32013 (ए० डी० जी० एम०)/1/80-स्था०-ा---राष्ट्रपति मौसम विज्ञान विभाग में, मौसम विज्ञान के उपमहा-निवेशक डा० आर० पी० सरकार की उसी विभाग में दिनांक 13-4-1983 के पूर्वाह्म से आगामी आवेश तक स्थानापन्न रूप में मौसम विज्ञान के अपर महानिवेशक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> एस० के० दास, मौसम विज्ञान के महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 7 जुलाई 1983

से॰ 16/116/65-स्थापना-1--अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री एम॰ के॰ लाला, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविश्वालय को दिनांक 31 मई, 1983 की अपराह्म से सेवा निवृतन की आयु होने पर सरकारी भेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति देते हैं।

सं० 16/341/79-स्थापना-1--श्री पी० पी० भोला, अनु-संधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, का दिनांक 12-6-83 को देहावसान हो गया।

> रजत कुमार कुल सचिव

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई विल्ली, दिनांक जून 1983

सं० 19/83—श्री कें० कें० बत्ता ने, जो पहले पुणे स्थित मुख्यालय की केन्द्रीय उत्पादन सथा सीमा शुल्क (विशेषज्ञ) तकनीकी शाखा में अधीक्षक के रूप में कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा व केन्द्रीय उस्पादन शुल्क, नई दिल्ली, के दिनांक 27-4-83 के पत्न सी० सं० 1041/50/82 के अनुसार इस निदेशालय कें, नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 23-6-83 (पूर्वाह्म) से निरीक्षण अधिकारी, ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 20/83—श्री बी० बी० एस० मास्ती ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन गुल्क समाहतिलय हैदराबाद में अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन गुल्क ग्रुप "ख" के पद पर कार्यरक्ष थे, निदेशालय के दिनांक 17 मई 1983 के आदेश सं० 1041/41/79 के द्वारा निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा केन्द्रीय उत्पादन गुल्क के हैदराबाद स्थित केन्द्रीय प्रादेशिक यूनिट में स्थानांतरण होने पर दिनांक 7 जून, 1983 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा व केन्द्रीय उत्पादन गुल्क) ग्रुप "ख" के पद वा कार्यभार संभाल लिया।

व० वं० रस्तोगी निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 जुलाई 1983

सं० ए०-19012/1026/83-स्थापना-पांच — अध्यक्ष, केन्द्रीय जल अत्योग, श्री अशोक उपलानी, अभिकल्प सहायक को असिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में स्थानापन रूप में पूर्णतया अस्थायी एवं तक्ष्य आधार पर ६० 650-30-740 35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेननमान में 30 अप्रैल, 1983

की पूर्वाहन से एक वर्ष के लिए अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं ा०-19012/985/82-स्था०-पांच/अध्यक्ष-केन्द्रीय जल आयोग. श्री एस० एम० गुफरान (इस समय केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के पद पर प्रदर्थ आधार पर स्थानापन्न) को ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में उसी पद पर 9 अगस्त, 1982 की पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री एम् ० एम ० गुफरान, केन्द्रीय जक्ष आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपर्युक्त नारीख मे दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

3. श्री गुफरान की पदोन्नति मार्ननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता में लम्बित पड़े 1980 के सिविल नियम सं० 10823 (उद्यु) के परिणाम के अध्यक्षीन है।

> तिलोकी नाथ फोतेदार अवर समिव केन्द्रीय जल आयोग

विधि, त्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में ग्रौर जीयोबानोला बिक्षि लिमिटेड के मामले में

कोचीन, दिनांक 7 जुलाई 1983

सं० 1929/लिक्बि/6137/83—सिविल सं० सिपी 7/ 1979 में एरनाकुलम में स्थित उच्चन्यायः लय के तारीखा. 15-12-1982 के आदेश द्वारा जीयोबानोला विश्वि लिमिटेश का परिसमापन करने का आदेश दिया गया है।

> 'के० पन्चापकेशन कम्पनियों का रजिस्ट्रार, केरल

आयकर आयुक्त का कार्यालय कोचीन, दिनांक 24 जून 1983

श्रायकर

सं० 1 ू(9) (बी०)जी० एल०/83-84—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा(1) और (2) के अनुसार प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करतें हुए एवं उक्त धारा के अनुसार इस कार्यालय के समय समय पर सूचित पुरानी अधिसूचनाओं का अधिक्रमण करते हुए, आयकर आयुक्त, कोचिन, निदेश किये जाते हैं कि 15 जुलाई, 1983/24 आषाढ. 1905 के पूर्वाह्म से सी० सं० 1(9)

(बी०) जी० एल०/73-74 तारीख 12-7-1973 के अधि- सूजना के कम सं० 6(iv) ग्रीर (v) के सामने कोलम (2) में विनिर्दिष्ट आमकर मण्डलों के कोलम (3) में उल्लिखित आयकर अधिकारियों का क्षेत्राधिकार निम्न रूप से संशोधित किया जायेगा:—			v) के सामने कोलम के कोलम (3) में	1	2 (v)	3 भागकर अधिकारी, (ii) बी-वार्ड, कंपनी सर्किल।	4 फोट्टयम राजस्य जिले में रजिस्ट्री फिये गये पब्लिक लिमिटेड कॅपनियों
क्रम 1	सर्किलकाः नाम 2	आयकर अघिकारी का पदसंज्ञा 3	क्षेत्राधिकार 4				लामटड कपानया को छोड़कर; आय- कर अधिनियम, 1961 की धारा 2(22) (ई) के
6. ए	रणाकुलम (iγ	') आयकर अधिकारी, (ए-बार्ड, कंपनी सर्किल ।	i) कोट्टयम राजस्य जिले में रजिस्ट्री किये गये पब्लिक लिमिटेड कंपिनियों को छोड़कर निम्नलिखित आयकर मण्डलों के प्रावेशिक क्षेत्रा- धिकार के अन्त- र्गत कंपिनियों के सभी मामले :— आलप्पी, आलुवा, एरणाकुलम, कोट्टयम, मट्टांचेरी ग्रीर तिरुषल्ला।			आय	अर्थव्याप्ति के अन्तर्गत आनेवाले उपर्युक्त मण्डलों में स्थित कंपनियों के सारे प्रवन्ध अधिकर्ता और सारवान हिस रखने वाले निदेशक जो कि केरल निवासी हैं।

भक्ष भाव दी एन एस उन्नन्यक्तात

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं जो ्र आहि श्रार० संख्या **की** 110/एक्यू--अतः मझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की ग्रह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जुज हिस्सा मकान नं 206/17 डयोढ़ी आगामीर थाना वर्जार गंज, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 नवम्बर 1982

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया च्या प्रति-क्रिज निस्नों लेखित उद्घेष्य से उन्नह कन्तरण निश्चित में वास्तिविक ज्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उकत आंधिनियम के अधीन कर दोने के सम्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; बौर/वा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) यो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किय;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

- (1) श्री नवाब जफर अली खान उर्फ वजीर आगा। (अन्तरक)
- (2) 1 श्रीबी० पी० हलवासिया
 - 2. श्रीमती सुधा लंगर
 - 3. श्री सफिकुर रहमान खान
 - 4. श्रीमती अजीज खान
 - 5 श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त क्रीता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थम के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारी की 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताकारी के पाद सिक्ति में किए जा सकोंगें।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हु।

अनुसूची

जुज हिस्सा मकान नं 206/17 ग, क्षेत्रफल 7500 वर्ग फुट वार्क डयोड़ी आगामीर थाना वजीर गंज, लखनऊ व वह सारी सम्पति जो सेल डीड तथा फार्म 37-जी संख्या 4519/82 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्योलय में क्षिया जा चुका है ।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-2-83

प्ररूप् आहे.डी. एम् पुरस ,-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं० जीं० आई० आर० संख्या बीं० 111/एक्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 206/17 है तथा जो डोहरी आगानीर वजीरगंज लखनऊ में स्थित है (और इस से उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22 नवम्बर 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की वासत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः नकः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि——

- (1) श्री नवाबअली खान उर्फ गौहेर आगा। (अन्तरक)
 - (2) 1. श्री वी० पी० हलवासिया
 - 2. श्रीमती सुधा लंगर
 - 3 श्री शफीकुर रहमान खान
 - 4. श्रीअजीज खान
 - 5. श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरती

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्न अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूचीं

मकान नं० 206/17 जोकि करीब 5569 वर्ग फिट है जोकि आगामीर की डोहरी थाना वजीर गंज जिला लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण निवरण सेलडीड व फार्म 37-जी जसंख्या 4520/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्टार, लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-2-83

प्ररूप आईं ुटी, एन, एस,-------

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी 1983

निवेश सं ० जी० श्राई ० आर० संख्या की 112/एक्यू--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 206/17य है तथा जो डाअरी आगामीर वजीरगंज लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 22-11-82 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाण

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाण प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृश्व उसके दश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त्रविक रूप से किथा महीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वियत्व में क्रमी करने या उससे अचने में सूविधा के सिए; और/बा
- (व) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्ही भारतीय कायकार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, कियाने में सुविधा के सिष्।

अतः अब, उक्त अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें अभीन, निम्निसि<u>खित व्यक्तियों, अर्थात्</u>:——

- 1. श्रीमिर्जाअली जफर।
- (अन्तरक)
- 2. (1) श्री वी० पी० हलवासिया
 - (2) श्रीमती सुघा लंगर
 - (3) श्री सफीकुर रहमान खान
 - (4) श्री अजीज खान
 - (5) श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव
- 3. उपरोक्त अन्तरिती

(अम्तरिती)

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपरित में हित्बव्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकी।

स्परक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त काळाँ और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

भूमि बिल्डिंग सहित जिसका मकान नं० 206/17 ग है। पैमाईशी 2500 स्कायर फिट है जो कि डोअरी आगीमीर वजीर गंज जिलां लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डोड व फार्म 37-जी संख्या 4521/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-2-1983

प्रकृत नाहीत द्वीत एन न एस . -----

नामकषु वृषिर्[न्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत जुरकार

कार्याल यसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी 1983

निदेश सं जी०आई०आर० संख्या बी-113/अर्जन--अतः मुझे, ए0 प्रसाद

जायकर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कहा गया है), की भारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/-दः से विधिक है

और जिसकी संख्या 206/17 का भाग है तथा जो डेअरी आगी-मीर जिला लखनऊ में स्थित ह (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक 22 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नह है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के नीच एसे अन्तर्य के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेश्यों से उच्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अनुसरण से हुई किसी आम की बानत, उक्त अधिनियुम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे मुखने में सुनिधा के लिए; अधि/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंगु स्थामित्यों, नुर्धात् ६1 श्री खुर्शीय आगा

(अन्तरक)

 श्री बी० पी० हलवासिया श्रीमती सुधा लंगर श्री सफींकुर रहमान खान श्रीमती अजीज खान श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

उपरोक्त अन्तरिती
 (वह व्यक्ति जिसके अभियोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिनी की अविधि या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

मकान नं० 206/17 का भाग जो कि 5569 वर्ग फीट है जोकि डोअरी आगीमीर धाना वजीर गंज लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सील डीड व फार्म 37 जी सख्या 4522/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार कार्यालय लखनऊ में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-2-83

प्रकृषः वादः .टी. एन. एस. ---------

ग्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की भारा 269•व (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 फरवरी 1983

निर्देश सं जी० आई० आर० संख्या बी-114/अर्जन-अतः, मुझे, ए० प्रसाद

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे दसमें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम् कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी संख्या 206/17 ग है तथा जो डाअरी आर्गामीर थाना वजीर गंज जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से प्रधिक है घोर प्रन्तरिक (प्रन्तरिकों) और सन्तरिती (अन्तरितयों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है बास्तिवक रूप म किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या इसते अपने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी जियी श्राय या किसी घन या भ्रम्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः श्रमः, जनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उनत श्रधिनियम की धारा 269-न की जपवारा (1) को अधीम, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्रीमती किशवर जहां।
- (अग्तरक)
- (2.) श्री बी० पी० हलवासिया
 - 2 श्रीमती सुधा लंगर
 - श्री सफीकुर रहमान खान
 - 4. श्रीमती अजीज खान
 - श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधियोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

एकत सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :--

किसी व्यक्ति क्षाराः

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पच्छीकरण !--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीड पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही श्रयं होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 206/17 ग, क्षेत्रफल 4500 वर्गफुट बाके ड्योढ़ी आगारमीर थाना वजीर गंज लखनऊ, में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म 37-जी संख्या 5351/82 में वर्णित है तथा जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

तारीख : 14-2-1983

प्ररूप बाह⁴. टी. एत. एस. ------

आयकर् अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देश संजी० आई० आर० संख्याबी—113/अर्जन—~अतः, मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 58 है तथा जो जवाहर नगर मुरादा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित खाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुन किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उन्से अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के लिए:

भतः अब, उक्त गिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तिसमी, अर्थात् :---

 दि जवाहर नगर कोआपरेटिव हा० सो० कि०, मुरादाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री बृज लाल धवन।

(अन्तरिली)

 उपरोक्त अन्तरक (अह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख सँ 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के नास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्यद्धीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

एक प्लाट नं० 58 पैमाइश $49'-9'' \times 50'-8''$ वर्ग फीट है जोकि जवाहर नगर मुरावाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल बीड व फार्म 37 जी संख्या 5630/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दर्ज किया ज्या चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 16-3-1983

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 मई 1983

निदेश सं जी० आई० आर० संख्या पी-103/क्यू०-अतः; मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 5 है तथा जो मिन्टो रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्न रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

दिनांक 8-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उचत अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) जनतरण से हुद्दै किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जनसरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) 1. श्रीमती सुशीला वार्षणेय
 - 2. श्री हर्षपाल वार्षणेय
 - 3. श्रीमती कंचन वार्षणेय

(अन्तरक)

(2) दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी समिति लि॰ इलाहाबाद द्वारा सचिव—श्री सीताराम पान्डे।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके स्रधिभोग में सम्पति हैं)

को यह,सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह है. 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर • सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति हुवारा अधोहस्ताक्ष,री के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याम में विचा गमा हैं।

वनस्वी

मकान नं० 5, मिन्टो रोड इलाहाबाद और मकान से संलग्न भूमि कुल क्षेत्रफल 2645, 49 स्क्वायर मीटर और वह सब कुछ जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 6808 में वर्णित तथा जिसका है पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 8-11-1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-5-1983

प्रकृप द्वाई० डी • एन • एस० ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-म (1) के अभीत सुचना

मारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 मई 1983

निर्वेश सं अजि आई० आर० संख्या एन० – 53/एक्यू० – अतः मुसे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- र से प्रधिक है

और जिसकी संख्या आराजो खसरा नं 0 12 है तथा जो टिकेत नगर का तालाब के पास आलमधाय लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-11-1982

को पूर्वों क्त सम्प्रित के उचित बाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य; उसके बृद्यमान प्रतिकल का प्रमह प्रतिभात से प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से तुई किसी आय की आवत उपत प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रान्तर क दे विधित में कभी करने भा चससे अचने में सुधिका के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर धाधिनयम, 1972 (1922 का 11) या अस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः गन, उक्त अधिनियभ की जारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3---176GI|83

 श्री एस० सी० दोक्षित
 प्रेसीडेन्ट यू०पी० राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन लखनऊ।

(अन्तरक्)

श्री एन० के० अरोरा
 श्री अनिल कुमार फांन्डा

(अन्तरिती)

 उपराक्त श्रन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रशासन की तारीख से
 45 दिन की अविधि मा तक्तभ्यन्त्री व्यक्तियों पर
 सूचना की ताभीन है 30 दिन की अविधि, जो भी
 प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोद्यस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

आराजो खसरा नं० 12 पैमाईसी 9000 स्क्वायर फीट जोिक मोहरूला टिकेत नगर का तालाव आलमबाग लखनऊ में स्थित हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 4444/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3-11-1982 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 23-5-1983 -

म्कप् आर्ड . टी . एम . एस् . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 10 जुन 1983

निर्वेश सं० जी० आई० आर० संख्या आर-181/एक्यू०---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ का के अधिक है

और जिसकी संख्या महान नं 0 141 है तथा जो सिविल लाइन बरेली में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 15-11-82

को पृथों थत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग्र की बाबत, उक्त अधिकियभ, के अधीन कर दीने के बन्तरक के यायित्व में कभी जलने या उससे बचने में सृषिधा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खब्स अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिर्दाः इवारा प्रकट नहीं किया एया था दा किया जाना शाहिए था, खिपाने सें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-- 1. श्रीमती चन्द्रकान्ता बाजपेयी।

(अन्तरक)

श्री रतनेश कुमार सिंह
 श्री लिलत कुमार सिंह (माइनर)
 द्वारा संरक्षक व भाई श्री रतनेश कुमार सिंह।

(अन्सरिसी)

3. उपरोक्त अन्तरिती (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपृत्ति हैं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा जभोहस्ताकारी के पास लिकिस में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्वा हैं।

अनुसूची

मकान नं० 141 जोकि सिविल लाइन बरेली में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 4224/ 82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 10-6-83

प्रस्ता भाइ. टी. एनं एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 मई 1983

निर्देश सं० जी०आई०आर० संख्या जे-63/एक्य०---यतः मुझे, ए० प्रसाय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं दुकान न० 44-की है तथा जो 44-ए सिविल लाइन बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-11-1982

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के जधीन कर दोने के वन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अभीत्—ः 1. श्री चन्द्र मोहन पन्ता।

(अन्तरक)

श्री जय नारायन मेहरोल्ला
 श्री सुन्दर नारायन मेहरोल्ला।

(अन्तरिती)

3. श्री एस्० के० मेहरा (किरायेदार)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनहियां करता हुं।

बक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्र विध ध्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उद्धात स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्यव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दी और पर्दों का, वां समस्य अधिनियम, कं अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसुची

एक बुकान नं० 44-डी पैमाइश 71 एक्वायर यार्ड जोकि 44-ए सिविल लाइन बरेली में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी संख्या 2143-82 में विणत है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 2-11-82 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 21-5-1983

प्रस्त शाई० टी० एत∙ एख•------

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सूचना

मारत सरकार

कार्घालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 जून 1983

निर्वेश सं० जी०आई०आर० संख्या आर०-185/एक्यू०---अतः ृं मूझे, ए० प्रसाद,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बानार मूख्य 25,000/- क्षए से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान है तथा जो पुरानीपैठ चन्दोसी विलारी मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्दोसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से तुई किसी माय की वावत, उक्त अधि-नियम के अधीत कर देने के मन्तरक के वामिस्थ में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; मीर/या,
- (ख) ऐसी किन्ते आय पा किसी बन वा घ्रस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर प्रधितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, गा घत-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा या या किया जाना चाहिए या, जिन्नाने में सुखिसा के लिए।

प्रतः अन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के, अनुकरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुतिक्त व्यक्तियों, अधीत :-- श्री वृजेन्द्र कुमार
 श्री राजेन्द्र कुमार।

(अन्तरक)

 श्रीमती रामदुलारी श्री राजेश्वर प्रसाव।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी क्ररके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति औ भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्नों श्रीर पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वक्क अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

मकान जो कि पुरानी पैठ चन्दोसी तहसील विलारी जिला मुरादाबाद में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37—जो में वर्णित है तथा सम्पत्ति का पंजीकरण सब रिजस्ट्रार चन्वोसी जिला मुरादाबाद के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 15-6-83

मोहरू 🗓

प्रकप नाइं . टी . एन . एस . -----

ग्रायक**च व्यविनियन: 1961 (1961 का 43) की छा**रा **269वं (1) के घर्षीय सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जून 1983

निर्देश सं०/ए०आर०-2/3415/82-83-अतः मुझे, एस० एच० अब्बास अबीधी

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावार संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या सी०टी०एस० नं० 757 है तथा जो बाद्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विक्था है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-11-82

को प्रविक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृष्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अम्मिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्पित का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (इम्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्कल, निम्नितियों के विद्यास से उक्त मन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण तें हुई किसी आय की बाबत, उन्त बीच्तियन, से बंधीन कर देने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में बुविशा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री इंदूलाल अम्बालाल अङ्गल्जा और अन्य ।

(अन्तरक)

2. श्री रजनीकांत एस० मेहता और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति इवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोक्ता, जो जिन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख सं० एस-1281/81 और जो उप रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 18-11-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० ए**च**० अब्बास आबीदी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 15 जून 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मार्थ 1983

निर्देण सं० ए०आर०/37 इइ-42/82-83-अतः मुझे, आर० के० बकाया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. से अधिक है

और जिसकी संख्या शापनं 1 बेसमेंट और 2 गंरेजेब के साथ है तथा जो हार्कनेस रोड, बम्बई में स्थित है और इससे उपाबंद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-1-1982

2. और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित इस कार्यालय में कि संव अर्जन इलाका 1 के अंतर्गत तारीख 25-11-82 को रिजस्ट्री

है।

का पूर्वोक्त सम्मित के उजित बाजाड़ मूल्य से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है औड अन्तरक (अन्तर्कों) औड अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री राजेश एन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. जे० चिसारंजनं एन्ड कंपनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यग्रीहर्मा करता हुं।

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

दुकान नं 1 बेसमेंट और दो गराज के साथ जो 9 हार्कनेस रोड बम्बई 400006 में स्थित है। अनुसूची जैसा की अर्जन क्रमांक 1/28/82-83 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: .8 मार्च 1983

प्ररूप बाहें दी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1983

निर्देश सं० ए०आर०--1/37--इइ--55/82--83---अतः मुझे आर० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट नं० 22 लक्ष्मी महस्र है तथा जो बोमनजी पेटीट रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है)

और जिसकी करारनाभा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित इस कार्यालय में कि कं अर्जन इलाका—1 के अंतर्गत 25—11—82 को रजिस्ट्री है।

को पूर्वोक्त सम्पिति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की पूर्व हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्येक्ति सम्पित्त का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि**षित व्यक्तियों, अधीत**ः— 1. श्री उमेश चन्त्र चूनीलाल मोटला

(अन्तरक)

 श्रीमती कंचनबेन चूनीलाल मेहता और श्रीमती सुजाता अशोक कुमार मेहता

(अन्तरिती)

 श्रीमती कंचनबेन चून्मिलाल मेहता और श्रीमती सुजाता अगोक कुमार मेहता (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में क्रांशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं० 22 लक्ष्मी महल बोमनजी पेटीट रोड बम्बई- 400036 में स्थित । अनसूची जैसा कि ऋमांक अर्जन रेंज 1/31/82-83 और जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11 मार्च 1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 मई 1983

निर्देश सं० ए०आर०-2/37 इ.इ-25/83-84--अतः मुझे, आर० के० बकाया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावूर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या आफिन प्रीमाईनंस नं० 308 है तथा जो न्यू मरीन लाईन्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे बणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित इस कार्यालय में कि सं० अर्जन इलाका-1 के अतर्गत तारीख 2-11-82 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरयमान प्रतिफल से, ऐसे खरयमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविद खप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी जाग या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का !1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयम्भार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो., मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्री श्रीचंद लोखरामदास रहेंजा

(अन्तरक)

श्रीमती रेणु प्रकाश बिजलानी

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी कर्के पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

आफीस प्रीमाइसेस नं० 308, 3रा माला, जाली भवन नं० 1, 10; न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई 400020।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका क० 1/18/82-83 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-11-82 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन, रेंज-1; बम्बाई

तारीख: 13 मई 1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रार्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 16 अप्रैल 1983

निर्वेश सं० अर्जन इलाका--1/37--ईई/38/82--83---यत: मुझे, आर० के० बकाया

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुंट से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट सं० 911, राहेजा सेंटर, 214, नरीमन पाईंट बम्बई 400021 में स्थित है तथा जो नरीमन पाईंट में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका-1, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 25-11-1982 को रजिस्ट्री है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया एसे अंतरण के लिए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

- श्री निरंजन के० मृनी और श्रीमती हीरा एन० मृनी (अन्तरक)
- 2. श्री राजू आर० गेटे और श्रीमती इंदिरा आर० गेटे (अन्तरिती)
- राजू आर० गेटे
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित को अर्जन के संबंध में कोई आक्षोप हु--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सुमता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थाकाकारणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस प्रीमाइसेस यूनिट नं० 911, जो 'राहेजा सेन्टर, 214, नरीमन पाईंट, बम्बई 400021 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि अर्जन इलाका ऋ० 1/37-ईई/82-83 और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1981 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित इस कार्यालय में सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन इलाका-1, बम्बई द्वारा दिनांक 25-11-82 को रजिस्टई किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज**, बम्बई**

तारीख: 16-4-1983

भोद्धः :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री सूर्यं नारायण, मद्रास-12 ।

(अन्तरक)

(2) श्री जार्ज पीटर, मद्रास-31।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० 21/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 3974 है तथा जो अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, दस्तावेज सं. 1562/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्यवेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 3974, अन्ना नगर, मद्रास-40 (दस्तावेज मं० 1562/82)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकरी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

ं तारीख 23--6--1₿83 'मोहर : प्ररूप बार्च. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्स (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० 91/नवम्बर/82——अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 106, मिन्ट स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दक्षिण मद्रास दस्तावेज सं० 3785, 3786/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का अचित काजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पूसे किंग्रित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आहर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात :——

(1) श्री वन्डवनलाल गोवर्धन लाल, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीचन्द प्रभ महाराज, जूना जैन मन्दिर ट्रस्ट, मद्रास-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कर्र्झ भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय - 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 106, मिन्ट स्ट्रीट, सौकारपेट, मद्रास-1 । (वस्तावेज सं० 3785, 3786/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 23-6-1983

प्ररूप आहें, दी : एन् । एस् : -----

भायकाह अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत त्रकार

कार्याल्य, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1983

निवेश सं० 92/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिरुलै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

(और जिसकी सं० 611, पी० एच० रोड है तथा जो मद्रास-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दक्षिण मद्रास दस्तावेज सं० 3705, 3706/82 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा प्रतिफल निम्न्लिकित उद्देश्य से उचित अन्तर्मुण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गुवा है है—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाद की बादस, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उत्ते दक्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर मुधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया जाना चाहिए था, कियाने में सूब्धा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निक्कितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री कस्तूरी नारायण और लाल गुप्ताः।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० जी० कुप्पूस्वाभी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्यस्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि और निर्माण सं० 611, पी० एच० रोड, मद्रास-29 । (दस्तावेज सं० 3705, 3706/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारी**स**: 23-6-1983

भोहरु 🙎

हरूप् नार्ड्, डी. **एन्. एस्**.....

नायकद्र मुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-अ (1) के सभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 23 जून 1983

ं निवेश सं० 93/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1696, अन्ना नगर है तथा जो मम्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास दस्तावेज सं० 1790/82 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य एसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कृथित नृत्ती किया गृवा है हिन्

- (क) जन्तरण से हुई किती जाया की बाबला, उक्त ज़िश्चित्यम् के अभीना कर देने के जन्तरक के दायित्य में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा हो निए;

अतः अवा, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री ए० बी० एल० नरसिंह शास्त्री । (अन्तरक)
- (2) श्री आर॰ सुब्रमनियम । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत् स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित् में किए का सकेंगे।

स्पष्कीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो 'उक्त अभिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट नं० 1696, अन्ना नगर, मद्रास। (दस्सावेज सं० 1790/82) ।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-1, मद्रास

तारीख : 23—6—1983

मोहरू 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकद्व आयुक्त (निर्धाक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून 1983

निदेश स॰ 94/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर॰ पी॰ पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 4050, अन्ना नगर है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रास में दस्तावेज सं० 1881/82 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संग्मित के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की पिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाँ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री ए० बी० वेंकटा बलमा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० ओ० एम० नागराजन।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 –

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थिति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् ची

भूमि और निर्माण 4050 ,अन्ना नगर, मद्रास (दस्तावेज सं॰ 1881/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 23-6-1983

प्ररूप आइं.टी. एन. एस्. -----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मब्रास

मद्रास, दिनांक 23 जून, 1983

निवेश सं० 95/नवम्बर/ 82---यतः मुझे आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं0 प्लाट सं० 1609 है, जो अन्ना नगर, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाश्रक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रन्ना नगर, मद्रास (दस्तावेज सं० 1127/82' में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अःतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्का अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम के ब्रुधीन कटु दोने के बन्तरक के दावित्व में कनी करने या उसते बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सृथिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्री एम० रामुनायडू

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रियकान्त पी० शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्षन् के जिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकते।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वनुस्ची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 1609, अन्ना नगर, मद्रास (वस्तावेज सं० 1727/82)।

> आर०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 23-6-1983

प्ररूप नार्षः टी ः एन् । एस् .-----

(1) श्रीमती राधाबाइ

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

(2) श्री बरघीस

(अन्तरिती)

भारत सहकार

क्रायांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून, 1983

निदेश सं० 12448—यतः मुझे, आरं० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक हैं.

और जिसकी सं० सेट 37, है, जो रामनाथपुरम, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उषाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं, कोयम्बटूर (ज्ञाकुमेंट 1301, 1302/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम् के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल सो, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त ग्रिक्षियम के ग्राचीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के सिए; जॉर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप ए----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अगृस्ची

भूमि और निर्माण सर्वे 474, सेट 37; रामनाथपुरम, कोयम्बटूर (डाकुमेंट 1301, 1302/82)।

आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीस् :---

तारीख: 20-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 20 जून, 1983

निदेश सं० 12452—यत. मुझे आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० सर्वे नं० 333 है, जो कृष्णरायपुरम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेट 4777/82) मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उँद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
5 —176 GI/83

(1) श्री वेलुमनी

- (अन्तरक)
- (2) मैसर्स कामाशयल इन्वेस्टमेट्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूमि सर्वैंनं० 333, क्रुष्नरायपुरम, कोयम्बटूर। (डाक्यूमेट 4779/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 20-6-1983

मोहर 🖁

प्रकृष बाह्रं.टी.एन.एस.-----

बाब्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुभना

TISE SEEK

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मब्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निवेश सं० 12452----यतः मुझे आर० पी० पिल्लै जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-इस के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 333, कृष्णरायपुरम है, जो कोयम्बटूर में (डाकुमेंट सं० 4778/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृक्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिकल से, हेसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उत्तदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृट नहीं किया गय भा या किया जाना चाहिए था., खिपाने में सुविधा के टिक्ट;

नतः अस, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग कें अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) चूं अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियां, अभीत् :--- (1) श्री बी० आर० वेलुमनी

(अन्तरक)

(2) श्री मोमेटस इंडिया लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की द्रामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में से मिमप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उका स्थावर सम्पत्ति में दितवद किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

वनुसूची

भूमि सर्वे 333, कृष्णरायपुरम, कोयम्बट्य । (डाकुमेंट सं० 4778/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम गांग हारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

ं मोह्र्र∴

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री वेलुमनी

(अन्तरंक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नरसिम्हा टैक्सटाइल्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून, 1982

निदेश सं० 12452—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 333 है, जो कृष्तरायपुरम कोयम्बट्टर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (जाकुमेंट सं० 4779/82) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 333, कृष्नरायपुरम कोयम्बटूर। (डाकुमेंट सं० 4779/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्रकृप बार्ष: टाँ., एन्., एस्..-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन ग्रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12404—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाबार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं के सर्वे नं के 43, 44, कबुनठमपालयम है तथा जो कोयम्बट्टर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घाषिपुरम (डाक्मेंट सं 4162, 4163/82) में भारतिय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कर्षित कहीं किया प्रवा है कि

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की नावत उक्त विध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्से बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (वा) एसी किसी साय था किसी धन या सन्य सास्तियों का, जिन्हों भारतीय सायकर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम, या धन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० मरगठम ।

(अन्सरक)

(2) श्री जोस पटयापिल्ली ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्र----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 'से 45 दिन में भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकेंगे।

स्पट्टीक क्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषितृ ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूचीं

भूमि सर्वे सं० 43, 44 कब्रुनठमपालयम । (डाक्मेंट सं० 4162, 4163/82) ।

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मब्रास

तारीख: 20-6-1983

प्रस्प बाह् : टी. एन. एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्राचीन सुचना

भारत बुरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12406—अतः मुझें, आर० पी० पिल्लैं, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्ये 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 83, 86 है तथा जो घादिपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घादिपुरम (डाक् मेंट सं० 4089, 4090, 4114/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और्ट्र/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सृतिभा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री राजामनी और चन्द्रा ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० वनजा एल० पोश्चस्वामी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त् संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 83 84 घनपति (डाक्मेंट सं० 4089, 4090 & 4114/82)

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

मोहरु 🚦

प्रकृष् बाहु ु टी. एव. एस. ---

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सम्बना

नारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मदास

मद्रास, विनांक 20 जून 1983

निषंश सं 12400—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 14 सी कलेक्टर सुकुमार स्ट्रीट, के. के.।

और जिसकी सं. 14 सी कलक्टर सुकुमार स्ट्रीट, के. के.। ही, तथा जो पुठूर, कोयमबट्टूर में स्थित ही (और इससे उपाधव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिपुरम (डाकूमेन्ट सं. 4237,। 4246/82), में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के उधीन, तारीख नवस्वर, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसने वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, जिमाने में सुविधा के निहर;

शतः वय, उनत नीभीनयम की पाद्य 269-न के नम्तरण में, में अनत नीभीनयम की पाद्य 259-न की उपभादा (1) के न्भीन, निस्निलिश्वत व्यक्तियों, नर्भात् प्र⊶ (1) श्री टी० कुष्णमूर्ति ।

(अन्तरक)

(2) श्री वीर सिंह जायस घुनसीली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जु से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की जवधि, जो भी कवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा बच्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (च) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहेस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकीये।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—14 सी कलक्टर शिष कुमार स्ट्रीट, कोयम्बट्र । (डाक्मेंट सं० 4237, 4246/82)।

> आर० पी० पिरूली, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-I1, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

मोहर ः

प्रकण् नारं ह टी हुन् हुन् हुन् हुन्य

नायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12428—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 119, कीलपट्टामपाखम है तथा जो कटलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, निल्लीकुप्पम (डाकूमेट सं० 1944/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करा को का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरूप वे हुई किसी नाय की बाबत, डक्तु अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/बा
- (व) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य असिस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् उक्त

(1) श्री ए० मोहम्मद अली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शिवकाम सुन्दरी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूजा के सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्र-

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों अहैर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाष्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—119, कीलपट्टामपाखम, नेल्लीकुप्पम, कटलूर (डाकूमेंट सं० 1944/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज_{न्}II, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्रकप माई॰ टी॰ एत॰ एत॰-

आयकर प्रतिनियमः 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

शाह्य बृहक्ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जुन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निवेश सं० 12428—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूक्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 120/1, 2, 3, 4, 119 है तथा जो कीलपट्टमपाखम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लीकुप्पम (डाक्मेंट सं० 1958/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिखल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (त) धन्तरण से हुई जिसी साय की बावत, धन्त समितियम के सधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के जिए; सौर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, जिन्नने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्का अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री मोहम्मद अली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे 0 ललिता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रश्रंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकासन की तारीब से 45 दिन की प्रविध या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी प्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रश्नुका जन्दी बीर पर्दी का, जो अवत विकास के मध्याय-20क में परिभाषित हैं।
यही सर्व होगा को छा प्रध्याय में दिया कहा है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 120/1, 2, 3, 4, 119, कीलपट्टम~ पाखम । (डाक्मेंट सं० 1958/82) ।

> आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

प्ररूप भाइँ, टी. एम., एस.,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ाा, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जुन 1983

निदेश सं० 12429---अतः मुझें, आर० पी० पिरुलै आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 109/1, 3, 4, 5, 6, 7, 119 है तथा जो कीलपट्टमपाखाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेल्लीकृष्यम (डाक्नुमेंट सं० 1959/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---6-176GI/83

(1) श्री ए० मोहम्मद अली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जगदीसन।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों गर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-- सर्वे सं० 109/1, 3, 4, 5, 6, 7, 119 कीलपट्टापाखम। (डाक्मेंट सं∾ 1959/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्रकार शाहें दी एन एत . ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

आहत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12379 अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 604/1, 605, 608, 607/1 है तथा जो कुनियमुत्तूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बट्टर (डाक्स्मेंट सं० 4068, 4069/82) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मून्य, उसके द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धन-कर अधिनियभ, या धन-कर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था. द्विपाने में सूजिधा के लिए:

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :-- (1) श्री साथी केशव शनमुहवेल।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० करुप्पुस्वामी और अदरस ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त संपर्तिः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकांगे।

स्पटाकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उसत स्रोधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसन्त्री

भूमि—टी० एस० 604/1, 605, 608, 607/1, कुनियमुत्तूर । (डाक्मेंट सं० 4068, 4069/82)।

आर० पी० पिल्ल् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

श्रस्प आई. टी. एन. एस.---

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12379—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस 605, 606, 607/1 है, तथा जो कुनियमुत्तूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र (डाक्मेंट सं० 4070/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १(1) साथी केशव शनमुहवेल।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० हुनीका और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिता है, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^{II}; मद्रास

ता**रीख** : 20-6-19**8**3

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12398—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० टी० एस० सं० 149/2 है तथा जो पोल्लाची

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 149/2 है तथा जो पोल्लाची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय पोल्लाच्ची (डाक्सेंट सं० 2651/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 191982

को पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री डी० सुक्रमनियम और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एन० रेनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुची

भूमि—टी॰ एस॰ सं॰ 149/2 पोल्लाक्बी । डाक्सेंट सं॰ 2651/82) ।

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे—II, मद्रास

तारीख 20-6-1983 मोहर: नवम्बर, 1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12398---अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रठ. से अधिक हैं और जिसकी सं० टी० एस० न० 149/2 है तथा जो पोल्लाच्ची में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

पोल्लाच्ची में (डाकूमेट सं० 2650/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) श्री डी॰ सुज्जमनियन और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० आरुम्हम।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ्वीति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्कतिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनुसूची

भूमि—टी० एस० सं० 149/2, पोल्लाच्ची। (डाकूमेंट सं० 2650/82)।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

प्रक्प बार्ड. दी. एन. एस्. -----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

ानदेश सं० 12405/---अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर ग्रांशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत श्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/-द० से ग्रांधिक है

और जिस्रकी सं० सर्वे नं० 364 है तथा जो कवुनठमपालयम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घौँ स्पुरम (डाक्मेंट सं० 4103, 4104/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति क्ष्सु उचित बाजार मृख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत से प्रश्लिक है और प्रन्तरक (अश्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्निचित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राप्त की बाबत, उन्त प्रश्नियम के प्रधीन कर वेने के प्रस्तरक के दायस्य में कनी करने या उससे बचने में सुनिधा क लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आर या किसी धन या प्रस्य ग्रास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1921 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिंपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप-धारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्युक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री काली घौंडर

(अन्तरक)

(2) श्री एन० के० सुन्दरम और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) एप सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितबब किसी अध्य व्यक्ति द्वारा, अधीहरूताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:——इसर्वे प्रपुक्त णब्दों प्रौट तदों छा, जा **सक्त** प्रश्चितियम के श्र8्याय 20-ह में प**रिभाषित** हैं, कही प्रांडीमा, का उस प्रक्राव तें दिया गया दें।

वन्स्ची

भूमि--सर्वे सं० 364, कवुनठमपालयम । (डाक्मेंट सं० 4103, 4104/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनाक 20 जून 1983

निदेश सं० 12454/--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे 369/1, 2, 3, 4; 370/3; 363/4है तथा जो कल्लक्रिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, चिन्न सेलम (डाक्मेंट सं० 2425, 2426/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1982

कां पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपचित बाजार मुल्य से कम के एश्यमान प्रतिफूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों), और अंत-रिली (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के प्रंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में मुविधा के लिए: गौर/या
- 🔳 एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो का, जिन्ह[ा] भा**रतीय गा**यकार अधि**नियम, 192**2 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधाके लिए;

अस: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीम , निम्नलिसित व्यक्तियों , अर्थात्: ---

(1) श्री बी रनगनातम और कंनठस्वामी।

(अन्तरक)

'(2) श्री कमलम्माल ।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति इवारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण-36/1, 2, 3, 4, , 370/8; 363/4, चिन्न सेलम, कल्लकुरिची । (डाक्मेंट सं० 2425, 2426/82) ।

> आर० पी० पिल्ली, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Il, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्ररूप आहुर.टा.एम.एस. ----

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक कायकर वास्कृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 10061---अतः मुझें, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25-,000/- र. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 56, सीतारामन नगर है तथा जो पुठुपालयम कठलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कठलूर (डाक्सेंट सं० 1607/82 आइटम 374, 375, 376/82)) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को वन्सर्थ मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री देवराजन और कृष्णम्माल।

(अन्सरक)

(2) श्री दक्षिनामूर्ति और अदर्स।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में श्वित्वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हांगा, ओ उस अध्याय में विया मया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण—56, मीताराम नगर पुठुपालयम कठलूर ।

(डाक्मेंट सं० 1607/82), (आइटम सं० 374, 375, 376/82) ।

आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. =-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास विनाक 20 जून 1983

निदेश सं० 12386—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी॰ एस॰ 10/595; 598/1 2, 3; 596/1, 2 3 है तथा जो 597/1, 2, 3, कृष्णरायपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयस्बट्टूर (डाक्मेंट सं० 4956/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित् बाजार मृल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से ऐसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती विजयलक्ष्मी और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० राममूर्ति ।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- '(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्ची

भूमि—-टी॰ एस॰ 10/595, 598/1, 2, 3; 596/1, 2, 3; 597/1, 2, 3, कृष्णरायपुरम । (डाक्मेंट 4956/82) ।

> आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

1961 (1961 का 43) क्री धारा

नायक र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 20 जून 1983

निवेश सं० 12386--अतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै, *बायकर व*िधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से **अधिक है** और जिसकी सं० टी० एस० 10/595, 598/1, 2, 3, 596, 596/1, 2, 3 है तथा जो 597/1, 2, 3, कृष्णरायपुरम में स्थित है (और इससे उपायन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बदूर (डाक्मेंट सं० 4954/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख नवस्वर, 1982 की पूर्वीक्त सभ्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य, इसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पमा प्रतिफल निम्नलिसित उद्देषम्य से उक्त मंतरण लिसित में नास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एरी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती विजयलक्ष्मी और अन्य।

(अन्सरक)

(2) श्री आर० लक्ष्मणन।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त संपत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—टी॰ एस॰ नं॰ 10/595, 598/1, 2, 3, 596, 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, कुष्णरायपुरम । (डाक्मेंट सं॰ 4954/82) ।

आर० पी० पिरुलै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

मोहर 🛭

प्रकष् आहाः, बा,, एन्. एस्.,---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्मृता

भारत स्रकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12386—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयक्तर अधिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 10/595, 598/1, 2, 3, 596/1, 2, 3 है तथा जो 597/1, 2, 3, कृष्णरायपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 4955/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के द्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एसे द्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे व्यन में सुविधा के लिए; वार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती विजयलक्ष्मी और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री अलगप्पन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्मरित को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्ते सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर गौभनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि—सर्वे सं० 10/595, 598/1, 2, 3, 594/596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, कृष्णरावपुरम । (डाक्मेंट सं० 4954/82) ।

> आर० पी० पिल्लै संक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I, मन्नास

तारीख: 20-6-1983

अरूप आर्ह्यु टी., एन., एस., =======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12386——अतः मुर्झे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 10/595, 598/1, 2, 3, है जो 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3,

जो 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, कुल्णरायपुरम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 4957/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन 16 नवस्बर 82 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती विजयलक्ष्मी और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० चिन्नाप्पा।

(अन्तरिती)

क्रों यह सूचना जार्री कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पध्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उपत अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि—टी॰ एस॰ सं॰ 10/595, 598/1, 2, 3, 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, कृष्णरायपुरम । (डाक्मेंट सं॰ 4957/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽∏, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

मोहर: ्

ा प्ररूप आ**र्द**्ध टीं<u>..</u> एन<u>..</u> एस<u>..</u>. ≅ ८ - -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाउ 269-न्न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, महास

मद्रास, विनांक 20 जून 1983

12386--अतः मुझें, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अभिक है और जिसकी सं० टी० एस० 10/595, 598/1; 2, 3; 596/1, 2, 3 है तथा जो 597/1, 2, 3, कृष्णरायपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (र्जाकुमेंट सं० 4958/82) में रजिस्ट्रीकरण 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए और/या
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ किन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिंखतः व्यक्तियों, मुर्म्मूत् ह—— (1) श्रीमती विजयलक्ष्मी और अवर्स।

(अन्सरक)

(2) श्री सत्यमूर्ति ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रूरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकर्ण --- इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्ची

भूमि—टी॰ एस॰ सं॰ 10/595, 598/1, 2, 3, 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, कृष्णरायपुरम । (डाक्मेंट सं॰ 4958/82) ।

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयुक्त (निउक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्रकप बाहै.टी.एन.एस.,------

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० 17844—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर - सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स० 13 है तथा जो जन्द्रशेखरन स्ट्रीट, राजा अध्यासलैयरम महास—28 में स्थित है (और क्यमे उपावत

आर जिसका स० 13 ह तथा जा धन्द्रशखरन स्ट्राट, राजा अन्नामलेपुरम, मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबस्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्समेंट सं० 1450/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उजित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्चोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्लाह ग्रतिष्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हार्च किसी जाग की बाबत उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दापित्व में कमी करने या उससे स्थने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट महीं किया प्रया था या किया व्याना काहिए था, क्रियाने के स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री राजन और अमबुलु अम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अनन्तलक्ष्मी ।

(अन्सरिती)

को ग्रह सूचना चारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां के रखा हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस स्वनाके राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए आ सकेंगे।

स्वक्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्स जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया अथा है।

अमृसूची

भूमि और निर्माण—13, चन्द्रशेखरन स्ट्रीट, मद्रास—

(डाकमेंट सं० 1450/82) ।

आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 1-7-1983

भोहर ः

प्ररूप् वार्दः टी. एत्. एस्.,-=--=ध-

आवकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० 17840—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लैं, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० , 84/1 सी, 95/ए० सी० है तथा जो वेलचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सैदापेट (डाकूमेंट सं० 4436/82) में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1982

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एमें दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की यायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचनें में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;—

(1) श्री एलाइड इलेक्ट्रानिक्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० अप्पेरल्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—आर० एस० 84/1 सी०, 95/ए० सी०, वेलचेरी, सैंबापेट । (डाक्मेंट सं० 4436/82)

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—ॉॅ, मद्रास

तारीख : 1--7-1983

प्ररूप बाइ". टी. एम. एस्.-----

न्नायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक म्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983

निवेश सं० 17822—अतः मुझें, आर० पी० पिल्ली भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- प० से शिक्षक है और जिसकी सं० 3 है क्राया जो बी० एन० रेड्डी रोड, मद्रास—17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांक्य टी० नगर (डाक्सेंट सं० 1998/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिकत, निम्निसित उद्देश्य से कन्त प्रत्तरण लिखित में बास्तविक कप से कवित महीं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उससे अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अध्य धारितधीं की, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम; या धन-कर धिधनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया. गया या या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः जब, उक्त जिभिनयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् छ—— (1) एम० एस० राम मोहन राव।

(अन्तरक)

(2) एस मजुला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुई॥

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप द्र--

- (क) इस स्वना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर् स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी इयक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्कीकरणः ----इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वृध होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि—3,_बी० एन० रेड्डी रोड, मद्रास-17। (डाक्मेंट सं० 1998/83) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख : 1-7-1983

प्ररूप आहरै. टी. एन. एस. -----

त्रायकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, विनाक 29 जून 1983

निवेश सं० 17818—अत मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

और जिसकी सं 0 10 है तथा जो गोपाल स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाक्मेट सं 1922/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त पम्मिल के छिन्त बाजार मूच्य में कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूख्य, उपके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत का पत्प्रवृ भित्रात से धिक है भीर भन्तरक (प्रकारकों) और प्रकारितों (धन्तरितयों) के बीच ऐसे सम्पर्रण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्नलिखन हें स्थाप में अना प्रकार के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निक्नलिखन वहाँ किया वया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री राममूर्ति रेड्डी और अइरस।

(अन्तरक)

(2) श्री मरियदास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन हे सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति डारा;
 - (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गर्गत्ति में हितवन किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रगोतस्थानरी ह राय विक्रित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रीय-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बदी भर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया क्या है।

वन्स्ची

भूमि—10, गोपाल स्ट्रीट, मद्रास-17 । (डाक्मेंट सं० 1922/82) ।

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--II, मद्रास

तारीख : 29-6-1983

मोहर :

8—176GI/83

.. प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17855—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लं भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 12, राजू नायखन स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमाबाखम (डाकूमेंट सं० 4551, 4552/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री राकामबरम और दनसेकरन।

(अन्तरक)

(2) श्री लोगनाथन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अभसाची

भूमि और निर्माण-12, राजू नायखन स्ट्रीट, मद्रास-33। (डाक्मेंट सं० 4551 4552/82)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: 1-7-1983

प्रकल आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अन्नगप्पन और अवसं।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

(2) श्रीमती वनलक्ष्मी ।

कार्यवाहियां करता हुई।

(अन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17831—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाबार मृस्म 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 36 है तथा जो सुक्रमनियम स्ट्रीट, मद्रास-18 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैटस (डाक् मेंट सं० 818/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अस्तरित की गई है जौर मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रुख्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जनारण से हुन्द किनी नाय की नावत उपक अधि-रियम के अधीन कर दोने के अप्तरक के दायित्व के की करने या उससे वचने में सुविधा के जिने; बीर/या
- (क) ारेनी किसी आय या किसी धम या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काहें भी शाक्षेप:---

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सप्रिल के अर्थन के सिए

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछतीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ!

अनुस्ची

भूमि और निर्माण--36, सुब्रमनियम स्ट्रीट, मद्रास-18। (डाक्सेंट सं० 818/82)।

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मन्नास

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बन्सरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---

तारीख: 1-7-1983

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.------

(1) श्रीमती लीलावती ।

(अन्सरक)

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1), के अधीन सुचना

(2) श्री धर्बराजन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मब्रास

मद्रास, विनोक 1 जूलाई 1983

निर्देश सं० 17847—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 109, टी॰ एस॰ 7/5 है तथा जो पुलियूर, मद्रास-24 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठमबाखम (डाक्सेंट सं॰ 4716/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः अवः, उक्त मिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त भन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--टी० एस० सं० 7/5, 109, पुलियूर मद्रास-24। (डाक्मेंट सं० 4716/82)।

> श्चार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

तारीख : 1-7-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आ**इं**, टी. एन<u>ः</u> एक्.----

कायकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

(1) श्री एम० एम० हमीफा।

(अन्सरक)

(2) श्री सुम्रमनिय अय्यर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० 17787—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है") की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 रा ई तथा जो वेंकटेण्वर नगर, मद्रास—87 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विरुगमपाखम (डाकूमेंट सं० 1222/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुर्जे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिबत में भास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविभ या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ अव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कड़ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 विन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित- वहुध किसी सन्य व्यक्ति ह्वाच अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---9रा, वेंकटेक्वर नगर, मद्रास-87 । (डाक्मेंट सं० 1222/82) ।

> आर० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज–II, मद्रास

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीग, निम्नुसिख्त व्यक्तियों, वर्धात :---

तारीख: 1-7-1983

प्ररूप आई. दी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, मद्रास

मद्राप्त, दिनाक 1 जुलाई 1983

निर्देश सं ० 17781-यत: मुझे, श्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है -

भ्रौर जिसका संख्या टी० एम० 4903/2, है जो जं े० राम चेट्टि रोड, मद्राम-17 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मद्रास नारत (डाकूमेंट 3402, 3403, 3404/82) भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवम्बर, 1982

की पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी भाग की बाबत छक्त अधिनियम के मधीन कर देने के धन्यरक के वाजित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; क्षोर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धामकर ग्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अविगयम या धनकर अविनियम, 1987 (195? का 27) के प्रवीजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया या किया जाना चाहिए था जिनाने में सुविका के लिए;

धतः सब, उन्तं विविनियमं की वारा 269-व के धनुसरण में, में, उक्तं विविनियमं की बादा 269-व की उपवारा (1) के प्रजीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रवीत्:— (1) श्रं। बास्कर एस० पटेल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रषुरामन भ्रौर भदरस

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी कुछुने पूजींचड संपरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषितः हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि (म्रनडिबेटेड शेर—टी० एस० 4903/2,जी० राम वेट्टिरोड, मद्रास-17। (डाक्मेंट 3402, 3403, 3404/82)

> म्रार०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, मद्रास

तारीख: 1-7-63

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17877---यतः मुझे श्रार०पी० पिल्लै

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. स आधक हुं
भौर जिसकी संख्या 4, 111 कनाल कास रोड है जो भ्राविनगर श्रठमार
मद्रास-20 में स्थित है (भौर इमसे उपाबद्ध अनुमूची में भौर पूर्ण
रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकरी के कार्यालय ग्रठमार
(डाक्समेंट 335/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक नवम्बर, 1982
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विक्वास
करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक
रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिका में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---- (1) श्रीमती के निलमबाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रं। फिरोस रा० सईद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निमित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण--4, ।।। कनाल क्रास रोड, गांधि नगर, मद्रास-20।

(डाक्मेंट 335/82)

श्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्राप्ति रोज, मद्रास

तारीख: 1 जुलाई, 1983

प्रकृष द्याई० डी० एन० 🛝

(1) श्रीटी० के० रवी

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-म(1) के मधीन सूचना

(2) नूरजहान

(ब्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, विनांक 1 जुलाई 1983

निर्देश सं० 17865—यतः मुझे, श्रार०पी० पिल्लै, आयकर अधिनियतः, 1961 (1961का 43) (विसे इसमें इसके पण्यान् 'उक्त बाबिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के श्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 25,000/- ४० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सी ० 596, 53 स्ट्रीट है, जो मद्रास-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीनर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोठम्बाखम (डाक्सेंट 4682/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशान से प्रधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) चौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से उन्तर अन्तरण जिखित में वाश्निक रूप स कथित नहीं किया गया है।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वैने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के निए; और/या
- (छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वींनत सन्वति के प्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी वै पास लिखित में कि एजा सकरेंगे।

स्थव्हीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कुर्व होगा, जो उस् अध्याय में दिवा गया है।

भन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण--सो० 596, 53 स्ट्रोट, श्रणोक मगर, मद्रास-83 ; डाक्मेंट 4682/82)

> न्नार० पी० पिल्लै सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 1-7-83

मोहरः

प्ररूप आर्ष**्टी. एन** , एस :-----

(1) श्रामोहम्मद ग्रली जिन्ना

(भ्रन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री इम्मानुवेल

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-11 मद्राभ मद्रास, दिनांक । जुलाई, 1983

निदेश सं० 17821—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै, क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको सं० 35 है, जो वामोदर स्ट्रीट, मद्रास~17 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्र्मेंट 1983-82) में भारतं।य भ्रधिनियम रजिस्ट्रीकरण, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके इदयमान प्रतिफल से, एसे इदयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसत उपदोष्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्ण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एेसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया थारा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

मन्स्यो

भूमि स्नौर निर्माण-35, दामोदरन स्ट्रीट मद्रास-17 । (डाक्मेंट 1983/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निर्धिशण) भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫

तारीखा: 1 जुलाई, 1983

मोष्ठर:

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास भद्रास, दिनांक 29 जुन, 1983

निदेश संख्या 17864—यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1, जकरिया कालोनी I स्ट्रीट, है जो कोठम-बाखम, मब्रास-24 में स्थित है (और ईससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठमबाखम (डाक्मेंट 4681/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवस्कर, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अस, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ए को, अनुसरण में, में, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, मिम्निन्धित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री वानची अय्यर

. (अन्तरक)

(2) श्री अमीन अब्बास हुसेन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सृष्ट्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि और निर्माण-1, जकरिया कालनी । स्ट्रीट $^{ extbf{I}}$, मद्रास-24। (डाकूमेंट 4681/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 29 जून, 1983

ोहर

प्रस्य कार्षः दी . युन् . धृक्षः - -------

बागुकर बीधनिय्म., 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-व (1) के अधीन सुचना

नारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयंकर आयंक्रत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983 निदेश सं० 17783---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी संख्याटी ० एस० 47/4, है जो सालिग्राम है, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्र से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय विरुगमबाखम (डाकूमेंट 1159/82) में भातीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तंब पामा गया प्रतिक्त कि निम्निसित उद्वेष्य से सकत बन्द्रण सिचित में बास्तियक रूप से कि थत नहीं कि बा गया है:--

- (क) अन्तरण् से हुई किसी बाय की बाबतः, उथतः अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कमी करने या उद्यसे दचने में सृत्रिधा के सिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सृत्धा के निष्

(1) श्री कृष्णमूर्ति और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री विजयराधवन

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत तम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाक्तर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दिकिएण: ----इसमें प्रयुक्त कान्यों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

भूमि औरनिर्माण-दी॰ एस॰ 47/4, सालिग्राम (डाक्मेंट 1159/82)

> आर० पी'० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

जतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ३---

मारी**ख :** 1~7-83

मोहर ध

प्रकम बाहै. टी. एन. एस.

बायकर ब्राप्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

शास्त्र बडकाड

कार्याचव, सहायक नायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मन्नास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17880—यत मुझे, आर पी० पिल्ले बायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की जारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 65/1, है जो माऊँट रोड, मद्रास-32 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्यालय अड्यार (डाकूमेंट 373/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नृशिक्ति उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्स जीभीपन्त्र की जनीय कर दोने की अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की क्षित्र और/वा
- (प) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, जिएमाने में सुविधा के लिए!

अतः अवं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 289-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—ः

(1) श्री आनन्दवल्ली राधाकृष्णन

(अन्तरक)

(2) श्री पुष्नुस्वामी और अवरस

(अन्तरिती)

को यह सृच्ना जारी करके पृथेक्ति संपृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तुधः

- (क) इस सूचना के हाजपण में प्रकाशन की तारी है वे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में संक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास सिविक में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित दें, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय -में दिया गया है।

अनुसूची '

भूमि 65/1, माउन्ट रोड, मद्रास--32 (डाक्मेंट 373/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

सारीख: 1-7-83

प्ररूप. आर्ड्: टी. एन्. एस. ----∃ भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17814--यत मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रत. से अधिक हैं।

और जिसकी संख्या आर० एस० 47 है, जो कुप्पेहा चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाक्मेंट 3311/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त रंपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्वरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया है:---

- _(क) अन्तरण से हुई। किसी आय की बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक़ के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा केलिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसर्भ

में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सी० के० पत्यवामा और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्री भ्राहसान इषाहीम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधव में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---आर० एस० 47, कुप्पैहा चेट्टि स्ट्रीट, मद्रास-33।

(डाक्मेंट 3311/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 1-7-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं 17771—यतः मुझा, आर० पी० पिल्ले, आयवार अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि है, जो नेरकुन्ठम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकरी के कार्याजय, मद्रास सौत (डाक्मेंट 3900/82) में भारतीय र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषेक्ति सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अति: शंव उकत औधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्री राघव रामकृष्ण और अवरस

(अन्तरक)

(2) श्री चिट्टिबाबू

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्तु सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

भूमि---नेरकुन्ठम (डाक्मेंट 3900/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक अग्नयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I^I, मद्रास

तारीख: 1-7-83

प्ररूप नाई.टी.एन.एस. ------

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जून, 1983

िनिदेश सं० 17856---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका, उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

और जिसकी संख्या 32, I मेयन रोड है, जो टेलिपोस्ट कालोनी मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठम-पाखम (डाक्सेंट 4567/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नयस्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मण्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री बी॰ रातिराजुलू

(अन्तरक)

(2) श्री पेनचाला रेड्डी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उभत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

भूमि और निर्माण--32, I मेयन रोड टेंलिपोस्ट कालोनी, मद्रास-33। (डाक्मेंट 4567/82)

> आर. पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

ता**रीख**: 30-6-83

मोह्य ः

प्ररूप आहर् ् टी ् एन ् एस ्-----

(1) श्री पश्ची रसेलवम

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सूचना

(2) श्री राम चंद्रशेखर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भागकर भागुकर (निर्देशक)

अर्जन रेंज-I1, भन्नास

मद्रास, दिनांक 30 जून, 1983

निदेश सं० 17764—यतः मझें, आर० पी० पिल्लैं,

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उन्तित् बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 2, ईस्ट अबिरापुरम II स्ट्रीट है जो मदान-4, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाकमेंट 1420/

- 82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
- 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विध्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफास से, एसे दश्यमान प्रतिफास का बन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफास, निम्ननिक्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) जन्तरण से हुई किसीं जाय की वादता, उजता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरका के बायित्स में केसी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; बार्ड वा
- (स) एभी किसी आब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना बारी करके पूर्वों अस् संप्रितः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस क्षाचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 विन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध्य को भी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वाना को राजपन में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है!

अनुसूचीं

भूमि और निर्माण— 2, ईस्ट अबिरापुरम Π स्ट्रीट, मद्रास– 4। (डाकूमेंट 1420/82)

आर० पी० पिरूलें सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

ब्तः अब, अक्त जीधीनयम की भारा 269-म के अमुसरण में, में, उदत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियमों, अमित् :---

तारीख: 30-6-83

प्रकृप बाह्ं दौ ु एन् , एस*्नाना*

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत भारा 269-मु (1) के जधीन सूचना

भारत् स्रकार

कार्याल्य, सहायक नायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 जलाई 1983]

निदेश सं० 17798—-यतः मझे, भ्रार० पी० पिल्ले भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिसकी सख्या 62, मेडवाक्कम टनक रोड है, सेक्ट्रोयट कालोनी मद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पुरसवालकम (डाक्मेंट 2046/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्टित सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे पश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय **बाया गया प्रतिफल निमिन्**लिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण् लिखित में वास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के [लए; और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क्टे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना था, फिपाने में सुविधा के लिए:

वतः अयु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग् के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्धात् ::---10-176GI/83

(1) श्रीमती चन्द्रा और अदरस

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्षमीदेवी गुप्ता श्रीमती कैलाशदेवी गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुई।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूच्ना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्यभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

भूमि और कामपाउन्ड बाल-62, मेडवाक्कम टेंक रोड, सेकी-दीएट कालोनी, मद्रास-10 । (श्राक्मेंट 2046/82)

आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

सारीख: 1-7-83

मोहर ध

प्रकप आइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास मद्रास, विनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17762—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लें बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास धरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- धर्म से धिक है

और जिसकी संख्या 22, शेख दाऊंद स्ट्रीट, रायपेट्टा है, जो मब्रास में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिपलिकेन (डाकू-मेंट 919/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के 16) के अधीन दिनांक 16 नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रतिक्षा का निम्नलिश्तित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किंग्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत उक्त अभिनियम के अभीन कर घेने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बज्जने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीन आय-क़र जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतु क्षा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसुरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-मुंकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री अप्पाद्रै और अदरस

(अन्तरक)

(2) हनीफा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति वृवागः;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति- द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

भूमि और निर्माण-22, शेख दाऊव स्ट्रीट, रायपेट्टा, मद्रास ।

(डाक्मेंट 919/82)

आर० पी० पिल्लें सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 1-7-83

प्रारूप आई.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निवेश सं० 17772-यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या टी॰ एस॰ 7176/1, 2 है जो टी॰ नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत (डाक्मेंट 3898/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 16 नवस्वर 1982

पृथितित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखते उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं, किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरू/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री चन्दुलाल बी० परीक और अवरस

(अन्तरक)

(2) श्री विनयकुंमार सी परीक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि--टी॰ एस॰ 7176/1 2 मद्रास-17 (डाक्सेंट 3898/82)

> आर० पी० पिरुलें सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिक्कि, व्यक्तियों, अर्थात :---

ता**रीख**: 1-7-83

प्रकृष बाद् . टो . ऐन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क़ी भारा 269-व (1) के अधीन सृपना भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर् आयुक्त (निर्धिण)

अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास दिनोक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० 17788—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट 119, 120 आर० एस० सं० 161/1 है जो, वलकराक्ष्याम में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विख्गा-वाक्ष्म (डाक्स्मेंट 1047/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 16नवम्बर, 1982 को पूर्वों क्त सम्पत्ति के जिबत बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विभा के लिए;

जतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित क्यमित्यों, अर्थात् :--- (1) श्री शंभु प्रसाद

(अन्तरक)

(2) श्री निवाराम फारमा

(प०) लिमिटेड [`]

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्ल स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया ग्या

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० $119,\,120,\,$ आर० एस० सं० $161/1,\,$ वलहराव**खा**म ।

(डाक्मेंट 1047/82)

आर० पी० पिल्लें सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज, मब्रास

तारीख: 1-7-83

मोहार 🖫

प्ररूप्, बार्ड्, टी. प्रमूट एस., ----

नायकार निपितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नृभीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० 17766---यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 8, II स्ट्रीट, धनपती कालोनी है, जो मद्रास-6 में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाक्स्मेंट 1409/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथन महाँ किया गया है:--

- (क) अन्तर्ण संहुई कि दी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के वायित्व में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में मृतिभा के निए।

(1) श्री राम० रामू

(अलरक)

(2) श्री आर० वीरमनी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध को आहे भी काशोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पाकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है पही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियाः गमा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण— 8, II स्ट्रीट, धनपत्ती कालोनी, मद्रास-6 (डाक्मेंट 1409/82)

> आर० पी० पिस्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तिवाँ, अधीन, हम्मिलिखित व्यक्तिवाँ, अधीन, अधी

तारीख: 1-7-83

प्रकृत वाह् .टी.एन.एस......

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, महास

. मद्रास, दिनांक 4 जुलाई, 1983

निदेश सं० 12414—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, शायकर शिभितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 11/सी 38, के विवास स्वासी अथ्यर स्ट्रीट है, जो गांधीनगर, उदुमलपेट में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उदुमलपेट (डाक्सेंट 2616/82) में रिजस्ट्रीक्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नयम्बर, 1982

को पूर्वों कत सम्परित के जिन्न बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिख् अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का जिन्न बाजार मूल्य, जसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम् वाया ग्या प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से जकत अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयु की शब्त, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भने या नन्य नार्स्तियों करें, जिन्हें भारतीय जाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम था विकास विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) में प्रवोधनार्थ कन्तरिती क्षारा प्रकट गृही किया गया वा या किया बाना वाहिए था, हिन्याने से स्विधा के निए;

सतः बात, सक्त जीभीनयन की भाषा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रंगनायकी

(अन्तरक)

2) श्री धाशनमुसुन्दरम और अन्य ।

(अन्तरिती)

को ग्रह स्वना बारी करके पूर्वों कर सम्पृतित को वर्षन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हुं।

उन्त सम्पृति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन' की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरुणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुना है।

जनसंची

भूमि और निर्माण—11/सी 38, के० दी० रामस्वामी अय्यर स्ट्रीट, उदुमलपेट। (डाक्सेंट 2616/82)

> आरं पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

सारीख*ः 4-7-*1े983 मो**हर्**ः प्ररूप आई. टी गुपन एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983,

निदेश सं० 17854---यतः मझे, आर० पी० पिल्लै बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एक. से अधिक है^{*} और जिसकी संख्या टी॰ एस॰ 4, पुलियूर, कोठमबाखम है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित र), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठमाबाखम (डाकुमेंट 4612/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) डा०के०प्रभाकर।

(अन्तरक)

(2) बी० धनलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकता क्या कितयों में से किसी क्या किस बुवारा;
- '(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

भूमि—टी॰एस॰ 4, पुलियूर, काँठमबाखम । (डाकूमेंट 4612/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम ग्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-I, मद्रासं

तारी**ख**: 1-7-83

मोहर 🖔

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भायकः द्र अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निडीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाचनर मृत्य 25,000/-ए. से अधिक है

और जिसकी संख्या 94 है, जो पोयस धारठनस मद्रास-86 में स्थित, है

- (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौसनटलैक्स (डाक्मेंट 885/ 82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
- 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्मौति के उपिनत बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का षंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उन्नय अधिनियम के अधीन कर दोने के वृत्युरक के शायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (स) ए'सी किसी आय या किसी अन् या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक र अधिनियम, या अनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने अं सुविधा के लिए;

शृतः अव, उत्यत अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसुरण में, में, उदत अधिनियम की भारा 269-ण की उपभादा (1) के अधीन, निम्मिसिसत व्यक्तियों, अधीत् ह—- (1) श्रीमती पुष्पारानी

(अन्तरक)

(2) रंगरूप चौरसिया शोबा

(अन्तरिती)

को यह सुबना बारी कारके पूर्वोक्त सुम्बृति के बुवन के हिन्द कार्यनाहियां कारता हुं (1)

स्वत् सुम्पृत्ति को वर्णन् को सम्बन्ध् में कोई' वाक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अमुसुची

भूमि—-94, पोयस धारठनस मद्रास-86। (डाकूमेंट 885/82)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम अधिकारी • सहायक आयकर आयाक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मक्सस

तारीख: 1 जुलाई, 1983

मोहर 🥫

प्ररूप् आहें. टी. एन. एस्.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-]], मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निवेश सं० 17777—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, गृह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक **है** और जिसकी संख्या टी० एस० 6734, 3, हिन्दी प्रचार सभा रोड है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में) और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मदास 17 (डाक्मेंट 3650/82) में भारतीय रिअस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के श्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशिस उद्वेष्य से अन्त अन्तरण लिशित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सिवधा के लिए;

(1) श्री कृष्ण और रामचन्द्रन

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णमूर्ति

(अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सची

भूमि और निर्माण--3, हिन्दी प्रचार सभा स्ट्रीट, मद्रास-17 (ज्ञाक्मेंट 3650/82)

न्नार० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 11—176 GI/83

तारीख: 1-7-83

प्रकृष आही. टी. एन . एस . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17834--यतः मुझे, आर पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 7, मासिलामनी मुदालियार-। स्ट्रीट है, जो बाससुक्रमिनियन कालोनी मद्राम-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौसनटलैक्स (डाकमेंट 810/82) में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 नवम्बर, 1982

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षक, जिम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तर विक कप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा की लिए; आर्-र्या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ं अतः अव, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री एम० लक्ष्मन

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सी० सुशीला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत् 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिश की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्हीं करणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-7, मासिलामनी मदलया II स्ट्रीट, श्रालसुन्नह्मण्यन कालोनी, मद्रास-4। (डाक्मेंट 810/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 1-7-83

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं० 17866—यत: मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्गें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या टी० एस० 6, प्लाट बी 229, कोठमपाखम है, जो पुठूर पारट 6 स्कीम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठमपाखम (डाक्मेंट 4594/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरिती की गईं हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया हैं:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी बाय की बायत, उम्से अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एस० रामस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री कुर्नाचतपातम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसम्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि——टी॰ एस॰ 6, प्लाट बी-229, कोठमपाखम पुठूर भारत-1 स्कीम ।

(डाक्मेंट 4594/82)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 1-7-83

प्ररूप आहें टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं ० 17878—यतः मुझे, आरं ० पी० पिल्लै, आण्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या टी० एस० 4, VII कास स्ट्रीट, मद्रास है, जो शास्त्री नगर, मद्रास-20 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अडयार (डाक् मेंट 340/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16 नवम्बर, 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबते, उँकें अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जला चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिभियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् क्र— (1) श्री जेटठी

(अन्तरक)

(2) श्रीनागप्पन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--टी० एस०-4, VII कास स्ट्रीट, शास्त्री नगर, मद्रास-20। (अक्सेट 340/82)

आर० पी० पिल्लैं
भक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख . 1-7-83 मो**हरू** 2 प्ररूप **बार्ड**. टी. एन<u>.</u> एस्..----

(1) श्री रामभूति रेव्डि और जदरस

(अन्तर्क)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना (2) श्री भी निरमस्यदास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्राम

ेमद्रास, दिनाक 29 जून, 1983

निवेश स० 17778—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन स्क्षम् प्राधिकारी को यह विश्वास् करने का कारण हैं कि स्थावर स्भपत्ति, जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपको सख्या 10 है, जो घोषाल स्ट्रीट, मद्रास−17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर (डाक्सेंट 3654/ 82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल् के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विषवास
करने का कारण हु कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्चित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक
कपु से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रीतरण से हुई किसी जाय की बाबते, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (य) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

अनुसूची भूमि-10, घोषाल स्ट्रीट, मद्रास-17। (डाकुमेंट 3654/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्सित् व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 29-6-83

मोह्यर

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. - - - ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , मद्रास मद्रास, दिनाक 29 जून 1983

निदेश सं० 17804---यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हूं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रतः से **मधिक हैं** और जिसकी संख्या 37, I स्ट्रीट है, जो सेक्रेटरिएट कालोनी मद्रास-10 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पूरसवाखम (डाक्मेट-2107/82) में भारतीय राजस्ट्रीकरण अधियनम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16 नवम्बर, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रीतशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उन्त गन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी कपुने या उससे बचने में सूविभा के लिए और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय झाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अथित् ः— (1) श्रीमती लक्ष्मी बाई

(अन्त*र*क)

(2) श्रीमती चेट्टी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तयों में से किमी स्थवित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनुसूची

भूमि और निर्माण--37, ^I स्ट्रीट सेकेटरिएट कालोनी, मद्रास-10। (डाकूमेंट 2107/82)

> जार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जनरेज-11, मद्रास

तारीख: 29-6-83

प्रकृष जाइ. टी. एन. इ.स. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश मं० 17812—यात: मुझे, आर० पी० पिल्लें, आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण प्रेकि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-इ. से अधिक हैं

और जिसकी मंख्या टी० एस० 47, कुप्पैया चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास है, जो मद्रास—33 में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाक् मेट 3315/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982 जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्ते यह विश्वास जरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का निय् उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का निय् प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिक्त जल निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक प्र से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के मधीन कर दोने के अन्तरक कें धायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ध के अन्सरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) 3 अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्री रामा राव

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मरीया आइणा

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति कें अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, बही क्षें होगा को उस मध्याय में दिवा भवा है।

अनुसूची

भूमि—टी॰ एस॰ 47, कुप्पैया चेटटी स्ट्रीट मद्रास-33। (डाक्मेंट 3315/82)

> आर० पी ० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 1--7-83 **बोहर** : प्ररूप आइ. . टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 जून 1983

निदेश मं० 17813—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 224/4, 233, इनजमपाखम है, जो सैवापेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (डाक्मेंट 3313/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज़ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दा<u>पि</u>त्य में कशीं करने या उससे वचने में सृविधा के चिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री राजा राम और कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री एकामबरम विजयलक्ष्मी

(अन्तरिती)

न्त्री यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारीज से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास जिबित में किए वा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—224/4, 233, इनजामपाखम सैदापेट। (डाकुमेंट 3313/82)

आर०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 30--6--83

प्रकृष आहे. दी ्पन् प्रस्त हर----

(1) के० सरस्वती

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायुकर बायुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 जुलाई 1983

निदेश सं० 17829—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 10, जोसियर स्ट्रीट डाक्टर तिरुमूरती है, जो नगर, मद्रास-34 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौसन्दलैटम (डाकूमेंट 847/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्त्विक रूप से किशत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यूने में सृद्धिभा के सिए; जोड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को ज़िल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भ्रकर अधिनियम या भ्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(2) श्री सूर्यनारायन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जार्री करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपुटित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या

अनुसूची

भूमि और निर्माण 10, जोसियर स्ट्रीट, डाक्टर तिरुमूर्ति नगर, मद्रास-34।

(डाकूमेंट 847/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 1-7-83

प्ररूप आहें दी. एन्. एस.-----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मन्रास, दिनाक 1 जुलाई 1983

निदेश स० 17850--यत मुझे, आर० पी० फिल्लै,

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सख्या टी० एस० 62/1 है, जो पुलियूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठमबाखम (डाक्स्मेट 4785/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक नयम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के सीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कन, निम्नीसिंदित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिपियम के जभीम कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अंभ या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा के निए;

अक्ष. , अस , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में , में , छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निमिक्त काक्तियों , अधीन :---

(1) श्री दामोदरन वेनकटचलापती

(अन्तरक)

(2) श्री भास्कर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष् सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतए पूचोंकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि और निर्माण—टी ० एस० 62/1, पुलियूर (डाकुमेट 4785/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक जाँगकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, मद्रास

तारीख · 1-7-83 मो**ड**र । प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरज 2, मत्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1983

निदेश सं० 17672---यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 590/5 है, जो नुनगमबाकम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थाऊजेंटलाईट्स (डाकूमेंट सं० 869, 870/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण् लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- '(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीवी० सेशस्मा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुन्दरैय्या ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

भूमि और निर्माण—आर० एस० 590/5, नुनगमबाकम । (डाकुमट सं० 869, 870/82)

> आर० पी॰ पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

> > अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 30-5-83

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अधितः :---

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।---

ग्रायकर व्यविधियमः 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म-(1) के मधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निवेश सं० 1/नवम्बर/82--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

धायकर बधिनियम; 1961 (1961 का 45) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त मिलियम' कहा गया है); की धारा 269-च के प्रधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का चारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25;000/- वपये से अधिक है

और जिसकी संख्या है, जो भूमि आर० एस० सं० 3894, तोन्डियारपेट, मन्नास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम दस्तावेज सं० 1599/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उबित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से श्रीविक है और प्रग्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश्ची (अन्तरिवर्यों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण खिला में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है।——

- (कं) बन्तरण से हुई किसी भाय की बाबंत उक्त श्रीवित्यम के श्रश्चीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में इसी करने या उससे बचने में सुविधा के किए बोर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय वायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त श्रविनियम, या धन-कर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिश्वि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निय;

मतः वनः उत्त विजिनियम की धारा 26 क्र-ग के वनुतरण में, में, उत्तर प्रविनियम की धारा 26 क्र-च की उपवारा (1) के अधीन निम्नविधित व्यक्तियों अर्थात्।--- (1) श्रीमती कान्चना और श्री एस० दामोदरन

(अन्तरक)

(2) श्री आर॰ शन्मुगसुन्दराम्माल रायपुरम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (अ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकातन की तारीस ने 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा, घडीहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिमाणित है, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

भूमि आर० एस० सं० 3894, तोन्डियारपेट, महास (दस्तावेज सं० 1599/82)

> आर०पी॰ पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख: 23-5-83

मोहर 🕄

प्रक्य आर्ड, टी. एन्. एच .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मई, 1983

निदेश सं० 3/नवम्बर/82—यतः, मुझे, आर० पी० पिलै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 7, है जो थिरु नारायण अवेन्यू कीलपाक मद्रास-10 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पैरियमेट (दस्तावेज सं० 1443/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वों कर सम्परित के उचित आजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल का, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त मृत्तरण निमित्त में वास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भृतृ या अभ्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के हिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री आर० बी० सिंह बुद्धराजा, मद्रास-8।
- (2) श्रीमित लीला रवीन्द्रनाथ, मद्रास-10।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परितृ के अर्जनु के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिं कूवारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की लारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

भूमि और निर्माण—प्लाट सं० 7, थिरु नारायण एवेन्यू, कीलपाक, मद्रास-1/24 भाग भूमि । (वस्तावेज सं० 1443/82)

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज्रा1-, मद्रास

सारीख: 23-5-83

प्ररूप्त आहाँ तु टी तु एस्तु एस तु -----

(1) श्री प्रेम चन्च, मद्रास-10।

(श्रन्तरक)

भागकर अधिनिय्म,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

(2) श्री वेपेरी स्वताम्बर मूर्ति पूजक जैन संघ, मद्रास-7।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

भारत सरकार

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया घूरू करता हूं।

मदास, दिनांक 28 मई 1983

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

निदेश सं० 7/नवम्बर/82—यतः, मुझे, आर० पी० पिल्ले सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम् अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उण्वित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से अधिक हैं

(क) इस स्पान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी संख्या 59, रुन्डालस रोड वेपेरी है जो मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट (दस्तावेज सं 1489/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1982

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी, अन्य व्यक्ति ब्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्म से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से किथ्त नहीं किया गया है :---

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अन्स्ची

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों ने ने की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

भूमि और निर्माण 59, रुन्डालस रोड, वेपेरी, मद्रास-७। (दस्सावेज सं० 1489/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, मद्रास

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--

तारीख: 28-5-1983

भोहर:

प्रकष् आर्ह_न टी. एन<u>.</u> <u>एस. - = - - --</u>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निदेश सं० 9/नवम्बर/82---अतः मुझें, आर० पी० पिल्लै

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 331 है जो पांतियण रोड, एगमोर, मद्रास-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण छप ने वर्णित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (दस्तावेज मं० 3376/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नैयम्बर, 1982

को पूर्वों कर सम्परित के उचित याचार मृत्य से कम् के स्वयंत्रात्र प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृष्तों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृही किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती सुमती चितरंजन ।

(अन्तरक)

(2) श्री शाहुल हमीद नागूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शम्यों आर प्रदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन<u>ृ</u>स्**ची**

प्लाट सं० 331, पान्तियन रोड, एगभोर मद्रास । (दस्तावेज सं० 3376/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज–I, मद्रास

तारीख: 23-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज—I, मब्रास

मद्रास, दिनांक 30 मई 1983

निदेश सं० 11/नवम्बर/82—अतः मुझें, आर० पी० पिल्लै

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 103 और 104 है जो लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (वस्तावेज सं० 3429/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तव पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिफल, निम्नितिखत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिफल, निम्नितिखत उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औट्ट/बा
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

असः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० एस० राजकुमार और अदर्स, मद्रास-17 ।

(अन्तरक)

(2) बिस्मिल्ला द्रस्ट,मद्रास-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—103 और 104, लिंगी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-1। (बस्तावेज सं० 3429/82)

> आर० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, मद्रास

तारीख : 30-5-1983

प्ररूप बार्ड, टीं, एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा .269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 23 मई 1983

निदेश सं० 12/नवम्बर/82-अत. मुझे, आर० पी० पिरुले

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्क 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 85 है जो आचारप्पन स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास (दस्तावेज सं० 3448/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिहित में वास्त्यिक रूप से किसत से किसत हैं

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आभ की वायत, जन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य को कभी करने या सत्तरे वचने में सुनिभा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 13—176GI/83

- (1) श्री पी० बालमुन्दरम और अवर्स। (अन्तरक)
- (2) श्री पी० एस० अमानुल्ला और अदर्म। (अन्तरिती)

को यह भूकना भारी करके पृथाँक्त सम्मृत्ति के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हो।

जक्त सम्पृतित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी जाशंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी विषयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास जिलान में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय बें दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—85, आसारप्पा स्ट्रीट, मद्रास-1 । (दस्तावेज सं० 3448/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, मद्रास

तारीक : 23-5-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 2 जून 1983

निदेश सं० 13/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- र. स जावजा है और जिसकी सं कि निया के निया की पाया कि स्थान है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (इस्तावेज सं 3472/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृज्य से कम के इस्तमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृज्य, उसके इस्यमान प्रतिकल सं, एसे इस्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निम्निसित उद्ववेष्य से उत्तर कम्तरण विश्वत मार्ग का स्तरिकल निम्निसित उद्ववेष्य से उत्तर कम्तरण विश्वत मार्ग का स्तरिकल निम्निसित उद्ववेष्य से उत्तर कम्तरण विश्वत मां वास्तिकल कम से कि सत्तर महीं किया वया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उनत अभिनित्रम के वशीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, किपाने में सूर्विधा के सिए;

अतः वध, उक्त सिंधिनियमः की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्ष्म अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों, अधितः :--- (1) श्री जें॰ सूर्य प्रकाश राम और अवर्स, महास-10 ।

(अन्तरक)

(2) श्री डा॰ पी॰ एम॰ रेक्स, मद्रास-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्थव्यीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुणा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—19 मिल्लर्स रोड, कीलपार्क, मन्नास-10।

(दस्तावेज सं० 3472/82) ।

तागी**व** : 2-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भाषकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, विनांक 23 मई 1983

निदेश सं० 14/नवम्बर/82--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 13 है जो अय्यप्प मुक्ली स्ट्रीट, साकारपेट, मद्रास-1 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (दस्तावेज सं० 3574/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इदयमान प्रतिफल से एसे इदयमान प्रतिफल के पत्मूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरेष् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----- (1) श्री के० बो० मोहनाम्बाल, मद्रास-24।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय कावार, मद्रास-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्ज्ञी

भ्मि और निर्माण--13, अय्यप्प मुबली स्ट्रीट, साकारपेट, मद्रास-1 । (दस्तावेज सं० 3574/82) ।

आर० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 23-5-1983

भोहर:

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

जायन ए जीभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत स्वता

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक प्रावकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 23 मई 1983

निदेश सं० 15/ नवम्बर/82- अत मुझे, आर० पी० पिल्लै

जायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य,, 25,000/- रूठ. से निधक है

और जिसकी सं० 50 है तथा जो बन्दर स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास-1 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (दस्तावेज स० 3221/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिष्ठत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच गासे अन्तरण की लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसन उद्वेष्य से उस्य अन्तरण लिसिन के बास्तिक रूप से किया गया है ---

- (क) जन्तरण से सूच् किसी आयु की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामितक में कली करने वा उससे अचने में सुविभा के तिए; और/या
- *(स) एसी किसी बाय वा किसी भन वा अन्य आस्तियां अप्ते, जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनिया, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रसट नहीं किया गया शा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अधीन, —— (1) श्रीमती एस० जयरत्नम्मा, मद्रास-1।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्रा, करनृल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्मन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 बिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की श्रमिश, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपहित मों हित-बद्द कि त अ या त्या जिल्ला द्वारा असार्ट्या किया की पास लिखित मों किए जा सकारी।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण—50, बन्दर स्ट्रीट, जार्ज टाउन, मद्रास—1 । (दस्तावेज सं० 3221/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, मद्रास

नारीख : 23-5-83 मोहर : प्रस्पु भार्दे . टी. एन . एस्. ----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निदेश सं० 17/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 32 है तथा जो तोष्ट्रिकले कुमरप्प मुदली स्ट्रीट, छले मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर (दस्तावेज सं० 3322/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नयम्बर, 1982

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उधित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अम्तरण निमित् में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण् से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उस्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म बास्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) बी टी॰ मर्टेंस मुदलियार, मद्रास-7 ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० महम्मद अली, करैपाक्सम !

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी मृन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--32, लोटिकले कुमरप्पा मुद्दली स्ट्रीट; मद्रास-7 ।

(दस्तावेज सं० 3322/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, मद्रास

तारीचा : 23-5-1983

प्ररूप मार्ड टी : प्रनः। प्रसः। ----

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निवेश सं० 18/नवम्बर/82—अतः मुर्से, आर० पी० पिरुले

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रुपा से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1437 है तथा जो बिल्प्रवाक्कम गांव, अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, (दस्तावेज सं० 1725/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की शाबत, उस्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने वसमें में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित न्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) भी जी० भी० बुरेस्बामी,महास-4 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कौशस्ला, मद्रास-40।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यगिहियां करता हूं।

उक्त रुम्पील के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किली अन्य व्यक्ति तवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकर्गे।

स्पव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्त खब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-शांचित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

भूमि प्लाट स० 1437, विल्लिबायकम गांव, अन्नानगर, मद्रास-40। (दस्लावेज सं० 1725/82)।

> आरं पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–I, मन्नास

तारी**ख** : 23-5-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आगकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निवेश सं० 20/नवम्बर/82—अनः मुझे, आर० पी० पिल्लै.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1090 है तथा जो मुल्लम गांव, अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि—कारी के कार्यालय, अन्ना नगर ६ (दस्तावेज सं० 1782/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और म्फे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित अजार मृष्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी साम की बाबत उक्त सिंध-नियम के प्रधीन करदेने के अन्तरक के दायिक में कमी किंकरने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में ,मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्री वेदमूर्ति, महास-40।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला अग्रवाल, मद्रास-40 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि प्लाट सं० 1090, मल्लम गांव, अन्ना नगर, मद्रास--40 । (वस्तावेज सं० 1782/82)।

> आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 23-5-1983

प्ररूप भार्र, टी. एन्. एस्.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ

भारा 269-म् (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निदेश सं० 22/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर दिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 4444 हैं : तथा जो मुल्लम गांव, अन्ना नगर, मद्रास-40 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप मे विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय, अन्ना नगर, मद्रोस-40 (दस्तावेज सं० 1580/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:——

- [(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वाबत उचत जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुस्तरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नितिवत व्यक्तियों , अभीत् ह

(1) भी सुदशीन, मद्रास-17 ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० श्रीपती उपपा, मद्रास-30।

(अन्तरिती)

(अन्तुरिसी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं० 4444, मुल्लम गांव, अन्ना नगर; मद्रास-40 । (दस्तावेज सं० 1580/82) ।

> आर.० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, मद्रास

तारी**च** : 23-5-1983

मोहरः

प्ररूप भाई. टी. एन्. एस्. = = = = ==

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निवेश सं० 23/नवम्बर/82—-अतः मुझें, आर० पी० पिल्लें,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एम० ए० जी० प्लाट सं० 33 है तथा जो अन्ना नगर, नडवक्करें गाव, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, (दस्तावेज स० 1589/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आद्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्यिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

14-176GI/83

(1) श्री ए० चन्द्रशेखरन, मद्रास ।

(अन्तरक)

(2) श्रांनती एम० जयसिली, मद्रास-40।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्कर अधिनियम को अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं. यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

एम० ए० जी० प्लाट सं० 33, अन्ना नगर, मद्रास-40 (दस्तावेज सं० 1589/82) ।

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सह ४० प्राप्त अध्युक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

नारीव : 23-5-1983

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निदेश सं० 24/नवम्बर/82—अत मुझे, आर० पी० पिल्लै,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1950 है तथा जो अन्ना नगर मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबत अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर (दस्तावेज स० 1699/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोगे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रांचिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने ग्रें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री जी॰ जोतिर्लिगम, वेलूर।

(अन्तरक)

(2)श्रीमती आम्बुजवली, मद्रास-30।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त योक्त वीम में किनी व्यक्ति देवार,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं०-1950, अन्नानगर स्कीम, मद्रास । $\left(दस्तावेज सं० 1699/82 \right) \ I$

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 23-5-1983

प्रकृष आद् . टी. एत. एस. ------

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 263 घ(1) के शभीत सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निदेश सं० 25/नवम्बर/82—अतः मुझे, आरः पी० पिरुलै,

णायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिवियम' कहा गया है), की घारा 269-ऋ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, एउ रिक्चाए करने का कारण है कि स्थावर संयक्ति, जिसका उचित बाजार मुक्स 25,000/-६० से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट सं० 3665-ए हे तथा जो मुल्लन गांध, अम्ना नगर स्कीत, मद्राम-40 में स्थित है (और इसगे उपाबत अनुसूवी में और पूर्ण रूप में विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्व, अन्ना नगर (दस्तावेज सं० 1834/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्ता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्-या
- (ख) ऐसी किया प्राय या कियी बन या प्रना क्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ध्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ए की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन निम्मिनियस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री आस्टिन क्रिस्टोबर फरटाडो, मद्रास-7 !

(अन्तरक)

(2) कुमारी एन० विजयलक्ष्मी, मद्रास-35

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पृत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तें कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का वो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित की, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हो।

अनुसूची

भूमि और निर्माण:— 3665-ए, मुल्लम गांव, अन्ना-नगर स्कीम, मद्रास-40 । (दस्तावेज सं० 1834/82) ।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 23-5-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-जु (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, भद्रास

मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निदेश सं० 26/नवम्बर/83---अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 30, है तथा जो भाष्यकारलू, नायुडु स्ट्रीट, कोंडितोप मद्रास में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूची में (और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साकारपेट (दस्तावेज ं० 486/82) में रिजस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफ स के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गमा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सृष्धि। के जिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री पी० एन० शन्मुख सुन्दरम और अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती हम्सा कुमारी, मद्रास-1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्तके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यम् में प्रकाशन की तारी सु से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण---30, भाष्यकारलू नायुडु स्ट्रीट, कोंडितोफ, मद्रास ।

> आर० पी० पिल्सै पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 23--5-1980

प्रकृष आहे, टी. एम्. एस्.,------

बायकड क्रिश्नियम्, 1961 (1961 का 43) कर्षे भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 23 मई 1983

निदेश मं० 30/नवम्बर/82--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संव 7 है नम्बुलैय्यर स्ट्रीट पेंद्रुनायक्तपेट बीव बीव सीव, नगर, जार्ज टीन मद्रास में स्थित है सौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, सरकारपेट (दस्तावेज संव 496/82 में) भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण जिल्लिख निम्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्न में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्राचनार्थ अस्तिरती बृगरा प्रकट नहीं किया मना था वा किया जाना आहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

नतः नन, अन्त निर्मित्यम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उत्तत अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के नभीन, निरम्किषित व्यक्तियों, मुर्थात् :— (1) श्री टी० कृष्णन,मद्रास-1।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती फुलवन्सी देवी जबक और अदर्स मदास-1।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वों कर सम्पृतित के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पृत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्षीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--7, नम्बुलय्यर स्ट्रीट आर्ज टाउन, मद्रास-1। (दस्तावेज सं० 494/82)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 23-5-1983

प्ररूप बाइ . टी., एन न एस. -----

आयक्र अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास दिनांक 23 मई 1983

निदेश सं० 32/नवम्बर/82-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 34 है तथा जो अन्न पिल्लें स्ट्वीट, मद्रास-1 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साकारपेट (इस्तविज सं० 504/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थूपाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण जिसित में बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियाँ, अधित हि—— (1) श्री राम चन्द्रन और अदर्स, विरुद्ध नगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० सुकुमार और अदर्स, मद्रास-1।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीवत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- बद्ध किसी व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्भाण--134, अन्ना पिल्ले स्ट्रीट, मद्रास-1। (दस्तावेज सं० 504/82)।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

सारी**खा** : 23-5-1983

प्रकृप कार्यः, टी. एन्. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 24 मई 1983

निदेश स० 33/नवम्बर/82—-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर नं० 6 और 7 है तथा जो जी० ए० रोड, मद्रास-21 और 15, तांडव राय ग्रामणीस्ट्रीट, मद्रास-81 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूर्च। में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम (दस्तावेज सं० 1658/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1982

को प्वंक्ति संपहित के उचित बाजार मूल्य से कम के दियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास कारने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपह्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दियमान प्रतिफल से एसे दियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की बाबत, उच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कामी करने या उच्चसे बचने में तुविधा क्रोसिए; नृद्धि/का
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्व जास्तियों की, जिन्हों आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, वा वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स जीवन लाल लिमिटेंड कम्पनी, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स सुन्दरम टोवकोस, गूटूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध को कोई भी आक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर्य व्यक्तियों में से कि ती व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नद्ध अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविद है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--- 6 और 7, जी० ए० रोड मब्रास-21 और डोर सं० 15, तांदवराय ग्रामीण स्ट्रीट, मब्रास-81। (दस्तावेज सं० 1658/82)

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दारीख: 24-5-1983

प्रका भाई० टी• एन• एस०---

भायकर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यांजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 मई 1983

निदेश स॰ 34/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

मायकर समिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा क्या है); की मारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाद सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- दें अधिक है

और जिसकी सं० 6 और '7 है तथा जो जी० ए० रोड, मद्रास-21 और 15, तांडवराय ग्रामीण, मद्रास-89 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुरम (दस्तावेज सं० 1653/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त ममाति के उचित बाजार मूल्य से कम के बूध्यमा प्रतिकल के लिए प्रम्यदित की नई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूध्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्त्र प्रतिकत से प्रिष्ठक है धीर प्रम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रम्तरितियों) के भीच ऐसे प्रम्तरक के लिए तय पामा प्या प्रतिकत; निम्नलिखित एहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है।—>

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत; उन्त अधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में जमी करने या सससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय श्रायकर समिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त समिनियम, या जन-कर प्रमिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तरिती द्वारा अक्ट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के किए;

ग्रतः अव, जवतं ग्रधिनियमं की घारा 26% में के धनुसरण में, में, जनतं अधिनियमं की घारा 26% च की उपचारा (1) के धनील, निम्निविधितं व्यक्तियों संधीत् :=- मैसर्स जीवन लाल लिमिटेड कम्पनी, मद्रास ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पोलिसेट्टी सोम सुन्दरम (प्राइवेट) लि०, गूंटूर ।

(अन्तरिती)

की मह सूचना जारी करके पुत्रीरत सम्पति के अर्जन के लिए शार्मनाहियों करता हूं।

प्रश्त मन्दि हे अर्थेत के संदेव में कोई मो आसेपा--

- (क) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तरसम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रकोहस्वाकारी के पास किश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः --इसमे प्रमुक्त शन्दों भीर पदी का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिभावित है, वही धवं होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—-6 और 7 जी० ए० रोड, मद्रास—21 और सं० 15, लांडवराय ग्रामीणी स्ट्रीट, मद्रास—321 । दस्तावेज सं० 1652/82) ।

आर० पी० पिल्लै संभम प्राधिकारी सहायक आयदार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

सारीख: 30-5-1983

प्ररूप माई टी. एन. एक

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्स निरीक्षण

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 मई 1983

निदेश सं० 37/नवम्बर/82—अन: मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिमकी सं० 48 है तथा जो सीरंगपालयम कुमार स्वामी पट्टी मेलम टाउन में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (वस्तावेज सं० 3774/82) में रजिस्ट्री—करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्विकत संपत्ति के उचित-बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंन्त्र प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेषय से चक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरज् ते हुई किसी बाब कर्त बाबल, उपक् अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे ब्लाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती वी॰ नारायणी अम्माल और अदर्स, मेलम ।

(अन्तरक)

(2) श्री ई० श्रीनिवासन, मेलम ।

(अन्तरिती)

को बह सुचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--48, मीरंगपालयम रोड, कुमार स्वामी पट्टी, सेलम टाउन । (दस्तावेज सं० 3774/82)।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^I, मद्रास

नारीख: 31-5-1983

मोहर:

15-176GI/83

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--^J, मद्रास मद्रास, दिनांक 31 मई 1983

निदेश सं० 48/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है तथा जो गांधी नगर, सुब्बरामन रोड, तल्लाकुलम, मदुरे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम (दस्तावेज सं० 5204/82, 5205/82 और 5219/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उकत अन्तरण जिख्या में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय, की बाबत; उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन अन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सामुखल जान आसीर्वातम, मसिरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कस्तूरी और अदर्स, मक्दरें।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त . व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्यस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण—सं० 8, गांधी नगर, सुब्धरामन रोड, मदुरै। (दस्तावेज सं० 5204/82, 5205/82 और .5219/82)

> आर० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, मद्रास

तारीख : 31-5-1983

मोह्यर :

प्ररूप बादों. थी., एम. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भार 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्राम मद्राम, विनांक 30 मई 1983

निदेश सं० 49/नवम्बर्/82—अतः मझे, आर०पी० पिल्लै

षायकर गिंभितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से गिंभिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 35, डोर सं० 17 वरूनबाई रोड, चोक्कीफुलम, मदुरै है तथा जो चौक्कीफुलम मुदरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तल्लाफुलम (दस्तावेज सं० 5212/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा गया प्रतिफल, निम्निजितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित् में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुनिधा के जिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनीयमं की धारा 269-यं के, अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कुमारी अन्तुसूसन मैथ्यू, बेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० अन्नामले,मदुरे-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संम्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

जनत सम्परित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ से 45 दिन की अविध् या तस्यस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य ध्वितित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शृक्षों और पर्यों का, जो छक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—प्लाट मं० 35, डोर सं० 17, वल्लबभाई रोड, चोक्कीकुलम, मदुरै। (दस्तावेज रां० 5212/82)।

> आर० पी० पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 30-5-1983

मोहरः

प्ररूप नाई. टी. एन् एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनाक 31 मई 1983

निदेश स० 63/नवम्बर/82—अत मधे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करूने का कार्ण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य, 25,000/- से अधिक है

और जिसकी स० 6 है तथा जो बाल गुरुनाथन स्ट्रीट, नत्तम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नत्तम में (इस्तावेज स० 1734/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उबके अयमान प्रतिफस से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बाका बिक कप से कर्षित् नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुर्इ किसी जाय की बाबत्, उच्चत अभिनियम के अभीत क्रांट्र बोने के अंतर्ट्रण के दावित्व में कमी केटने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/दा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एस० सुम्रमन्यम और अदर्स।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर एसउनागम्माल, मदुरै मदुरै।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त स्म्यति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- '(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (क) इस सूचना के राजपक् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् निस्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची-

भूमि और निर्माण----6, बालगुरुनाथन स्ट्रीट, नत्तम, मदुरे। (दस्तावेज सं० 1734/82)।

आर० पी॰ पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख 31-5-1983 भोहर श्रास्य कार्ष. टी. एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-ा, मद्रास

मद्राम, दिनाक 31 मई 1983

निदेश स० 67/नवम्बर/82--अत मुझे, आर० पी० पिल्लै

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क. से अधिक हैं

और जिसकी म० एम० स० 373 और 396 है तथा जो मंगमले गाव, छिन्नमनूर से स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्नमनूर (दस्तावेज स० 2751/82 और 2752/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख नवम्बर 1982

को पूर्वाक्त सम्पर्ति सं उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उवत अन्तरण लिखित में यास्विक कर्य से अभिया नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आध की बायत उक्त अधि-नियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सार/या
- (च) एसी किसी बाद या किसी धन या बच्च आस्तियों कार्त, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किए। जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए;

कतः भव, उनत अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० सकय्व तेवर और अदर्भ, एप० कोडीकुलम गाव।

(अन्तरक)

(2) मैनर ए० एम० अतिवन, सिवकासी ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

र्भष्टीकरणः---इसमं प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त सभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि—मेगमले छिन्नमनूर डी० एस० स० 373 और 396 । (दम्तावेज स० 2751/82 और 2752/82) ।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–I, मद्रास

नारीख 31-5-1983 मोहर प्रकृप आड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्यः 269क्ष (1) के घडीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 31 मई 1983

निदेश सं० 74/नवम्बर/82—-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी स० मेलम बी ब्लाक 30, टी॰ एस० सं० 39/2 और 39/3 है तथा जो सेलम टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (दस्तावेज सं० 3917/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, नवम्बर, 1982

को पुर्वे किंत संप्रतित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तिरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किंशत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण सं हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दक्षियल में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आर्थ या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूनिया के लिए;

अंत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पधनाभन और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० वी० सुदर्सनम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की मामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दोकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

. भूमि और निर्माण—टी० एस० सं० 39/2 और 39/3, ब्लाक 30, सेलम टाउन । (दस्तावेज सं० 3917/82)।

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–1, मद्रास

तारीख : 31-5-1983

प्रकप आर्थ. टी. एन. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269- थ (1) के अभीन सुचना

मारल सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्राम मद्रास, दिनांक 31 मई 1983

निवेश सं० 78/नवम्बर/83—-अतः मुझे, आर० पी० पिरुली

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा र 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 156/5, 156/6, 156/7, 156/8 है तथा जो पल्लपट्टी सेलम तालुका में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (दस्तावेज सं० 2633/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 श्रि922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, या धन-अन्य अधिनियम, 1057 (1957 का २७) अं प्रयोजनार्थ अन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थे, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिय, अर्थात् :--- (1) श्री एस० रत्तिनवेल और अदर्स, सेलम।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० मानिक्कम, सेलम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी त्र्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिखित भे किए जा सकांगे।

स्यव्हीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—एस० सं० 156/5, 156/6, 156/7 और 156/8, पल्लपट्टी गांब, सेलम । (दस्ताचेज सं० 2633/82)।

आर० पी'० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 31-5-1983

मोहर ।:

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, मद्राप

मद्रास, दिनाक 2 जून 1983

निदेश सं० 73/नवस्यर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 89 है तथा जो वाई एल० ब्लाक 4. सेलम टाउन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजिट्टी कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (दस्तावेज सं० 3896, 3897, 3898, 3899, 3900, और 3901/82), में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अज्ञ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एम० तांडवन और अदर्स, सेलम--4 ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० नारायन चेट्टीयार, सेलम⊸」।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्म्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—टी॰ एस॰ सं॰ 89, वार्ड 'एल॰', ब्लाक 4, सेलम टाउन ।

(दस्तावेज मं० 3898, 3899, 3896, 3897, 3900 और 3901/82) ।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज--I, मद्रास

तारीख: 2-6-1983

प्ररूप माई० टी॰ इन० इस०-----

आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्राम

मद्रास, दिनांक 28 मई 1983

निदेश .सं० 87/नवम्बर/82---अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इप्तर्म इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा स्था है), ही धारा 269-खंड मधीन सवान प्राधिकारी की यह विश्वा करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरूम 25,090/- ६० से ग्राधिक और जिसकी सं० 11, है तथा जो किलियर गांव, एकार्ड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एकार्ड (दस्तावेज सं० 385/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित शाजार नुरुष से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का प्रचित बाजार मृहस, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से यधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) और बन्तरिती (म्रप्तरिवियों) के बीच ऐसे अन्तरण के शिवे तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविश रूप से कवित नहीं किया गवा है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा वे सिए; औटु/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी अन या बन्न आफ्न यो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं जिया यह किया जाना चाहिए था, छिपास में सविधा के सिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री पेरियस्वामी और अन्यों।

(अन्सरक)

(2) श्री एन० दर्मीलंगम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धरता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चानके राजात में प्रशासन की तारीका से 45 दिन की व्यवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर तूचना की सामील से 30 दिन की धविस, जो भी धविस बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्तरशिक्षरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधितियम के सम्याय 20-क में परिभावित है, यही अबं होगा, को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

6 एकड़ भूमि एस० सं० 30/6-ए०-11, किलीयूर गांव एकार्ड । (दस्तावेज सं० 385/82)

आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--I, मद्रास

तारीख: 28-5-1983

प्ररूप भार्यं, टी. एन । एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज~I, मद्रास मद्रास, दिनांक, 2 जून 1983

निदेश सं० 75/नवम्बर/82-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 11 वार्ड इकबाल नड्नेक्ट है तथा जो कडयनल्लूर तिरुनेलवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कडयनल्लूर (दस्तावेज सं० 2582/82, 2583/82 और 2577/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को प्वांवित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त विभिन्नियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे व्यूने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्तु अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सैयद मजीद और अन्यों।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० एम० साहुल हमीद और अन्यों।

(अन्तरिती)

की यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्प्राँत्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मृति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी हुं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिखा चुना हैं।

अनुसूची

भूमि—11 वार्ड, इकबाल नडूतेर, कडयनल्लूर। (दस्तावेज सं० 2582/82, 2583/82 और 2577/ 82)।

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 2-6-1983

प्रस्य बाहें.टी.एन.एस.-----

. . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष्(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं 75/नवम्बर्82— श्रतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है 11 बार्ड इकबाल नडूनेरु कड़य-नलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय, कड़यनल्लूर (दस्तावेज सं० 2594/82, आइटम सं० 173/82 और 174/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई कि और मुफ्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कड़ अधिनियम, या धन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री सैय्यद मजीद और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री हाजा मोहदीन,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट्र स्थितयां में से किसी व्यक्ति बृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण .--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित कृत, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--11 बार्ड इकबाल नडूतेर, कडयनल्लूर, तिरुने-वेली ।

(दस्तावेज मं० 2594/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंक-1, मद्रास

तारीख : , 2-6-1983

प्रकृष आहे. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सैय्यद मजीद और अन्य।

(अन्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन स्मना (2) श्री अब्दुल रहे

(2) श्री अब्दुल रहीम, कडयनल्लूर। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० 75/नवम्बर/82—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० है 11 वार्ड इकबाल नडूतर कड़यनल्लूर, तिस्नेलवेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कड़यनल्लूर, तिस्नेलवेली (दस्तावेज सं० 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विवचर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त अंतरण मिन्तिका में वास्त्रीवृक्त रूप से क्रियत् नृहीं किया ग्या है :—

- (क) ब्रुक्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; आंद्र/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

असः अब्, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्न्लिखित् ब्युक्तियों, अधीत् ६--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन, के लिए कार्यवाही करसा हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप े--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

अनुसूची

भूमि 11 वार्ड इकबाल नडूतेरु, कडयनल्लूर, तिरुनेलवेली ।

(दस्तावेज सं० 2576/82 और 2578/82) ।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 2-6-1983

प्ररूप आई. टी. एत. एस. - - - =====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक 2 जून 1983

निदेश सं० 75/नवम्बर/82—-अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

गायकर आंधांनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी स० है 11 वार्ड इकबाल नडूतेरु है कडयमल्लूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कडयमल्लूर (दस्तावेज सं० 2584/82 और 2588/82) में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिष्ठत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण जिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में, सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय था किसी धनु या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिकृत्म, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिये;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उप्धारा (1) के बुधीन हिन्म्नुलिखित ब्युक्तियों अधीत :— (1) श्री सैय्यद मजीद और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री गंकर नारायणन, पुन्नेंपुरम ।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि--11 बार्ड इकबाल नडूतेर, कडयनस्लूर । (दस्तावेज सं० 2584/82 और 2588/82) ।

> आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 2-6-1983

मोहर् :

प्र**क्ष** आ<u>दौ.टी. एन. एस्.....----</u>----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवता

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देश्य)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनोक 2 जून 1983

निदेश सं० 75/नवम्बर/82--श्रतः मुझे, आर० पी० पिल्ली;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 11 वार्ड इ.कबाल नडूते हैं तथा कडयनल्लूर, तिस्नेलवेली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कडयनल्लूर (दस्तावेज सं० 2585/82 श्रौर 2596/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किंग्न नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुक्ने में सुविधा के सिए; जौर्/या
- (ख) एंसी किस्सी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम् कौ भारा 269-ग के अभूसरण् मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-त्र की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ६(1) श्री सैय्यद मजीव श्रौर श्रन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद हुसैन श्रीर श्रन्य।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी कड़के पूर्वीक्त सम्पत्ति के कुर्जन के निप्र कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किल्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर्ती के पास निवित्त में किये था सकेंगे।

स्युक्तीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अनस्ची

भूमि—11 वार्ड इकवाल नडूतेरू, कड्यनस्लूर, तिरूनेलवेली।

(दस्तावेक्क सं० 2585/82, 2587/82 ग्रीर 2596/ 82) ।

> श्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 2-6-1983

प्ररूप वार्ड .टी .पुन .एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जून 1983

निदेश सं० 75/नथम्बर/82—अतः मुझें, भ्रार० पी० पिरुलै

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्पौर जिसकी सं० वार्ड नं० 11है तथा जो इकबाल नडुतेरू, कडियनल्लूर, तिक्क्तेलवेली में स्थित है (स्पौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कडियनल्लूर (दस्तावेज सं० 2574/82, 2593/82, 2575/82 स्रौर 2586/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख नवम्बर, 1982

वो पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास व रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सँय्यद मजीव म्नौर म्नन्थ । पुलियागुर्हा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मीरान भौर ग्रन्यः पुत्रीपुरम ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप, यदि हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्पात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरी वे पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

भूमि--वार्ड 11 इकबाल नडूते , कडयनत्लूर, तिक्नेल-वेली ।

(बस्तावेज सं० 2574/82, 2593/82, 2575/82 भौर 2586/82) ।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊸I, मद्रास

तारीख: 2-6-1983

मोहार ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास्-दिनाक 20 जून 1983

निवेश सं० 12385—-श्रत मुझे, श्रारं पीं० पिल्लै, बायमर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की छारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका छिष्ठ बाजार मूस्य 25,09% र० से अधिक है

भौर जिसकी म० एस० एफ० 467 है तथा जो वेलनकुरिची, घादीपुरम है, जो कोयम्बट्टर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेट सं० 5138/82) में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिणत से प्रधिक है और श्रम्सरक (ग्रम्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई निसी भाव की बाबउ उक्त अजिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में कभी करने या उसके बधने में सुविधा के किए। और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धन-कर भविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्। ---- (1) श्री आर० गोविंदराजुलु।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पी० वी० दौरेस्वामी ललिता । (भ्रन्तरिती)

को **यह मूचना जारी छर**के पूर्वोक्त ममरि के अर्जन के लिए कार्य**वाहियां** शुरू **धरता हूं।**

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राज्य ज जें प्रकाशन की तारीख से 45 विन की मर्वाच मा तस्यम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 80 विन की अविध, जो भी धविध बाद में भगाष्त होती हो, के फीतर धूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यकित शरा;
- (ख) इस न्वना के ए भाव में प्रशासन की तारील से 4 व दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किमी अन्य व्यक्ति भारा पक्षीत्र गक्षारी क पाम विखा में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिषितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय अ विधा गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे सं० 467, वेलनकुरिची, घादीपुरम, कोयम्बट्र । (डाक्मेट स० 5138/82

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज⊷∏, मद्रास

तारीख 20-6-1983 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 10038—श्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आपकार वीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 33, तिरूप्पापुलियूर है तथा जो कठलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कठलूर (डाक्सेंट सं० 1796/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख नवम्बर, 1982

करे पूर्वीक्त संपत्ति के उसित बाजार भृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उसित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——
17 —176G1/83

(1) श्री जी० नागरत्नम।

(मन्तरक)

(2) श्री कमलप श्रम्माल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

मन्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण—33, तिरूप्पापुनियूर, कठलूर । (डाकूमेंट सं० 1796/82) ।

> श्रार० पी० पिस्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण)** श्रर्जन रेंज-II , मद्रा**स**

नारीख: 20-6-1983

प्ररूपं आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सुमृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निवेश सं० 12382--यतः, मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास कास्ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∕- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 32/ए , पोन्नेयराजपुरम है तथा जो राज-म्माल लेव्ट, कोयम्बट्र मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कोयम्बट्टर (डाक्मेंट सं० 5069/82) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, तारीख नवम्बर, 1982, को पूर्वीवत सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के एपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया

षया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तृ अन्तरण लिखित

में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया भाषा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तित्वों, अर्थात् :----

(1) श्री बी० तायम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० कमलम ।

(श्रन्तंरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सुम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थल्डीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि स्रौर निर्माण--32/2 ए, पोन्नेयराजपुरम, राजम्माल ले बुट , कोयम्बटूर । (डाक्मेंट सं० 5069/82) ।

श्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

17811-य र मूझे, म्रार० पं/० पिल्लै ारंग स० आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक **है**

श्रौर जिसक सं० 35 है तथा जो रट्टैमाल स्ट्रीट, ब्रिची में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चामें ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है)। प्रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मद्राल नार्थ (डाक्सेट सं० 3331, 3330/82) में रजिस्ट्रं करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधंत, तारीख नवम्बर, 1982

था पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभे यह विश्वास वरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी अग्रय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक धायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात्:--

- (1) श्रं मतं चन्द्रमौली ग्रीर सर्वेसवरन । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री चेल्लैया पिल्लै रामनाथन । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरः करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सक्षाण होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तिरणा मा न किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भनना के राजपत्र मं प्रकाशन की धारीस से 45 दिन क भीगर जब्त भ्यागर गम्पत्ति में हितबद्व किमा अन्य व्यक्ति वतारा अनात्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भे विया गया है ।

अनुसुची

मूमि ग्रौर निर्माण⊸−35, स्ट्रैमात स्ट्रोट, त्रिचा । (डाक्नुमेंट सं० 3330, 3331/82) ।

> ग्रार० पीं० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख . 20-6-1983 मोहर '

प्रकृप चाई॰ टी॰ एव॰ एव॰----

प्रायशर प्रतिनियमः 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के प्रथीत सूचवा

चारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण्) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निवेश सं० 12376— मृतः मृभे, ग्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 12/85/7 हैं तथा जो तेलुनगु-पालयम में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूच) में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 4107/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तार्राख नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय को बाबत; उन्छ मिन निवस के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उन्नसे बचने में सुविज्ञा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किथी धाय या किसी धन या धन्य धारिवयों को जिन्हें भारतीय धायकर घिवित्यम, 1922 (1923 का 11) या वक्त खिवित्यम, या धन-भर घिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री तयर्यनायकी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजयलक्ष्मी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण---टी० एस० सं० 12/85/7, तेलुनगुपालयम ।

(डाक्मेट सं० 4107/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मब्रास

बत: धव, उपत प्रक्षितियम की बारा 269-ग के प्रतुसरण में, में, एभत अधितियम को बारा 289-थ की उपधारा (1) को सभीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 20-6-1983

प्ररूप. भाई. टी. एवं. एस. ----

(1) श्री कृष्णस्वामी ।

(ग्रन्तरक)

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा. 269-म (1) के अधीन सुचना (2) श्री रामू धाचारी।

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, धिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12390—प्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै साक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 24,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं० टी० एस० 8/316 पी०, है तथा जो वेन्ट वेंकटस्वामी रोड, कोयम्बद्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण कप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्ट्रमेट सं० 5046/82) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रात्त, तरील नवस्वर, 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्थारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण—टी० एस० स० 8/31 पी०, बेस्ट वेकटस्वामी रोड, श्राप्त एस० पुरम, कोयम्बदूर। (डाकूमेंट सं० 5046/82)।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ⅱ, मब्रास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नुचिद्धित स्थिकत्यों, मुर्धक ६--

तारीख: 20-6-1983

मोह्नरः

परूप आइ^{*}. टी. एन'. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्राप्त

मद्रास दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 10037—श्रतः मुझें, श्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० टी 2, एस० III, वठलूर, तेशूर हैं तथा जो दिन्नी में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दिन्नी में (डाक्मेंट स० 2912/82) में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवम्बर,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देशों से उच्क अन्तरण लिखित वृं वास्तविक रूप से कृषितु नृह्धें किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बुकने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्त व्यक्तियों अर्थात् :——

(1) श्रीमती राजलक्ष्मी भौर भवर्स।

(मन्तरक)

(2) श्री के० एस० ग्रलगप्पत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्पत्ति, के अर्जन् के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वर्क्षपः। —

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्षिरण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों आँर पर्वों का, भो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—टी० एस० III, वठलूर, तेन्नूर, द्रिची।
(डाक्मेंट सं० 2912/82)।

ग्रार० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

सारी**ख** : 20-6-1983

प्रकप धार्ष । टी । एन । एस ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12458--- ग्रातः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269 स के अभीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिल्ला उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 15, 15 रा० हीरा विल्ला है तथा जो कनठल, ऊर्ट्ट: में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, ऊर्टी: में (डाकूमेंट सं० 771/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तार्राख नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिटों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ उपधारा (1) भी अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अधौत् ६---- (1) श्री बशीर श्रहमध सेयत ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कम्नाकरन बालकृष्त ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीश से 4% विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्ची

भूमि भ्रौर निर्माण---15, 15 ए०, होरा विल्ला, कनठल, ऊर्ट्टा । (डाक्मेंट सं० 771/82) ।

> ग्नार० पी० पित्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेज-2 मद्रास

तारीखा: 20-6-1983

प्रस्त् नार्द् अहै । एन् , एस् ------

नायकर निर्मान, 1961 (1961 का 43) की भरा 269-म (1) ने नृषीन स्पृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 17841—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितु बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35, है तथा जो सरवन मुदली स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास साउथ (डाकुमेंट 3778/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्थर, 1982

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दें हैं और मृझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीः
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित
से बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है——

- (क) अन्तरणृसे हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हों दक्ते में सूर्विधा के लिए; कार्र-/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री फिट्टबाय।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सुम्पृत्ति के भूर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकार्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण-35, सरवन मुदली स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट 3778/82) ।

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

मोहरः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12459—अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० टी० एस० 1101, 1109 है तथा जो न्यू टी० एस० सं० 5/960, ओप्पनकार स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अणसूची में और पूर्ण रूप

से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट सं० 4739/82) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अनैर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन बा बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन :---18—176 G1/83

(1) भी मृपाल मेट्टीयार सीद भन्य।

(अन्सरक)

(2) श्री ई० ए० इस्माइल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के , राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--17/178 ओप्पनकार स्ट्रीट, कोयम्बट्र । (डाकूमेंट सं० 4739/82) ।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारोख : 20-6-1993

प्रभप नावां. टी. एन . एस . ------

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 2**08-प (1) के बधीन** सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, महाप्रक आयकार आय्यन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्राम, दिनांक 20 जून 1983

निदेश मं० 10060---अतः मुझें, आर० पी० पिल्लै प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चार् 'उथन अधिनियम' कहा गया है, की झारा 269-फ के प्रधीन समस प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारग है कि स्वावर संपत्ति जिसका छिन्त बाजार सूरण 25,000/- व० से खिछक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 1162 है तथा जो मरियमा सूमैनगर, बन्नारपालयम, कठलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कठलूर (डाक् मेंट सं० 1556/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापृत्रीत गंपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिखित में बाम्तिक रूप से कथित रहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्भरक से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या नुपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐन किनी अप या किसी धन पा अप्य आपियों को, ति हुँ भारतीय आप-कर श्रीझनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनायं भन्तरिनी द्वारा प्रकटनहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के निए;

बत:, बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्धात् :---

(1) श्री सी० एस० नटराजन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ती शतमुखनाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वींक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृत्रोंकर क्विक्ट ने से द्वारी व्यक्ति प्रवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ग्रंथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उत्सर अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-प्लाट 57, मरियमा सुसै नगर, नन्नारपालयम, कठलूर। (काकुमेंट सं० 1556/82)।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस : ------

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के कभीन सूचना

भारत खरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12381—अतः मझे, आर० पी० पिल्लैं नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-

एत. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० टी० एस० 3/1590 है तथा जो कोमार-पालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाक्सेंट मं० 5067/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नयम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गर्छ है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से ऐसे द्रियमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नीसित उद्देश्य से उच्त बंतरण मिनित में वास्तिकक क्य से कथित नहीं किया युवा हैं:——

- (क) अन्तरण दे हुइ किसी आम की बाबत उस्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/का
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री नंजप्प घोंदर और अन्य।

(अंतरक)

(2) श्रीमती आर० प्रभा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारएँ करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंत्रंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत क्या कियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त कट्यों और वहां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—-डी० एम० मं० 3/1590, कोनार-पालयम ।

(डाक्मेंट सं० 506.7/82)।

आरं० पी० पिल्लै सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 20-6-1983

प्रकप बाईं शि एन एस ---

जाथकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्भीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आप्नुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 20 जुन 1983

निवेश सं० 12378——अत. मझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० एफ० 223 है तथा जो कोमारपालयम कोयम्बट्ट्र में स्थित है और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण इप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बट्ट्र (डाक्सेट स० 4094/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षोन तारीख नवम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तरी वसने में सुविभा के लिए; और/या
- ्ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उच्धारा (1) को अधीप, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् । (1) श्रीपी० बालन ।

(अम्तरक)

(2) श्री राजगोपाल चेलप्पा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकी।

स्पक्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्चीं

भूमि—एस० एफ० नं० 223, कोमारपालयम, कोयम्ब-टूर।

(डाक्मेट स० 4094/82)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 20-6-1983

प्रकप नाइ.टी.एन.एस्.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन स्पना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि**रीक्षण**)

> अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास,दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12407--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो सिरुमुगै, मेट्टपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्टपालयम (डाक्सेंट 2171/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्रत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर देने के जन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में स्विधा के सिए;

जतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) तिष्मली चेट्टीगार ।

(अन्तरक)

(2) सरस्वती ।

(अन्तरिती)

को यह सुबना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्चन के चिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्कत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जभाहस्ताकारी के पासु सिसित में किए जा सकारे।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सिरुमुगै, मेट्टपालयम । (डाकुमेंट सं० 2171/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षमः प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख : 20-6-1983

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 20 जून 1983 निदेश सं० 17820--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

न्नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके प्रवात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि घौर निर्माण 'है तथा जो वेद्यराम अय्यर स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट 1975/82) मे भारतीय रजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवस्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वा। करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित। (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तबिक स्प से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरम से तुई किसी प्राण की बाबन एक्न ग्राधि-नियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रौर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाद या किसी बन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन कर मिबनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

धतः धन, उनत प्रक्षिनियम की धारा 269-न के धनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) बी० रत्नाबाई।

(अन्तरक)

(2) एम० शनमुगम ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मिति के नर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

जबत सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारी का कि 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंतरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 -क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और निर्माण--वैद्यराम अय्यर स्ट्रीट, भद्रास-17। (डाकुमेंट सं॰ 1975/82)

> आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख : 20-6-1983

प्ररूप आर्च, टी., एन., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकत्र आयुक्त (निरीक्षण) 'अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 10027- अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रठ. से अधिक है

और जिस्की सं० 75/2 है तथा जो सन्नुरिरायलू स्ट्रीट, पांडिचेरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी (डाक्मेंट 2842/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

को प्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमार प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्ति विक रूप से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के सिए;

कृत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसर्गे. अर्थात :--- (1) आरोकियराज मुल्पा।

(अन्तरक)

(2) अन्नीपाल सकुतला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त स्म्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मुत्रधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गुरुवों और पवों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसूची

भूमि और निर्माण---75/2, सत्रुरिरायलू स्ट्रीट, पांडिचेरी। (डाक्मेंट 2842/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

भोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा -269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश स० 10035--अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक ही और जिसकी सं० सर्वे सं० 20/4 है तथा जो वी० मुदलिटी में स्थित है (और इसमे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्लुपुरम (डाक् मेंट सं० 2483/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित' में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की भारा 2,69-ग के अनुसरण में, में, जुक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री काना मोहिहीन।

(अन्सरक)

(2) सदर्न एप्रीफरेन इण्डस्ट्रीज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

अनुसूची

भूमि और मिर्माण--सर्वे सं० 20/4, वी० मुदलिबी । (डाक्मेंट सं० 2483/82) ।

> आर० पी० पिरुली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, मद्रास

शारीख : 20~6-1983

अरूप् आर्द्, टी. एन्∴ एस.,-≄ -=-=-

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269= प (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र³ज II, मन्नास मन्नास, दिनांक 20 जुन 1983

निदेश सं० 17825—अतः मुझी, आर० पी० पिल्ली धायकर प्रवित्तियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिक्षियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- धप्र से प्रविक है

और जिसकी सं० 10 हैं तथा जो मांगब्र्स्वामी अय्यर स्ट्रीट, मब्रास-34 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हों), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसटलेंटस (डाक्सेंट सं० 783/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्बर 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यई है खोर यह विश्वा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रश्निक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) सोर अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में वास्त- विक स्वरं से सहस्त स्वरं स्वरं से सहस्त स्वरं से वास्त-

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी साय की बाबत खबत प्रधि-नियम के स्थीत कर देंगे के सन्तरक के वादिस्य में कमी करने या श्वसंस बचने में सविधा के बिए। भीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियौं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने हें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ज्ञभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--19-176 GI/83

(1) श्री बालचन्द्र और अन्य।

(अन्सरक)

(2) श्री एन० तानू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध की तामील से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीहर स्वत् स्थानर संपत्ति में हित्बकृष् किसी जन्द व्यक्ति इतारा न्योहस्ताक्षरी के पास निस्त में किए जा सकारी।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस सुध्याय में विया गया है।

भगुत्वी

भूमि और निर्माण—-10, मांगाड्स्थामी अय्यर स्ट्रीट, मद्रास—34। (डाकुमेंट सं< 783/82)।

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्रकप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--]] मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 10046—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लै आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का.43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35, 36, 37, 37बी, 38 है तथा जो मट स्ट्रीट, कुमबकोनम में स्थित है (और इसमे उपाबज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमबकोनम (डाक्मेट सं० 2249/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम , को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधाना (1) को अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती हलीमा बीवी।

(अन्तरक)

(2) श्री हाजी मोहम्मद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सन्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपरित को मर्जन को संबंध में काई भी आक्षेप ह ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---35, 36, 37, 37बी, 38, मट स्ट्रीट, कुमबकोनम ! (डाक्मेंट सं० 2249/82) ।

आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

प्रकप बाहै. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज्—II, मब्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 10049—अतः मुझे, आर० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मनवासी है तथा जो कुलितलें, करूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करूर (डाक्मेंट सं 1203/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिमियम 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषश्यों से उक्त अन्तरण के लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मलेक्वरी टैक्सटाइल्स ।

(अन्सरक)

(2) इंटरनेशनल चाईल्ड वेलफेयर सर्विस । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पधों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि- मनवासी, कुष्तराय पुरम, करूर। (डाक्मेंट सं० 1203/82)।

आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–JI, मद्रास

तारीख: 20-6-1983

मोहर 🗈

प्रकल भाइ . टी. एत्. एस. =-----

(1) श्री वी० मांता।

(अन्तरक)

ाम. 1961 (1961 का 43) की

(2) सी० रामस्यामी ।

(अन्तरिती)

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन ह्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निवेश सं० 12403—-अतः मुझे, आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित् बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी स० 275/1, 275/2, 280 है तथा जो सनगनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, घादीपुरम (अक्नूमेंट सं० 4175/82) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर, 1982

को प्योंकत संपत्ति के उन्ति बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए बन्दिरित की गई है बौर मुक्ते वह जिस्तास करने का कारण है कि सभाप्योंकत सम्पत्ति का उन्ति बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से एसे स्थमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकत से बिभक है और बंदरक (यंतरकों) और बंदरिती ((ब्निटितियों) के बीच एसे बन्दरण के किए तम बाया गया प्रतिक का त्रिम्तितियों) के बीच एसे बन्दरण के किए तम बाया गया प्रतिक का त्रिम्तितियों (व्याप्तिक उद्देश्य ते उसक अव्याप्त मिनिक्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क)) श्रात्प्रस्य से हुन्दं किसी शाय की वाषाह_ा उन्नत् विशिव्युम् से श्रीत् कार्ट दोने के वृत्युरक के वादित्य में कवी कहने या उन्नते बुन्ने में बृद्धिश के विहर; ब्रिटिश
- (थ) ऐसी किसी भाग या किसी भन् या बृत्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अला चाहिए था खियाने में सुविधा के सिए;

कार: अब उनत अधिनियम की भारा 269-ए के अनुप्ररूप में, भे उनत अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रिस के मूर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

क्षत्त सम्मत्ति के वर्षत् के सम्मन्धु में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी बंसे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपुत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्थ्वतिक दुण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पूर्वों का, जो उक्तु विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विधा ग्या है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण---275/1, 275/2, 280, सनगनूर। (डाक्मेंट सं० 4175/82) ।

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

ता**रीख :** 20-6-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आजायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज $-I^{\mathrm{J}}$, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 10032—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै , आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 27, तिरुतनतोनी रोड है तथा जो तामल— वारुवयम वोरेयूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्रिची (डाक्सेंट सं 2724/82) में रिजस्ट्री— करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्रीमती सावित्री

(अन्तरक)

(2) श्री जब्बारकान और अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पाब्दीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि और निर्माण—27, तिरुतनक्षोनी रोड, बोरैयूर। (डाक्मेंट सं० 2724/82)।

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II; मद्रास

तारीख : 20-6-1983

मोहरः

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰

भारत का राजपन्न, जुलाई 30, 1983

आयक्षर पश्चितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 26**9•ण**(1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सर्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 20 जलाई, 1983

निर्देश सं० 17876, यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

षांयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह क्षित्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- क्पये से भिधिक है

और जिसकी सं० 40, है, जो 80 फीट रोड, कोईरपुरम, मब्रास— 85 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अध्यार (डाक्यूमेंट 329/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, विनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कमके वृषयमान प्रतिफल के लिए मन्तरित को गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक अप से कचित महीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिन्न नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और√या
- (च) एसी किसी आय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या घन-कर धिषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ः—>

(1) श्री पी० वी० नारायन

(अन्तरक)

(2) निगगिरीस होटल्स और प्रापरटीस (प्रा०) लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बग्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास विचित में किये जा सकेंगे।

स्वब्हीकरणा--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो छन ग्रध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

अनुसूची

भूमि और निर्माण—40, 80 फीट रोड़, कोईरिपुरम, मद्रास⊸85 (डाक्यूमेंट सं∘ 329/82) ।

> आर० पी० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज –11 ; मद्रास

दिनांक : 20-6-83

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 म (1) के भवीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं०-2401—श्रतः सुझे, आर० पी० पिल्लै, श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिष्ठिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीष्ठिकारी क्ले, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- इपये से अधिक है

और जिसकी सं० 27 है, तथा जो टाटाबाड IX, स्ट्रीट कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावझ में धनुसूची और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गधीपुरम (डाकुमेंट 4178/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1982

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्त-रिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त माध-नियम के भ्रष्टीन कर देने के अन्तरक के दायितव में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में भूविया के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स (1) अन्तपूरनी वेकटराम और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) वी० इन्द्रानी।

(अन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के श्रर्जन क लिए कार्यवाहियाँ करता है।

छक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !-

- (क) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो धा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितब अ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोत्त्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळीक रणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसूची

भूमि और निर्माण-27, IX स्ट्रीट, टाटाबाठ कोयम्बतूर (ज्ञाकुमेट सं० 4178/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज–2, मद्रास

दिनांक : 20-6-1983

प्ररूप. बाइ. टी. एक. एस. ----

(1) अम्मामै गौप्टर।

(अन्तरक)

(2) एस० जगन नायकी।

(अन्तरिती)

नाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~2, मद्रास

मदास, दिनांक 20 जून, 1983

निदेश सं० 12402—यतः मक्षे, आर० पी० पिल्लै, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं कि सर्वे सं कि 119, है, तथा जो संगन् र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी पुरम (डाकुमेंट 4176/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नयम्बर, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मृं बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है दन्न

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा में

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-सर्वे 119, संगत्र (डाक् मेट 4176/82)।

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–2, मद्रास

दिनांक: 20-6-1983

मोहरः ∄

प्ररूप जाई.टी.एत.एस.----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 20 जून 1983

निदेश सं० 12393--- यतः महो, आर० पी० पिल्लै,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका अभित नाजार मृत्य 25,000/- रतपर्य से अधिक हैं

और जिसकी सं० 28/187, 187 ए हैं, जो राजा स्ट्रीट, कोगम्बनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर (डाक्मेंट 5039/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति को अखित बाजार मुख्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिकाल मे, एक रश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिनी (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तर पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप-से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के सिए: और/या
- '(अा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-करं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)

के अधीज, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एन० के० बालागृक्षमानिय चेहियार ।

(अन्तरक)

(2) श्रीबी० कुष्तन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस्त म्यानितयों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अभिनियम, के अध्याय 20-क में है, वही अर्थ होगा को उस अध्यास में दिय मया है।

अम्स्ची

भृमि और निर्माण---28/137, 187 ए, राजा ,स्ट्रीट, कोयम्बतूर (डाक्मेंट 5039/82)।

> आराज पीठ पिल्ली सक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राष्ट

दिनांक : 20-6-1983

प्ररूप बाह्र _टी _एन _एस _======

भारकड मुभ्रित्यम् हा 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय् सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 जून, 1983

निवेश सं० 10063, यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मद्धा, जिसका उर्रेचत बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 673, सेखालैकोट्टे हैं, जो कारैकुठी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कारैकुठी (डाक्मेंट 1840/

- 82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
- 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिखत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बीधीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा वा या किया जाना आहिए था, कियाने में बुविधा के निए;

जतः जब, जबत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। है अभीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) श्री मृत्तैया, सातम्माल टी० वी० एस० कठरकरै विठिवेल ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुस्गन और सन्स

(अन्तरिती)

को गह स्थान बारी करके पृथानित सम्पृतित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पृतिक के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेए!--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 विन की वविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ स्वान की तामील से 30 दिन की जबधि, जो : अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृवाँव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराह
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बकु किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकारी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।;

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उ. जिपिनयमं, के अध्याय 20-क में प्रिशिप, हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ्रि. च्या हाँ।

अमृत्यी

भूमि और निर्माण—टी० एस०-673, सेखालैकोटै, कारैकुटी (डाक्यूमेंट 1840/82)

> ्आर० प् ⇒ पिल्लै सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , म∴..

दिनांक: 20-6-83

प्रकृत लाहाँ ही क्षा एक ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अधीन सुचना

माउत स्टब्स्ट

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त ((निर्दाक्षण))

अर्जन रेंज- , मद्रास मद्रास, दिनांक 20 जून, 1983

🗕 निवेश सं० 12380, यत: मुझे, आर० पी० पिल्लै,

ायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ... रे पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा ... उ9-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य' 25,000/-रु. से अधिक है

ौर जिसकी सं० टी० एस० 12/20, 23, 51, 57 है, जो टेलुनपुपालयम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची मेंऔर पूर्णरूप से
ित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबसूर
(डाक्यूमेंट सं० 3895/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर,
1982

ा प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान कि जल के लिए अन्तरित की यह है और मृक्षे यह निश्वास् रिने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का इह प्रतिकात अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक य से कथित नहीं किया गया है ——

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के मृन्तरण को बायित में कभी करने या उससे वजन में सुविधा भे सिए; ब्रीड/बा
- (का) प्रेती किसी बाय या किसी भून या कृत्य अस्ति, वें क्रें, क्रिक् आदतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-क्रेड अभिनियम, या भन-क्रेड अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में स्विया के क्रिया के क्रिया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन निम्निन्दिस व्यक्तियाँ, अधीत क्रिक्त (1) श्री सानतामनी (अलैस) मनी

(बन्तरक)

(2) श्री जय श्री राजन

(अन्तरिती)

नो यह प्यान वाडी कड़के पृत्रित्य सम्मृतिय के मूर्वम के निष् कार्यमाहियां कड़ता हूं।

चनत् सुरुपृत्ति के मुस्ति के सुरुप्ति में सुरुप्ति में महोत् भी नाक्षेप 🗠

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूजना को राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पन्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवाडा व्यक्तिस्ताक्ष्टी को पाझ सिवित में किए जा स्केंगे।

स्पृथ्वीकर्ण्ड--इसमें प्रमुक्त कथ्यों नीड वयों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस क्ष्याय में विया नवा है।

मन्स्ची

भूमि और निर्माण—दी० एस० 12/20, 23, 51, 57. टेलुनगुपालयम (डाक्युमेंट सं० 3895/82)

आर० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजुन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 20-6-1983

प्रकप् आव"्टी.एन्.एसः......

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलक्षना

कलकता, दिनांक 2 जुलाई, 1983

निर्देश सं० ए० सी०/रंज-/II/कल/1983—यतः मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् उपत कोधिनियम् कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, रिचस्का उपित आपार मूल्य 25,000/-स. से अधिक है

और जिसकी सं० 5, मरहेकइ लेन है तथा जो थाना, दम दम 24-परगना भें स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० किंसदूर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-11-82

को मुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल सा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उयत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे राजने में स्विधा को लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्मिशा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ः--

(1) श्रीमती मेरी मरडेकइ और अन्य

(अन्तरक)

(2) मरडेकइ को० अपरेटिंब हाउसिंग सो० लि० (अन्तरिती)

करे यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपित्त के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपूर्य-

- (क) इस स्वना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीक सें
 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वेक्ट
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्टिक्ट हुवाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर अकत स्थावर संपरित में हितववृष् किसी बन्य स्थित वृषारा वृष्केहस्ताकरी के पाझ निवित में किस जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

श्रेतु: 9 बीघा 15 कठा, 4 छटाक जमीन तथा जो 5, मरडेकइ लेन थाना—दम दम 24-परगना ।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II/कलकत्ता 54, रफीअहमद किववई रोड़, कलकता-16

दिनांक : 2-7-83

प्रारूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰

बाय्फर विश्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुबना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनोक 27 जून, 1983

निर्देश सं० ए० सी०/रेज-11/कल०/83-85--यतः मुझे, एम० अहमव,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब की अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है कि स्थानर संपरित जिसका उचित नाजार मृ**स्य 25,000/-रुत. से कि धिक हैं

और जिसकी सं० पी०-134 है तथा जो ब्लाक "ए०" लेकढाउन, कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनसूची में और, पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कर्लकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-11-82

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नानिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में वास्तियुक क्य से कथित नहीं किया पना है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे बचने में सुविधा के लिए;। बोर/बा
- (व) ऐसी किसी नाथ या किसी अन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किंधनियम या भन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा क स्थिए;

वतः वय, सबत वरिनियमं की भारा 269-ग को, बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2/69-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नतिथित व्यक्तिमा, अर्थात ह---

(1) श्री अनन्त कुमार बर्मन

(अन्तरक)

(2) लेक कर्नार को० अप० हाउसिंग सो० लि० (अन्सरिती)

को यह स्थान कार्यों करके पृत्रों कर सम्परित के सूर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिव की अवधि, वो भी ववीं व बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वे विष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाड़ा
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीवा वी 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरौँ की पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पृत्ती का, जो अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्भ होगा जो उस मध्याय में दिया गवा है।

यन्स्ची

श्रेत: 4 कठा, 5 छिटाक, 8 वर्ग फुट तथा जो पि०~134, ब्लाक "ए०"), थाना, लेकटाउन, कलकत्ता-89 ।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, कलकसा

दिनांक : 2**7-6-8**3

प्रकृष बाह् दी एन एस :-----

बायकूर विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 27 जून, 1983

निर्वेश सं० ए० सी्०35/रेंज-II/कल०/1983-84---यत: मुझे, एम० अहमद,

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्वित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जौर जिसकी सं० 18/5 है तथा जो मधुसूदन विश्वाण लेन, हावड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हावड़ा में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 20-11-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितिफल् के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करूने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दू प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बारतिक कप से कृषित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाप की वाबत, उकत वृषिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुन्धि। के सिए; अर्डिया
- (क) एसे फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास् प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिर्स (धे

बतः वय उनत वॉर्धानयम की भाष 269-ग के अनुसरण वं, मं, उनत् वॉर्धानयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन निम्नुलिबित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) श्री हाराधन चाटार्जी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बेला पाल

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में रिया गया है।

अनुसुची

जमीन-3.82 काठा जमीन का साथ मकान पता-18/5, मधुसूदन विश्वास लेन, घाना--जिला हायड़ा दर्लिल सं०--1982 का 6695।

एम० अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I^I;
54, रफीअहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 27-6-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजा -, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल०/1983-84---यत:, मुझे, एम० अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 34/4 है तथा जो डि गुप्त लेन थाना—कामिपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कामिपुर में, रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-11-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की रई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंस इश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती प्रतिमा पाल

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती शमल दत्त

(2) अनुराधा दत्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किय

उक्तु सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में का**र्ड भी वाक्षेप ह**—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतड़ पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाझ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन :--2 के॰, 12 सी॰ ; 3 वर्ग फीट जमीन शा साथ मकान ।

पता:--34/4, डि॰ गुप्त लेन, थाना--कासिपुर, कलकता--50 दलिल संख्या:--1982 का 10295 ।

> एस० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II/कलकत्ता 54, रफीअहमद किववई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 1-7-83

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी. एम. एस, ======

जायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाङ्क

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिशण) अर्जन रेंज, जालन्छर जालन्छर, दिनोक 23 जून, 1983

निवेश सं० ए० पी० नं० 4418---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मूक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिकस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विसम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ;---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी कड़ने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा हो लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण बों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत् :—

- (1) श्री सीता राम सुपुत्र लक्षमण दास वासी-मकान नं० 344, गली नत्थू राम, मुक्तसर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शरनजीत कौर पत्नी चरनजीत सिंह सुनार दुकान नं० 3790, सदर बाजार, मुकतसर । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 2796, दिनांक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनोंक : 23-6-1983

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 23 जून, 1983

निर्देण सं०/ए० पी० सं० 4419---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो मुकतसर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुकतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रुव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रव्यमान प्रतिफल से, एसे रुव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेव्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियस के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और्/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अन्द अधिनियम, या धन- अन्द अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
21—17601/83

- (1) श्री मीताराम मुपूज लक्षमण दास निवासी—मकान मं० 344 गली नत्थू राम मुकतसर (अन्तरक)
- (2) श्री घरणजीत सिंह पुत्र नातर सिंह सुनार दुकान सं० 3790 सदर बाजार मुक्तसर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशभ की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

ध्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 2996 दिनांक जनवरी-1983 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुकतसर ने लिखा है ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 23-6-83

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 23 जून 1983

निदेश सं० पी० ए० न० 4420--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1982

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (अ) अन्तरण संहुई किसी आम की वावत, उपल अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक की अधिरल में कमी करने में उससे वचने में सृविधा के लिए, और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतं. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ➡ अधीन, गिम्तलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती ब्रारकी विधवा माली राम द्वारा श्री ओ० पी० गुप्ता पुत्र मेहरचन्द वासी 10/17, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री कुल भूषण, सुखदेव कुमार, सुरेश कुमार सुपुत श्री राम पतन मैसर्स श्री राम गुमानी राम सब्जी मण्डी, सदर बाजार, मुक्तसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है।(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता है (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है) ।

का यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साब में समाप्त होती हों, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो लक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2662 दिनाक दिसम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनाक : 23-6-1983

मोहर 🚜

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ----

. आयक् र प्रधिनियम, 1961 (1961 का 42) की बार। 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 23 जून, 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4421—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

प्रायतर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 268-ख के प्रधीन बक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व॰ से धिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्ता । १ के किसी आय की सबत अकत अधि-निध्य । अधीन कर देने के अस्तरक के दायिक में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किमी श्राय या किसी घन या भन्य श्रास्तियों की, विम्हे भारतीय श्रायकर श्रिवियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिवियम, या धन-कर श्रिवियम, या धन-कर श्रिवियम, वा धन-कर श्रिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए था, फिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती ब्रारकी देवी विधवा माली राम द्वारा श्री ओ० पी० गुप्ता पुत्र मेहर चन्द, वासी 10/17, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री हरीश चन्द्र, सतीश कुमार
 पुत्र रघुबीर चन्द्र भाटिया
 वासी मैसर्स श्रीराम मुमानी राम, सब्जी मण्डी,
 सक्षर बाजार, मुक्तसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वापत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की श्रविध मा तह्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपत्र में प्रज्ञागन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त णव्दें भीर गरो का, जो खकत श्रीवित्यम के ग्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रायं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2663 दिनांक दिसम्बर 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, जालन्धर

दिनांक : 23-6-1983

प्रकृष अहाँ ु टी । पुन् । पुन् वाकारकार

आयकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भुभीन सुन्ता

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1 जुलाई, 1983

निदेश सं० पी० नं० 4422, यत. मुझे, जे० एल० गिरधर

बायकर व्यिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक नयम्बर, 1982,

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उण्यत् बाजार मृल्य् से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मृझ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उण्यत् बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिहात से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित् उद्देश्य से उक्त् अन्तरण विविक्त में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुनिधा के निए; ब्युडि/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः क्व, उक्त अभिनियम की धाए 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धाए 269-व की उप्धाए (1) में अभीन, निम्निसिवित स्यक्तियों, जर्मात् क्ष- (1) श्री राजन अगरीम पुत्र चन्द्र प्रकाम नजदीक डी० ए० बी० कालिज, जी० टी० रोड, जालन्धर द्वारा श्री चन्द्र प्रकाम पुत्र साहेब लाल जी० ए० ।

(अन्सरक)

(2) श्री अमरजीत सिंह पुत्र करतार सिंह वासी—-577, प्रति नगर साङल रोड, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैस कि नं 2 में लिख है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भूषे होगा, जो उस मध्याय में दिया गया

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5538 दिनांक नवम्बर, 82 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 1-7-83

मोहुद्र 🛭

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जारन्धर, विनांक 1 जुलाई, 1983

निर्देश स० ए० पी० नं० 4423, यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सें, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलियित उद्देश से उक्त परतरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के क्वेंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

- (1) श्री राजन अगरीण पुत्र चन्दर प्रकाश वासी—-नजदीक डी०ए० बी० कालिज, जी० टो० रोड़, जालन्धर द्वारा श्री चन्द प्रकाश पुत्र सोहन लाल जी० ए० (अन्तरक)
- (2) श्री कुलदीप सिंह पुत्र करतार सिंह वासी—209, लाजपत नगर, जालन्धर । (अन्तरिती)
- (2) जैसा कि नं ० 2 में लिखा है (वह न्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता रहै कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह भूषना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5539 विनांक नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालक्**धर**

अतः अवः, अक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कुं अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमें, अधित् ः——

दिनांक 🖫 1-7-83

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस . -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-वृ (1) के बुधीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ालन्धर

जालन्धर, विनांक 4 जुलाई, 1983

निर्देश सं० /ए० पी० नं० 4424—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो बस्ती शिखा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन्न या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्किर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिंदत व्यक्तियों, मुभूत :— (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र गजार सिंह सैल्फ और जी० ए० आफ श्री अरजन सिंह करतार सिंह, अजीत सिंह, और सूचा सिंह सुपुत्र गजार सिंह वासी—बस्ती शेख जालन्धर।

(अन्तरक)

- (2) श्री सुरिन्द्र कुमार और संजय मल्होत्रा सुपुत्र चमनलाल वासी--- डब्ल्यू० आर० 90 बस्ती शेख जालन्धर 2. करनेल सिंह सुपुत्र सुरमेख सिंह । वासी-3528 मांडल हाउस चौक, जालन्धर । अजय कुमार मस्होत्रा पुत्र राजकुमार । वासी--एन० डी० 39 विक्रमपूरा जालन्धर । 4. श्रीमती हरभजन कौर पत्नी अमरीक सिंह । वासी-1762 टाउन जालन्धर। 5. अमर पाल पुत्र हंसराज और श्रीमती शंकुन्तला रानी पत्नी चमन लाल वासी-फगवाडा । 6. श्री कमल किशोर पुत्र हरी प्रकाश वासी--दाना मण्डी नवीशहर । 7. श्रीमती कमलेश पत्नी सुभाषचन्द्र कैमिकल्स सुभाष बक डिपो, जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है) ।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में उचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) 'इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी वे पास हिसकित में किए जा सकेगे।

स्पृष्किरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हाँ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन बस्ती शेख जालन्धर में स्थित है, जैसा कि विलेख नं० 5478 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एस० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

धिनौक : 4-7-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 जुलाई, 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4425—न्यतः मझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किंगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् रे—

- (1) श्री दलबीर सिह पुत्र जोगिन्द्र सिह और परमजीत भौर पुत्री जोगिन्द्र सिंह द्वारा जी० ए० श्रीमती दर्शन कौर विधवा जोगिन्द्र सिह । वासी—गाव गुरा, तहसील नकोदर, जिला जालन्धर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शारदा बंसल पत्नी बलविन्द्र सिंह कैंमिकल्स मैसर्स सुखराम दास, सत्या प्रकाश 7—न्यू ग्रेन मार्कीट, संगरूर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति र)
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी कर्के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

सम्मृह्यत तथा व्यक्ति जमीन जो गांव किगरां में स्थित हैं जैसा कि विलेख नं० 5252 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 4—7—83

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 4 जुलाई, 1983

निदेश सं०/ए० पी० सं० 4426--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव किगरां में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया भदा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उन्सर अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री दनबीर सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह और परमजीत कोर पुत्री जोगिन्द्र सिंह हारा श्रीमती दर्शन कौर विधया जोगिन्द्र सिंह वासी—— गाव गुरहा तहसील नकोदर जिला—जालन्धर (अस्तरक)
- (2) श्रीमती अविनाण कौर पत्नी सरवजीत सिंह सोहल वासी—-627 माडल टाउन, जालन्धर । (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधि-भोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर संपत्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दौ और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जभीन गांव किंगरा में स्थित है, जैसा कि विलेख नं 0 5571 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एन० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 4-7-83

प्ररूप बाइ .ट्री.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकः,र आयुक्तं (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धरे जालन्धर, दिनाक 4 जुलाई 1983

निवेण सं०/ए० पी० नं० 4427 —यतः मुझे, जे० एलव गिरधर.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स तथा जो गांव किगंरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में अवेर पूर्णस्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनोक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :--- '(1) श्री दलवीर सिंह पुत्र जोगिन्द्र सिंह और परमजीत कौर पुत्ती जोगिन्द्र सिंह द्वारा जी० ए० श्रीमती दर्णन कौर विधवा जोगिन्द्र सिंह वासी—-गांव गुरहा तहसील नकोदर, जिला—-जालन्धर ।

(अन्तरक)
(2) श्रीमती बेजन्त कौर पत्नी, जसकरन मिंह और जसकरन
सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह

वासी—144, लाजपत नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी कारले पूर्वोक्त सुम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वों कर ध्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हैं।
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवत में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उनस अधिनिश्च के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा जो उस, अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जो गांव किगरां में स्थित है (जैसा कि विलेख नं० 5382 दिनांक, नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 4-7-1983

मोहर:

22-176 GI/83

प्रकार वार्षे. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म्(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4430—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर, प

इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम[®] कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. ने अधिक है

और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक नवम्बर, 1982,

को पूर्वोक्त संपरित के उचित धाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान गतिफल से, एसे इश्यमान गितफल ते पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :----

- (क) मृन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उदस अधिल्यम के असीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, धा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तिसमें, अर्थात्ः--- (1) श्री राम स्वरूप पुत्र भगत राम वासी—मेहली गेट, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

(2) श्री सरवत सिंह पुत्र गुण्दयाल सिंह वामी——गांव रहाना जटा, तहसील फगवाड़ा । (अन्तरिती)

को ग्रह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता होंू।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध गा तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में लगाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति वृज्ञात;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपूर्ध किसी अन्य ज्यवित इवारा अधाहन्साक्षरी के वास निधित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित अही अर्थे होगा जो उस अध्याय में दिया स्याह ।

अनुसूची

सम्पन्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1891 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-7-1983

मोहार :

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 6 जुलाई 1983

नि्देश मं०/ए० पी० नं० 4431 तथा 4432—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- छ। से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है) तथा जो फगवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक, नक्मबर, तथा दिसम्बर, 1982 ।

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिज्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आअस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सकुन्तला देवी पत्नी रजिन्द्र सिंह वासी—–मुभाष नगर, फगवाड़ा । (अन्तरक)

(2) श्री सेवा सिंह पुत्र मीहा सिंह वासी---मुहल्ला तस्का वाड़ा, फगवाड़ा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपय में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्वत में किए जा सकेंगे।

ह्पध्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची .

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 1922, दिनांक 19-11-1982 और 2095 दिनांक 16-12-82 को रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी फंगबाडा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-7-1983

प्ररूप आर्ड_{िट} टी_ट एन . एस_ट ------

भायभर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 जुलाई, 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4433---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो तथा जो गांव मिराज पटी कला तहसील रामपुरा फूल में स्थित है (और इसमें उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त भन्नि नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के जिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रम्य खास्तिथी को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या छक्त पश्चिमियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपा: में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ण कै अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती बलवीर कौर विधवा करनैल सिंह पुत्र श्री शाम सिंह वासी—गांव मिराज पटी कला तहसील—रामपुरा फूल ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगजीत सिंह पुत्र वरियाम सिंह वासी——मिराज पटी कला

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्रुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उत्कत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2936 दिनांक नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुराफूल में लिखा गया है ।

जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-7-1983

प्ररूप आहं, टी. एन्. एस.-----

भायकर अभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनाक 6 जलाई 1983

निदेश सं० ए० पी० नं० 4434—यतः मुझे, जै० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उषित बाजार मृल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो मण्डी-रामपुराफुल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णक्य में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राम-पुराफुल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाजार मूल्य, उसके उर्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण िलिकत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्यन में सुविधा के निए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनिष्णमं की धारु 269-गं के अनुसरणं में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-जं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अर्थात् कि (1) श्री तिजै कुमार पुत्र दुनी चन्ध पुत्र गोकल चन्द, वासी—राम पुरा मन्डी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी पुत्री देस राज पुत्र देवी दियाल वासी—रामपुरा फुल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्ष्मच सम्पत्ति भी वर्षन को सम्मन्ध को कार्य भी बाबोर्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3281 विनांक विसम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी रामपुराफुल में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 6-7-1983

मोहर ह

प्रस्य शाही हो, एक. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाग 269-भ (1) की संधीन संभा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज. जालन्धर, जासन्धर, दिनांक 4 जुलाई 1983

निदेश सं०/ऐ० पी० स० 4428—यतः मुझे, जै० एल० गिरश्वर,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद (जिस्त अधिन्यम सहा गण है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षाम पाधिकारी की, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर अपित जिसका प्रति बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं जैमा कि अनमूची में लिखा है जो गाव किगंरा में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनमूची में और पूर्णक्य में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1982।

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वमान प्रांतफस के लिए अन्तरित की गर्ड ही और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो स्व सर्पान्त का जिल्त वाजार मूल्य, उसके स्वयमान अतिफत्त स, एस स्वयमान प्रतिफत्त का पद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलियत उद्दश्य से उन्त अंतरण लिखित म वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया पया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाम या फिसी धन या नम्म नास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, सर्थास :---

- (1) श्री शिव सिह पुत गुरुविष्ण सिह वासी---गांव देहेरिया तहसील---जालन्धर । (अन्तरक)
- (2) श्री तारा सिंह धूमन पुत्र खडाक सिंह गांव-नदाली पोस्ट आफिस जैंड जिला-कपूर्यला ।

 2. श्री बलवन्त सिंह पुत्र किणन सिंह ई० क्यू०-340 रनैक बाजार जालन्धर ।

 3. श्रीमती सन्तोष चौषड़ा पत्नी धरम पाल डब्ल्यू० एस० 43 बस्ती शोख जालन्धर ।

- 5. श्रा डी० आर० वर्मा पुत्र आर० आर० मल, ए०--316 राणा प्रताप बाग देहली--7 ।
- श्री राम बन्द्र चोपड़ा पुत्र अछर राम 1838 सैक्टर
 न्मी० चण्डीगढ़। '
- 6. श्री सुनील कुमारपुत राम चन्द्र 324 महीद ऊधम सिंह नगर जालन्धर।
- 7. श्रीमती शांता चौपड़ा पत्नी आर० सी० चौपड़ा ई० ओ० 233 महल्ला खोढियर जालन्धर ।
- 8 श्री रिव कल्याल पुत्र ईन्द्र सैन 455, महीद भगत सिंह जालन्धर ।
- श्रीमती संगींता महाजन बेटी धर्मपाल बी० आई० 189 जनकपुरी न्यू देहली ।
- 10. श्री अनील चौपड़ा पुत्र राम चन्द्र नया बाजार जालन्धर ।

(अन्तरिती)

क्षत्रे यह सूचना जारां करके पूर्वा क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

चक्त सम्पर्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खूबारा;
- (ध) इस यक्ता के राजपार में प्रवाधन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपरित में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पास्टीकारण : इसमें प्रयुक्त सन्दों और प्रश्न का, जे जिला अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, मही अर्थ होंगा को उस स्थाय में दिसा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन 4 कनाल 10 मरले जो गांव किगरा में स्थित है। जैसा कि विलेख न० 5465 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एत्र० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 4-7-1983

प्ररूप आई. टी.एनं.एसं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत अरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्ध्रर, दिनाक 4 जुलाई 1983

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 4429—यनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके परचात् 'उभत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है.

और जिमकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो वस्ती गेख जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक नवम्बर, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मूम्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच तय पाया गया एसे अन्तरण के लिए प्रतिफल जिल्ला निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्ति विक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए का छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारण (1) के अधीन, निम्नलिधिश व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मोहिन्द्र सिंह पुत्र गुजान मिह यासी---नश्ती शेख जालन्धर ।

(अन्तरक)

- त्री विजय कुमारी पत्नी दलबीर सिंह बी०-3492
 वस्ती रोड जालन्धर ।
- 2 थी गुरमेल सिंह पुत्र पाला भिंह कैमिकल्म ड्राई क्लीनर्म धरामकोट जिला-फिरोजपुर ।
- 4 श्रीगती सुदर्शन भगत पन्नी वेदप्रकाण
 वासी—एफ० एम० 131 माडल हाउस जालन्धर।
- 5. श्री हरचरण सिह् अस्मी पुत्र हरवन्म सिह् गांव-नमशेर जिला जालन्धर ।
- 6. श्री. मर्ताः जसविन्दर कौर पत्नी जोगिन्न्द्र सिंह मकान न० 3521 चौक माडल हाउस जालन्धर । 7. श्रीमती सनवन्त कौर पत्नी खजान सिंह
- म० २० 3520 चीक माडल हाउस जालन्धर । (अन्तरिती)

.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जमीन एरिया 4 कनाल 2 मरले 6 स्कोयर फुट जो वस्ती शेख जालन्धर में स्थित है। जैसा कि विलेख न० 5426 दिनाक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे० एल० गिरधर मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 4-7-83

मोहर 🤢

प्ररूप आहर्षे.टी.एन.एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्ीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर विनांक 4 जुलाई 1983

निर्देश सं० ए० पी० नं० 4435—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० और जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो वानेवाला जी० टी० रोड, मलोट में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण चिक्ति में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, ⊈न्म्निलिखित व्यक्तिया, अधित् द्व-- (1) डा॰ संतलाल पुत्र सन्जाहराम वासी—मलौट ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर सिंह, बलदेव सिंह सुपुत्न अरजन सिंह नजदीक भारत द्रेडर्स गांव और पोस्ट आफिस कुतरावाली तहसील—मलौट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुसुधी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति 9 मरले (दूकान) दानेवाला (जी० टी॰ रोड मलौट) में स्थित है। जैसा कि विलेख नं० 1790 विनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 4→7-83

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस.------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० /ए० पी० नं० 4436 तथा 4437—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवस्वर, 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिल्ला निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित में वास्तिक क्या से कमित नहीं किया गया है ए—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाधत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने से बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— 23—176 GI/83 (1) श्री दारा सिंह पुत्र मेहर सिंह पुत्र अनूप सिंह गांव पट्टी गिल जिला—अटिन्डा ।

(अस्तरक)

(2) दी आदर्श कोआपरेटिव हाउस विल्डिंग सोसाइटी लिमिटेड गांव पट्टी गिल तहसील भटिन्डा । (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप उ-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविदात में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शुन्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न ० 5177 तथा 5178 दिनांक नवम्बर, 82 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 7-7-83

प्रेरूप आइ. टी. एन. एस. -----

ज़ायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीम स्थाना

भारत परकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निवेश स० ए० पी० न० 4438 तथा 4439—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में थिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-कल निम्मतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में वास्तिवृक्त स्थ से का भव नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री करतार सिंह पुत्र मेहर सिंह पुत्र अनूप सिंह वासी---गांव गिल पट्टी सह० भटिण्डा । (अन्तरक)
- (2) दी शवश को अपरेटिव हाउस बिस्डिंग सोसाइटी लिमिटेड, गांव--पट्टी गिल तह० भटिण्डा । (अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालोप ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्थान के राज्यत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास निविद्य में किए या सकनें।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जा उक्त जिश्वियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका मना है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5248 तथा 5249 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा में लिखा है।

जे० एत० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक : 7-7-83 ·

प्रकप धार्व • टी • एव • एस • -----

भाषकर पश्चित्रियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 289-व (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक नायकार भागुनत (निरीक्ण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निवेश सं० /ए० पी० नं० 4440-यतः मझे, जे० एलै० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा कि अनसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वीकत सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम कें दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का प्रविद्य बाजार मूल्य, उसके युश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल की पन्तह प्रतिष्ठत प्रविक है भीर अस्तरिक (अस्तरकों) भीर अस्तरिती (मन्तरितियों) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नसिवित अस्तरिण से उक्त सन्तरण लिखित में बाक्तविक कम से कथित नहीं किया बया है :--

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की वाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाधिरण कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँग्र/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अण्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, जियाने में सुनिधा ने हैं कर;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री हरनाम सिंह पुत्न बचन सिंह मक्तार आम जलदेव राज उर्फ बोनीरतना सचवमुखल, 16, सुखुमवितः एस० सी० आई०-24 वैकांक, शई लैण्ड । मार्फत हरनाम सिंह, ज्वैलर्स, हस्पताल बाजार, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

- (2) शक्ति बिहार को० आपरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसायटी मार्फत एम० एल० गोयल, एस० डी० ओ० बी०→ 34, थर्मल कालोनी, भटिण्डा ।
 - (2) केप्टन विधाकुमार पुत्र दिवान चन्द दिल्ली
 - (3) सुमन अग्रवाल पुत्री राज कृष्ण अग्रवाल, चण्डीगढ़।
 - (4) मदन लाल गोयल पुत्र सरूप सिंह, एस० डी० ओ० बी०-34, थर्मल कालोनी भटिण्डा। (अन्तरिती)

को यह सूचता जा**ी करके पूँगीतन सम्यस्ति के धर्**जन के **लिए कार्यवाहियां सर**ना हुँ

क्यत सम्पत्ति के अर्थन के उम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस त्यान के उपप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यक्त्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के बध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बहुी कर्ष होगा, को उस क्थाय में किया न्या है।

अनुसूची

व्यक्ति सथा सम्पंत्ति जैसा कि विलेख नं० 5138, दिनांका नवम्बर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल**० गिरक्षर** सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनौक : 7-7-83

श्रुक्ष वार्षे ही एन . एस

भायकर भिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्धर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं० /ए० पी० सं० 4441—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से सिंधक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और पूर्णक्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नयम्बर, 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पास स्या प्रति- इत निम्नलिश्वित उद्वस्थ से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के राजित्य में कनी करने या उक्से वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया जवा था वा किया वाना वाहिए वा, क्रियाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् हम्म (1) श्रीमती निरमला देवी पत्नी राम सरूप पुत्र बाबू राम एल० आई० सी० एजेंट, इम्पूबमेंट ट्रस्ट, न्यू० कालोनी, अमरीक सिंह रोड, भटिण्डा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भागवंती गर्ग पत्नी कृष्ण लाल वासी—एच० एन० 716-ए०, बैंक साईड आफ कुन्वन लाल ट्रस्ट, न्यू० बस्ती, भटिण्डा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनक सम्पृतित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर स्थानत को में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की बारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पोक्त में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षदी के पास किसित में किए वा सकोंगे।

स्युक्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धां भीर पर्यों का, श्री सन्द सिंपनियम, के मध्याय 20 का में प्रिआवित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख सं० 54415, दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा-है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालम्धर

विनांक : 7-7-83

मोहर 🚁

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, विनांक 7 जलाई 1983

निवेश सं०/ए० पी० नं० 4442—यतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में कृषिधां के किए; बार्ट/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस्य, उत्थल अधिनियम की भारा 269-ण के, अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिखत व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्रीमती निरमला देवी पत्नी राम सरूप पुत्र बाबू राम एल० आई० सी०, एजेंट, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट न्यू० कालोनी, अमरीक सिंह रोड, भटिण्डा।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार गर्ग पुत्र कृष्ण लाल वासी--- एच० एन० 716-ए०, बैंक साईड आफ कुन्दन लाल ट्रस्ट बनी बस्ती, भटिण्डा ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावाा संपित्त में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 5416 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक : 7-7-83

मोहरु 🖫

प्रकृत वार्षः दी । एतः पुत्रः ुन्ववन्तराज्यस्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के श्रुधीन सूचना

गरित बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4443--यत: मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर निपित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'अक्त अधितिमम् कहा गया है), की थाना 269-ख के नधीन संकान प्राधिकारों को यह निपनास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवन बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव जसी बाग वाली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णेरूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982

को प्योंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का मिम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वास्त, उक्त अभिनियुझ के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात —

- (1) श्रीमती गुगी, बालीआ, श्रकी पुत्रीओं गोंदा मल वासी जसी बाग बाली, जिला भटिण्डा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मुन्नी पुत्री गोंदा मल वासी जंसी बाग वाली, जिला भटिण्डा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्तु सम्परित की अर्थन के हिस्ए कार्यवाष्ट्रियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में दितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 5017, दिनांक नवस्वर, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिण्डा ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम अधिकारी सष्ट्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, जालन्धर

विनोक : 7-7-83

मोहर :

प्रकर वाईं ही । एत । एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अर्थन सुभन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर्र्र्

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1983

निदेश सं०/ए० पी० नं० 4444—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाब ब अनुसूची में और पूर्ण रूप में थिंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1982।

को पृवाक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निचित बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाधिस्य में कमी करने वा उससे बंधने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मूर्विभा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (—

- (1) श्री गुरताल सिंह पुत्र बिचत्र सिंह म्रूनिराधल व मिशनर गढ शकर जिला होशियारपुर मार्फत जी० ए० सर्वजीत सिंह पुत्र करतार सिंह, वासी—-145-एल०, माङल टाउन, जालन्धर । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती परमजीत कौर, पत्नी नवतेज सिंह और नवतेज मिह पुत राम लाल चौहान वासी—वल खाना नहसील जालन्धर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मिति के अर्थन को निष् कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तरसम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्विवित द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति व सम्पत्ति, जैसा कि विलेख नं० 5355 दिनांक नवम्बर, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर मे लिखा है।

> जे० एलं० गिरधर सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 7-7-83

मोहर:

प्रकृप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २69-थ (1) को अधीम स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज, ल खनऊ

ल**ख**नऊ, दिनांक 30 जून 1983_{न,}

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या सी-*3ग* /एक्यू ---अतः मुझे, ए० प्रसाद

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रध्यान 'उन्त गणिनियम' सड़ा गया है), की धारा 269-ख के अधीन पक्षम गणिकारी की, या विष्याम करने का कारण है कि स्यावर नंशित, जिसका उन्ति वाजार नृत्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं बी-49 है तथा जो ई-रोड महानगर- एक्सटैन्शन स्कीम लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 नवम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित वाजार मूहय से कम के वृष्यमान प्रतिफल के तिए प्रनिरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्छ ह प्रतिशत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसो किसी श्राय या किसी घन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपासे में, सुविधा के लिए;

कतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में की, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन, निम्निस्चित् स्मृतित्यों, नुभति :---

(1) श्रीमती कामिनी टिक्कू।

(अस्तरक)

- (2) 1. श्री चन्द्रिका प्रसाद
 - 2. श्रीमती चन्द्रिका नैनतारा प्रसाद
 - 3. श्री चन्द्रिका नैनतारा समर्थ (नाबा०)
 - 4. श्री वित्वका नेनतारा रोहित (नाबा) (अन्तरिती)

(3) उपरोक्त, अन्तरक

्रवह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है को यह सूचना कारो करके पूर्वोंक्त सम्पति के **मर्जन के लिए**ं कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (स) इर मूचना के राजात्र में रक्षात्रन की लारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस यूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छन्त स्वावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अञ्चोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर-दोकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रवराण 20-क में परिभावित हैं, वही धर्ष होगा, जो उन प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि प्लाट नं० बी-49 जोकि ई-रोड महानगर एक्सटेन्शन स्कीम लखनऊ में स्थित है जिसका पैमाइशी 9840 स्क्वायर फिट है। सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण सेल डीड व फार्म 37-जी० संख्या 9065/82 में विणत है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार कार्यालय लखनऊ में किया जा खुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, ल**ख**नऊ

तारीख: 30-6-83

मोहरः

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R., CENTRAL BURLAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th July 1983

No. A-19016/1/83-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Dhillon IPS (MP-1953) as Joint Director, Central Bureau of Investgation and Special Inspector General of Police, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 1st July, 1983.

The 11th July 1983

No. U-2/72-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 22nd Feburary, 1983, the President is pleased to appoint Shri U. S. Prasad to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 30-6-1983 on purely ad hoc basis.

No. V-B/72-Ad.V—In continuation of Notification of even number dated 31st January, 1983, the President is pleased to appoint Shri V. N. Srivastava to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 30-6-1983 on purely ad hoc basis.

No. R-14/72-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 9th February, 1983, the President is pleased to appoint Shri R. K. Verma to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 30-6-1983 on purely ad hoc basis,

No. S-27/72-AD.V.—In continuation of Notification of even number dated 31st January, 1983, the President is pleased to appoint Shri S. Bhat acharice to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 30-6-1983 on puredy ad hoc basis.

No. S-27/72-AD-V.—In continuation of Notification of even number dated 9th February, 1983, the President is pleased to appoint Shri S. P. Srivastava to officiate as Sr. Public Prosecutor in Central Bureau of Investigation for the period from 1-3-1983 to 30-6-1983 on purely ad hoc basis.

No. A-19021/2/79-AD.V.—The services of Shri N. R. Deo, IPS (MP-1965) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Jabalpur Branch are placed at the disposal of the Govt. of Madhya Pradesh with effect from the Afternoon of 30th June, 1983, on repatriation.

No. A-19036/27/79-AD.V.—The services of Shri N, K. Lahiri, Dy. Supdt. of Police (FP)/C.F.P.B., Calcutta are placed at the disposal of the C.D.T.S. Calcutta with effect from the afternoon of 18th June, 1983 on deputation.

No. A-19020/3/83-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri Bhagwant Singh, IPS (MP-SPS) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the afternoon of 30th June, 1983.

K. CHAKRAVARTHI,
Dy. Director (Admu)
Central Bureau of Investigation

New Delhi, the 11th July 1983

No A/10036/14/82 Ad V.—On attaining the age of superannuation services of Shir B S Ambekar Dy Suo (t. of Police on deputation to Central Burgar of Involgation from Maharashtra State Police, were placed at the disposal of Govt. of Maharashtra with effect from 30th June, 1983 (afternoon).

P. N. ARYA, Administrative Officer (E) C.B.J.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 2nd July 1983

No. F. 2/12/83-Estt(CRPF).—The President is pleased to confirm the following officers in the rank of Commandant in the CRPF:—

S/Shri

1. R. C. Purl.

24-176GI/83

- 2. M. L. Sharma.
- 3. K. Kasayan.
- 4. Jagbir Singh.
- 5. Mohar Singh.
- 6. R. S. Vohra.
- 7. H. S. Sandhu.
- 8. Ami Lal Yadav.
- N. Ramachandren.
- 10. Swaran Singh.
- 11. P. J. Shetty.
- 12. Bodh Raj Sharma.
- 13. M. P. Chitnis.
- 14, S. R. Yadav,
- 15. S. A. Khan.
- 16. G. S. Sidhu.
- 2. These confirmations are subject to final disposal of Civil appeal No. 3932/78 in the Supreme Court.

The 6th July 1983

No. D.I-17/81-Estt-I.—This Dte, of notification number of even dated 21-5-83 may be treated as cancelled.

No. D.1-17/81-Fstt-I.—Consequent on his appointment on deputation to ITDC as General Manager (Vigilance), Shri S. P. Singh, Commandant Asstt Director (Trg) II, Dte. General CRPF relinquished the charge of the post of AD (Trg) II on the afternoon of 27-6-83.

The 7th July 1983

No. O.II-1403/77-Estt.—Consequent on his retirement from Government service, Shri Sangat Singh, Dy. S.P. of 45 Rn. CRPF relinquished charge of the post of Dy. S.P. in the afternoon of 30-4-1983.

The 8th July 1983

No. O.II-1809/83-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri Ashok Raj Maheepathi, an IPS officer of Manipur/Tripura Cadre, as Asstt. Comdt in the CRPF.

2. Shi Maheepathi took over charge of the post of Asstt. Comdt, in the GC, CRPF, Hyderabad on the forenoon of 1-6-83.

A. K. SURI, Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 29th June 1983

No. E-16013(2)/24/82-Pers.—On appointment on deputation Shri P. K. Sahai. IPS (WB:74) assumed charge of the note of Comdt. CISF Unit FCI Sindri with effect from the forenoon of 9th June, 1983.

The 2nd July 1983

No. F.16013(2)/12/79-Pers.—On repatriation to State Cadre. Shri V. K. Bhalla, IPS (MP: 62) relinquished charge of the post of Coundt, CISF Unit, B. N. P. Dewas with effect from the afternoon of 9th June, 1983.

SURENDRA NATH, Director-General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 7th July 1983

No. F. 10/10/83-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri V. P. Pandey, a Selection Grade Officer of the C.S.S., at present working as Deputy Registrar General,

India in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Icint Registrar General, India, in the same office, for a period of six months with effect from the forenoon of 2nd May, 1983.

2. The headquarters of Shri V. P. Pandey will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF E.A.) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 25th June 1983

No. 60/A.—In continuation of Notification No. 168/A dated 18-11-82 and 286/A dated 15-1-1983, the ad hoc appointment of Shri M. S. Pandy, DCO and Shri K. K. Pathak, DCO of Ind'a Security Press, Nasik Road, is further extended for a period of 3 months w.e.f. 20-4-83 & 11-4-83 respectively on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

P. S. SHIVARAM General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 5th July 1983

F. No. BNP/C/5/83.—Shri T. S. Sudarshanram, permanent Store Keener is appointed to officiate as Stores Officer in the Bank Note Press, Dewas in the pay scale of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 30-6-83 (FN), until further orders.

M. V. CHAR General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad, the 5th July 1983

No. Admn.1/8-132/83-84/525.—Sri S. Krishnamachary-l Accounts Officer office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 30-6-83 (AN).

Sd. /- ILLEGIBLE

No. Admn. I/8-132/83-84/525.—Sri M. G. K. Murthy Accounts Officer, Office of the Accountant General Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 30-6-1983 (AN).

(Sd.)/ILLEGIBLE

Senior Dy. Accountant General Administration

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I GUJARAT

Abmedabad-380 001, the 1st July 1983

No. Est. (A) /GO/3(37) /428.—The Accountant General-I, Guiarat, Ahmedabad is pleased to appoint S/Shri P H, Jadhav & K. D. Vachala permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General-I. Onjarat, Ahmedabad with effect from 1-6-1983 (FN), until further orders.

The above promotions have been made on ad hoc basis and subject to the final orders of the Gularat High Court in the Special Civil Application No. 735 of 1980.

Sr. Dv. Accountant General/Admin

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDINANCE FACTORIES SERVICE ORDINANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 2nd June 1983

No. 31/G/83.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Addl. DGOF/Member with effect from the date shown against them:—

- Shri R. K. Chellam, DDGOF(Level-I), 26th April 1983.
- Shri V. V. Karmarkar. GM(in SAG/Level-I), 27th April 1983.

V. K. MEHTA Director

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 5th July 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROI (ESTABLISHMENT)

No. 6/601/60-ADMN(G)/4540).—On attaining the age of superannuation, Shri S. P. Mukherjee, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Fxports, Calcutta has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st May 1983.

V. K. MEHTA

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 5th July 1983

No. A6/247(521).—The President is pleased to appoint Shri S. B. Paul, Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta as Inspecting Officer (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on ad-hoc basis in the same office for a period of six months with effect from the forenoon of a 20th April, 1983.

2. Shri Paul relinquished the charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engineering) at Calcutta we.f. 20 4-1983 (F.N.) and assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) on the same date and at the same station.

S. I. KAPOOR

Deputy Director (Administration for Director General of Supplies and Disposals.

(ADMN. SECTION A-69)

New Delhi-110001, the 5th July 1983

No. A6/57(8) Vol. X.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the undermentioned officers substantively to the post of Assistant Inspecting Officers (Engineering) with effect from the dates mentioned against each :—

Si. Name of Officer No.	Date of confirmation.
1 2	3
S/Shri	
1. P.S. Barve .	. 01-07-1976
2. A.G. Thadani .	. 01-09-1976
<u> </u>	

3 2 S/Shri 3. S. Nagarajan 29-09-1976 4. A.S. Ramamurthy 01-11-1976 01-09-1977 5. Kulwant Singh (S.C.) 6. N. K. Ghosh 01-10-1977 7. T.R. Verma 04-02-1978 25-07-1978 8. K.S. Mittal 9, K. Subramanyan 01-10-197810. K.S. Sridharan 01-10-1978 01-11-1978 11. P. K. Krishnan 01-11-1978 12. R.N. Ghosh 13. K.C. Swaminathan 01-01-1979 14. K. Srinivasan . 01-02-1979 15. V.S. Raman 01-04-1979 16, D.N. Banerjec 01-08-1979 17. Satishwar Dayal Mathur 14-03-1980 18. A. K. Khan 01-09-1980 19, A.B. Sen 01-10-1980 20. S. K. Sen 01-10-1980 21. G.C. Nag 01-03-1981 22. G. Ganesan 01-03-1981 19-03-1981 23. C.L. Suryanarayanan 24. B.N. Ghosh 24-04-1981 25. K.V. Narayanan 05-05-1981 26. S.K. Bandopadhyay 13-05-1981 27. P.M.R. Namboodiri 13-05-1981 28. Jacob John 13-05-1981 29. R.K. Guha 13-05-1981 30. B.K. Malakar 13-05-1981 31. D. L. Talwar 13-05-1981 32. A.C. Nigam 13-05-1981 33. R. K. Rajora (S.C.) 01-11-1981 34. K. L. Nirman (S.C.) 01-11-1981 35. R.C. Verma 28-12-1981 36. R.C. Gupta 01-05-1982 37. P.N. Gulati 01-10-1982 38. H.B. Sharma 01-10-1982 39. R.K. Gupta 01-01-1983 40. K. K. Sabharwal OF-02-1983 41. A. K. Sanyal 01-02-1983 42. Sisit Kanti Basu 01-02-1983 43. Pritam Singh . 01-02-1983

No. A-6/247(553).—The President is pleased to appoint Shi S. Sukhanandan. Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Madras Inspection Circle as Inspecting Officer (Engg.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Engg. Branch) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General for a period of six months w.e.f. the forenoon of 23-5-1983.

Shri Sukhanandan relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Engg.) at Hyderabad on 21-5-83(AN) and assmed charge of the post of Inspecing Officer (Engg.) at Madras on the forenoon of 25-5-83.

The 6th July 1983

No. A:17011/216/83-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri B. Krishnamurthy Examiner of Stores (Engg.) in the Madras Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) on ad-hoc basis in the Calcutta Inspectorate with effect from the forenoon of 12 May, 1983.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 2nd July 1983

No. 5738B/A-19011(1-SNB)/81-19A.—The President is pleased to appoint Shri Satyanarayan Behera to the post of Geologist (Jr) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the foremon of the 3-3-83 until further orders.

No. 5753B/A-19011(1-KEC)/81-19A.—The President is pleased to appoint Shri Kishor Kumar Chhatri to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2-5-83, until further orders.

No. 5768B/A-19011(1-NRM)/81-19A.—The President is pleased to appoint Shri Nihar Ranjan Mahapatra to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 13-4-83 until further orders.

The 4th July 1983

No. 5912B/A-32013(AO)/82/19A.—In Sunil Ray, Administrative Officer, Geological Survey of India stunds reverted to the post of superintendent in the same department with effect from 5-5-83 (A.N.).

The 5th July 1983

No. 5929B/A-19012(3-BPD)/83-19B.—Shii Barun Prasad Das is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in, a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28-5-1983, suntil further orders.

No. 5939B/A-19012(3-MPSS)/83-19B.—Shri M. P. S. Sengar is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary expacity with effect from the forenoon of the 31-5-1983, uptil further orders,

No. 5950B/A-19012(3-BPK)/83-19B.—Km. B. P. Kanphade is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 20-5-1983, until further orders.

No. 5961B/A-19012(3-JRG)/83-19B.—Shri Jai Raj Gupta is appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4-6-1983, until further orders.

No. 6001B/A-19012(3-SNI)/83-19B.—Shri S. N. Ingalageri is appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3-6-1983, until further orders.

No. 6012B/A-19012(3-RKT)/83-19B—Shri R. K. Tewari is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 13-5-83, until further orders.

No. 6022B/A-19012(3-NSN)/83-19B.—Shri N. S. Nair is appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40 1000-EB-40-1200/- as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3-6-1983, until further orders.

The 6th July 1983

No. 6079B/A-19012(3-SKS)/83-19B.—Dr. Shashi Kumar Sharma is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules or minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-as the case may be in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9-6-1983, until further orders.

S. K. MUKERJEE Director General,

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 6th July 1983

No. 4(66)/82-SL.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Rafiq Ahmed Masudi as Programme Executive, C.B.E., A.I.R., Ahmedabad in a temporary capacity with effect from the atternoon of 1st June, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1000.

No. 4(68)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Aunp Kumar Sethi as Programme Executive, Central Sales Unit, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 27th May, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB1880-40-1000-EB-40-1200.

No. 4(81)/82-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoint Shri S. Prakash Shujalpurkar as Programme Executive, All India Radio Bombay, in a temporary capacity with effect from the 9th March, 1983 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200.

Dy. Director of Administration for Director General

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 6th July 1983

No. DPS/2/1(7)79-Adm/2214.—The Director, Directotorate of Purchase and Stores, Dept. of Atomic Energy appoints Shri Muliyappurath Raju, a permanent. Storekeeper, to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-850-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate from 23-6-1983 (FN) to 30-9-1983 (AN) or until further orders whichever is earlier.

No. DPS/41/2/83-Adm./22123.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic Energy appoints Shri Elias Rego, a permanent Storekeeper to officiate ro an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 6-5-1983 (FN) to 18-6-1983 (AN) in the same Directorate vice Smt. Alev Mathews, Assit. Stores Officer, granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016. the 4th July 1983

No. AMD-1/27/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri N. Raingonal as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the

Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 23, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE Senior Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 8th July 1983

No. 05052/Feb.83/2296.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Ammanoor Gomatum Padmanabhan, a tempority Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade-Sb) in the same plant with effect from the forenoon of February 6, 1983 until further orders.

The 8th July 1983

No. 05052/Feb.83/2297.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri T. Srinivasan, a temporary Scientific Assistant 'C' of Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant with effect from the forenoon of February 1, 1983 until further orders.

No. 05052/Fcb.83/2298.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Subramani Gnana Bhaskaran, a temporary Foreman of Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Scientine Officer/Engineer (Grade SB) in the same plant with effect from the forenoon of Februray 1, 1983 until further orderss.

R. C. KOTIANKAR Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 27th June 1983

No. RRC/PF/978/77/9229.—The Director, Reactor Research Centre, hereby appoints Shri Rengaswamy Aravamudhan, a quasi-permanent Assistant Foreman and officiating Foreman of this Centre as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from June 17, 1983 FN until further orders.

The 30th June 1983

No. RRC/A32023/1/83/R/9368.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri KONGASSERY NARAYANA MOOR! HI, a permanent Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in the same Centre for the period from 1-3-83 in an officiating capacity on an ad-hoc basis vice Shri T. Anbumani promoted as Accounts Officer II.

No. RRC/A32023/1/83/R/9366.—Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri T. Anbumani, a quasi permanent Lower Division Clerk of Madras Atomic Power Project and officiating Assistant Accounts Officer of Reactor Research Centre in an officiating capacity on an ad-hoc basis as Accounts Officer II in the same Centre for the period from 13-5-83 to 14-6-83 vice Shri K. V. Krishnamurthy, Accounts Officer II promoted as Accounts Officer III.

No. RRC/A32023/1/77/R/9367.—In continuation of this Centres Notification of even No. (6528) dated 3/4-5-1983 Director, Reactor Research Centre has extended the period of officiating promotion of Shri KILLIKULAMGARA MAMAN VELAYUDHAN, a permanent Accounts Officer in the this Research Centre as Assistant Accounts Officer in the same Centre with effect from 1.6.83 to 7.6.83.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 30th June 1983

No. A. 32013(ADGM)/1/80-E.I.—The President is pleased to appoint Dr. R. P. Sarker, Deputy Director General of

Meteorology, India Meteorological Department as Additional Director General of Meteorology in the same Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13-4-1983 and until further orders.

S. K. DAS Director General of Meteorology

FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES Dehradun, the 7th July 1983

No. 16/116/65-Ests.I.—The President. Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to permit Shri M. K. Lala, Research Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun to retire from service on attaining the age of superconnuation on 31st May 1983 (AN).

No. 16/341/79-Ests.I.—Shri P. P. Bhola, Research Officer, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun expired on 12th June 1983.

RAJAT KUMAR Registrar, Forest Research Institute & Colleges

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 11th July 1983

No. 19/83.—Shri K. K. Dutta, lately posted as Superintendent of Central Excise & Customs (Expert) Technical Branch Headquarters, Pune assume charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from 23-6-83 (F.N.) vide Directorate's letter C. No. 1041/50/82 dated 27-4(83.

No. 20/83.—Shri V. V. S. Sastry, lately posted as Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the Collectorate of Central Excise Hyderabad on transfer to the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit (Customs & Central Excise) at Hyderabad vide Directorate's Order C. No. 1041/41/79, dated 17th May, 1983 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 7th June. 1983 (F.N.).

B. C. RASTOGI Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION New Delhi, the 6th July 1983

No. A-19012/1026/83-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ashok Kriplani, Design As. 131ant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier, with effect from the forenoon of 30th April 1983.

No. A-19012/985/82-EsttV.—Chairman Central Water Commission hereby appoints Shri S. M. Ghufran, (presently officiating on adhoc basis as Extra Assistant Director/Assistant Engineer in Central Water Commission) on a regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200 with effect from the forenoon of 9th August, 1982 until further orders.

- 2. Shri S. M. Ghufran will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.
- 3. The promotion of Shri |Ghufran is subject to the result of Civil Rule No. 10823 (W of 1980) pending in the Hon'ble High Court of Calcutta.

T. N. FOTEDAR Under Secy. Central Water Commission

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES NOTICE

In the matter of Companies Act, 1956 and In the matter of Giovanola Binny Limited

Cochin, the 7th July 1983

No. 1929/Liq/6137/83.—By an order dated 15-12-82 in C.P. No. 71979 of the High Court of Judicature at Ernakulam it has been ordered to wind up the Giovanola Binny Limited.

Alleppey Alwaye Ernakulam Kottayam

Mattancherry and Tiruvalla.

K, KANCHAPAKESAN Registrar of Companies, Kerala

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Cochin, the 24th June 1983

C. No. 1(9)(B)GL/83-84—In exercise of the powers conferred under sub-sections (1) and (2) of 3 MM in 121 of the Incometic Act. 1961, (43 of 1961) and in supersession of all the previous notifications under this section issued in this behalf from time to time, the Comissioner of Incometax, Cochin, hereby direct that with effect from the forenoon of the 15th July, 1933/the 24th Asadha, 1905, jurisdiction of the Incometax Officers mentioned in column 3 in Incometax Circles specified in Column 2 against setial number 6 (iv) & (v) of the Notification.

C. No. 1 (9) (B) (GL)/73-74 dated 12-7-1973, shall be modified as under:

THE GAZETTE OF INDL		
	1 TITTO 20 100	2 /CITS A T
- I H M 1 + 4 / N I I B I I M I N I N I N I	1	3 1 3 6 A V A N A X 1911 1
	X. J (J L/ J J J J J J J J J J	2 (DICITY 1111/12 O. 1202)

PART	III-	-Sec	1
------	------	------	---

4	۸	h	۸	,
ľ			- 5	h

1	2	3		. 4
			(li)	All Managing Agents and Directors, having substantial interest within the meaning of section 2 (22) (e) of the Income-tax Act, 1961, who are residents in Kerala, of companies falling within the areas mentioned above, excluding all Public Limited Companies having their registered office within the revenue district of Kottayam.

G.R. PATWARDHAN Commissioner of Income-tax.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th June 1983

G.I.R. No. C-37/Acq.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market reliable property. able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Plot of land No. B-49, situated at B. Road, Mahanagar Extension Scheme, Mehanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Kamini Tikku.

(Transferor)

(2) 1. Chandrika Prasad.

- 2. Smt. Nayantara Prasad.
 3. Sh. Chandrika Nayantara Samarth (Minor)
 4. Sh. Chandrika Nayanatra Robit (Minor)

(Transferees)

(3) Above seller. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whitever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. B-49, situated at B-Road, Mahanagar Extension Scheme, Lucknow, measuring 9840 sq. ft, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9065/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1983

G.I.R. No. B-110/Acqn.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Part of House No. 206/17 GA situated at Deorhi Agha Mir, PS. Wazirganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Lucknow on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Nawab Zafar Ali Khan Alias Wazir Agha. (Transferor)

(2) 1. Sh. B. P. Halwasiya.
2. Smt. Sudha Longer.
3. Sh. Shafiqur Rehman Khan.

4. Smt. Aziz Khan, 5. Sh. Sunil Kumar Srivastava,

(Transferee)

(3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 206/17 Ga, measuring 7500 sq. ft. sintated at Deorhi Agha Mir, PS. Wazirganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4519/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-2-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1983

G.I.R. No. B-111/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 206/17 situated at Deorhi Agha Mir, P.S. Wazirganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Nawab Ali Khan Alias Gauhar Agha. (Transferor)

(2) 1. Sh. B. P. Halwasiya. 2. Smt. Sudha Longer.

3. Sh. Shafiqur Rehman Khan.

4. Smt. Aziz Khan.
5. Sh. Sunil Kumar Srivastava.

(Transferee)

(3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 206/17, measuring about 5569 sq. ft. situated at Deorhi Agha Mir, P.S. Wazirgani, Lucknow, and all that description of the propert which is mentioned in the sale deed and form No. 4520/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar. Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-2-83

Seal:

25-176GI/83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1983

G.J.R. No. B-JII/Acqn.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 206/17GA situated at Deorh Agha Mir, PS. Wazirganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sh. Mirza Ali Jafar.

(Transferor)

(2) 1. Sh. B. P. Halwasiya.

2. Smt. Sudha Longer. 3. Sh. Shafigur Rehman Khan,

4. Smt. Aziz Jehan.

5. Sh. Sunil Kumar Srivastava.

(Transferee)

(3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building known as House No. 206/17 Ga, measuring 2500 sq. ft. situated at Deorhi Agha Mir, P.S. Wazirganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4521/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Register. Lucknow. the Sub-Registrar, Lucknow,

> A. PRASAD Component Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Renge, Lucknow

Date: 14-2-83

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1983

G.I.R. No. B-113/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of House No. 206/17 situated at Deorhi Agha Mir, P.S. Wazirgani, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Khurseed Agha.

(Transferor)

(2) 1. Shri B. P. Halwasiya.

2, Smt. Sudha Longer.

3. Shri Shafiqur Rehman Khan.

4. Smt. Aziz Khan.

Shri Sunil Kumar Srivastava.

(3) Above Vendees.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 206/17, measuring about 5569 sq. ft. situated at Deorhi Agha Mir, P.S. Wazirganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4522/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-2-83

(1) Smt. Keshwar Johan

(Transferor)

(2) 1. Shri B. P. Halwasiya

Smil B, P. Halwasiya
 Smt. Sudha Longer
 Shri Shafigur Rehman Khan
 Smt. Aziz Khan
 Shri Sunil Kumar Srivastava

(Transferees)

(3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th February 1983

G. I. R. No B.-114/Acq.—Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 206/17 Ga situated at Deorhi, Agha Mir, PS.

Wazirganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 22-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 206/17GA, measuring 4500 sq. ft. situated at Deorhi Agha Mir, P. S. Wazirgani, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5351/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-2-1983

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) The Jawahar Nagar Co-operative Housing Society Ltd, Moradabad

(Transferor)

(2) Shri Brij Lal Dhawan

(Transferce)

(3) Above seller

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 16th March 1983

G. J. R. No. B-113.—Whereas, I, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 58 situated at Jawahar Nagar, Moradabad

No. Plot No. 58 situated at Jawahar Nagar, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad on 9-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

At open plot of land No. 58, measuring 49'-9" × 50'-8" sft situated at Jawahar Nagar, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5630, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Date: 16-3-1983.

FORM I,T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th May 1983

G. I. R. No. P-103/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 5 situated at Minto Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 8-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. Sushila Varshney 2. Shri Harsh Pal Varshney 3. Smt. Kanchan Varshney
- (Transferor)
 (2) The Prayag Upniveshan Avas Evam Nirman Sahkari
 Samiti Ltd., Allahabad.
 through its Secretary, Shri Sita Ram Pandey
 (Transferee)
- (3) Above vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 5 Minto Road, Allahabad and the land appurtenant to the house, total area—2645.49 sq. mtrs. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6808, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 8-11-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-5-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd May 1983

G. I. R. No. N-53/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Arazi Khasra No. 12 situated at Bhadewan near Tikaitnagar-Katalab, Alambagh, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Lucknow on 3-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. C. Dixit,
President, U. P. Rajya Vidut Parishad
Junior Engineer Sansthan,
Lucknow.

(Transferor)

(2) 1. Shri N. K. Arora2. Shri Anil Kumar Phanda

(Transferec)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi Khaara No. 12, measuring 9000 sq. ft, situated at Bhadewan near Tikaitnagar-ka-Talab, P. S. Alambagh, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4444/82, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 3-11-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 23-5-1983.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th June 1983

G. I. R. No. R-181/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 141 situated at Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 15-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated ni the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Lncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Chandra Kanta Bajpai

(Transferor)

- (2) 1. Ratnesh Kumar Singh
 2. Lolit Kumar Singh (Minor)
 through Guardian and Brother, Ratnesh Kumar
 Singh

 (Transferce)
- (3) Above seller,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 141, situated at Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4224, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-6-1983,

Scal.:

(1) Shri Chandra Mohan Pant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Jai Narain Mehrotra2. Shri Sudhir Narain Mehrotra.

(Transferee)

(3) Shri S. K. Mehra (Tenant), (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 21st May 1983

G.I.R. No. J-63/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.
Shop No. 44-D situated at 44-A, Civil Lines, Bareilly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 2-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A shop No. 44-D, measuring 71 sq. yards, situated at 44-A. Civil Lines, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2143/83, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 2-11-1982.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, rangely:--

Date: 21-5-1983

Seal:

26-176GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRATH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 15th June 1983

G.I.R. No R. 185 'Acq.—Whereas, I, ASHUTOSH

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Purani Point Chandausi Teh. Bilani Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandausi on 27-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) 1. 9ri Brijendra Kumar
 S/o Late Sahu Murarilal.
 2. Shri Rajendra Kumar
 S/o Late Sahu Murarilal.

(Transferor)

(2) Sri Rajeshwar Prasad S/o Sri B. Autar Smt. Ram Dulari D/o Shri Brahan Autar Sharma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

. House at Purani Point Chandausi, Tehsil Bilani Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Chandausi, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-6-1983

(1) Shri Indulal Ambalal Adalia & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajnikant S. Mehta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th June 1983

Ref. No. AR-II 3415/82-83.—Whereas, I, S. M. ABBAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

C.T.S. No. 757 situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ob, it or --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) familitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1281/ 81 and Registered with Sub-Registrar, Bombay on 18-11-1982,

> S. M. ABBAS ABIDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ib Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-6-1983.

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th March 1983

Ref. No. Acqn.R.-1/37EE/42/82-83.—Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 1, with basement and 2 still Garages situated at Rajul Building, 9 Harkness Road, Bombay-400 006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1982

form an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Rajech Enterprises

(Transferor)

(2) J. Chittaranjan & Company.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, with Basement and Two still Garages at Rajul Bldg., 9 Harkness Road, Bombay-400 006. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-1/28/82-83 dated 25-11-1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range-I, Bomba

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 11th March 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-I/37EE/55/82-83.—Whereas, 1, R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 22, 'Laxmi Mahal', Bomanji Petit Road, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the I.T. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-11-1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shri Umesh Chandra Chunilai Motla

(Transferor)

(2) Smt. Kanchenben Chunilal Mehta & Smt. Sujata Ashok Kumar Mehta.

(Transferee)

(3) Smt. Kanchenben Chunilal Mehta & Smt. Sujata Ashok Kumar Mehta.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 22, 'Laxmi Mahal'. Bomanji Petit Road, Bombay-400 036. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/31/82-83, dt. 25-11-1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-3-1983

FORM NO. I.T.N.S .-

(1) Mr. Shrichand Lokhramdas Raheja

(Transferor)

(2) Mrs. Renu Prakash Bijlani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY
Bombay, the 13th March 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-I/37EE/25/83-84.—Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Office Premises No. 308, 3rd floor, Jolly Bhavan No. 1, 10, New Marine Lines situated at Bombay-400 020

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the I.T. Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2 11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 308, 3rd floor, Jolly Bhavan No. 1, 10, New Marine Lines, Bombay-400 020. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ACQN. RANGE-I/18/82-83, dated 2-11-1982.

R. K. BAQAYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely....

Date: 13-3-1983

Scal

(1) Shri Niranjan K. Muni & Shri Hira N. Muut

(Fransferor)

(2) Shri Raju R. Shete and Smc lindira R. Shete

('mansferce)

(3) Shii Raju R. Shete

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 16th April 1983

Ref. No. ACQN.RANGE-I/37EE/38/82-83.-Whereas, I, R. K. BAQAYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the to as the sain Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Office Premises, Unit No. 911, Raheja Centre, 214, Nariman

Point situated at Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269B of the I.T. Act 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 25-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office Premises, Unit No. 911,, Raheja Centre, 214, Nirman Point Bombay-400 021. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, on 25-11-1982 under Serial No. ACQN. RANGE-I/37EE/25/82-83.

> R. K. BAQAYA, Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the spid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-4-1983

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd June 1983

Ref. No. 21/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 3974, situated at Anna Nagar, Madras-40 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1562/82) on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

(1) Sarya Narain, L-138, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) George Peter, No. 8, 3rd Avenue, Harrington Road, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

and the state of t

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immesable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 3974, Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 1562/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Date: 23-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd June 1983

Ref. No. 91/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 106, Mint Street, situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South, Madras (Doc. Nos. 3785, 3786/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to gay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

27---176GI/83

 Vandavanlal Govardhanlal, Pittia residing at Sultan Bazar, Hyderabad.

(2) Sree Chandraprabhu Maharaj Joonajain Mandir Trust,

345, Mint Street. Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 106, Mint Street, Sowcarpet, Madras-1. (Doc. Nos. 3785, 3786/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Date: 23-6-1983

Scal:

FORM ITN9--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Kashtri, Narayan, Lalgupta, 610, P.H. Road, Madras-29.

(2) A. G. Kuppusamy, 18, Pulla Avenue, Madras-30. (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd June 1983

Ref. No. 92/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No.

No. 611, P.H. Road, situated at Madras-29
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South, Madras (Doc. Nos. 3705, 3706/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in the said in the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(Land and building at No. 611, P.H. Road, Madras-29, Doc. Nos. 3705, 3706/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reasons, namely:—

Dato: 23-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd June 1983

Ref. No. 93/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1696, Anna Nagar, situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 1790/82)

on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) A. V. L. Narasimba Sasiry, 3/o Andhinarayan, 5, Ramawamy Pilai Street, Purasawalkam, Madras-84.

(Transferor)

(2) R. Subramaniam, 8/o R. Srinivasalu Naidu, 7, Ramaswamy Pillai Street, Furasawalkam, Madras-84.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 1696, Anna Nagar, Madras. Doc. No. 1790/82).

R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Date: 23-6-1983

Scal:

 Shri A. V. Venkatachalam S/o A. R. Venkataraman T. C. No. 8/2441, "Ranjana" P. T. P. Nagar, Tiruvandram-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri S. O. M. Nagarajan Kalathur village & Post, Ochari, N. A. Dist.

(Transferce)

GOYERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd June 1983

Ref. No. 94/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 4050, Anna Nagar situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1881/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 4050, Anna Nagar, Madras. (Doz. No. 1881/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 23rd June 1983

Ref. No. 95/Nov/82.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1609 situated at Anna Nagar, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Anna Nagar, Madras (Doc. No. 1727/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri M. Ramu Naidu
 S/o Appavoo Naidu
 Gangadeeswarar Koil Street,
 Purusawalkam,
 Madras-84.

(Transferor)

(2) Shri Priakant P. Shah S/o Popatlal G. Shah 8th Bishop Lane, Purasawalkam, Vepery, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 1609, Anna Nagar, Madras. (Doc. No. 1727/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 23-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Rcf. No. 12448.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Site No. 37 situated at Ramanathapuram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Combatore (Doc. No. 1301, 1302/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. Radhabai
 Ambika Lay out Siddapudur, Coimbatore.

(Transferor)

((2) Shri A. C. Varghese Lahthamma Varghese Ayvoo Khazhiyil, Pallathuputhan cavu Chengannur, Kerala State.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at SF 474, Ramanathapuram, Site No. 37, Coimbatore.
(Doc. No. 1301, 1302/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 20-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12452.--Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

No. SF 333 situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4777/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri V. R. Velumani 3, Krishnarayapuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. Commercial Investments 6/3, V. Palantswamy Naidu, St., Avinashi Road, Combatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at SF 333, Krishnarayapuram, Coimbatore. (Doc. 4777/82)

R. P. PJLLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 20-6-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICF UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri V. R. Velumani 3, Krishnarayapuram, Coimbatore.

(Transferor)

 Mopeds India Ltd.
 V. Palaniswamy Naidu St., Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12452.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing
SF. No 333, Krishnarayapuram situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. No. 4778/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubdication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at SF 333, Krishnarayapuram, Coimbatore. (Doc. 4778/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12452.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SF No. 333 situated at Krishnarayapuram, Coimbatore

SF No. 333 situated at Krishnarayapuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registoring Officer at Coimbatore (Doc. 4779/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the deduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

28-176GI/83

(1) Shri V. R. Velumani 3, Krishnarayapuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sree Narasimha Textiles 6/3, V. Palani;wamy Naidu St., Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at SF 333, Krishnatayapuram, Coimbatore. (Doc. No. 4779/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Medras 600 006

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref No. 12404.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 43, 44, Kavundampalayam situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram (Doc. 4162, 4163/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri P. Maragadam
 Jayamanl,
 Kavundampalayam,
 Coimbatore.

(Tra isferor)

(2) Br. Jose Payyapilly
Little Flower Minor Seminary
Coimbatore-11.

(T_ansferee);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 43, 44, Kavundampalayam. (Doc No. 4162, 4163/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12406.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 83, 86 situated at Gandhipuram (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhipuram (Doc. No. 4089, 4090, 4114/82) on Novem-

ber 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rajamani Chandra Sathya Enterprises 3/26, Anna Nagar, Ganapathy, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri P. Vinaja, L. Ponnuswamy, Thudiyalur to Kovilpalayam Road, Idikarai, Coimbatore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 83, 86, Ganapathy. (Doc. No. 4089, 4090, 4114/82)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12400.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. 14-C, Collector Sivakumar situated at St., K K Padur, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandhipuram (Doc. No. 4237, 4246/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri D. Krishnamurthy 19-C, Collector Sivakumar St., KK Pudur, Coimbatore.

(Transferor)

Shri V. P. Veer Singh
 161A, Teppakulam St.,
 Coimbatore.
 Mrs. K. Joyce Gunaseeli
 143, East Ramalingam Road,
 Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 14C, Collector Sivakumar St., Coimbatore. (Doc. No. 4237, 4246/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Ii
Madras-600 006

Date : 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri A. Mohammed Ali 29, Big St., Kizhpadi, Thulukkapalayam

(Transferor)

(2) Kumari S. Siyakamasundari D/o Subramanian Nethaji Road, Manjappakuppam, Cuddalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12428.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 119 situated at Kizhpattampakkam, Cuddalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellikuppam (Doc. 1944/82 on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at 119, Kizhpattampakkam, Nellikuppam. (Doc. No. 1944/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-6-1983

Shri A. Mohammed Ali
 Big St.,
 Kizhapadhi, Thulukkapalayam.

(Transferor)

(2) Shrimati J. Lalitha
 W/o Jagadeesan
 Nethaji Road, Manjakuppam,
 Cuddalore.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 42428.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 120/1, 2, 3, 4, 119 situated at Kizhpattampakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nellikuppam (Doc. No. 1958/82 on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 120/1, 2, 3, 4, 119, Kizhpattampakkant. (Doc. No. 1958/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri A. Mohammed Ali 29, Big St., Kizhbadhi, Thulukkapalayam,

(Transferor)

(2) Shri S. Jagadeesan S/o Swaminathan Angalamman Koil St., Manjakuppam, Cuddalore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref No. 12428.—Whereas, I, R. P. PILLAI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 109/1, 3, 4, 5, 6, 7 situated at 119 Kizhapattampakkum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellikuppam (Doc. No. 1959/82) on November 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PEXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 109/1, 3, 4, 5, 6, 7. 119 KizhPattampak-kam. (Doc. No. 1959/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12379.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

604/1, 605, 608, 607/1 situated at Kuniamuthur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4068/82 and 4069/82) in November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sayce Kesava Shanmughavel "Siva Priya", Thirugunanabandam Road, Race Course, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri S. Karuppuswamy, Shri S. Arumugham, Shri S. Vellingiri, Thottiam Thurai Thottam, Kunlamuthur.

(Tramferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as gives:
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 604/1, 605, 608, 607/1, Kuniamuthur. (Doc. No. 4068, 4069/82)

R. P. PILLAI
competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11,
Madras-600 006

Date: 20-6-1983 Seal:

Scal

_,===: =

FORM ITNS-

NOTICE UNITER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12379.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
TS 605,606,607/1 situated at Kuniamuthur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registeration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore (Doc. No. 4070/82) in November, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

 Shri Sayee Kesava Shanmughavel Siva Priya, Thirugnanasambandam Road, Race Course, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri Haji M. Haneefa Shrimati Ayisha Begam, Shrimati Shamsath Begam Shri Ajeethkhan Bhaskaran, Shri Shajit Hussain, Shri Jalaluddin, Mohd. Mustafa, Kunjamuthur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at T\$ 605, 606, 607/1, 608, Kuniamuthur. (Doc. No. 4070/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 20-6-1983

Seal:

29-176GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-6(+) 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12398.-Whereas, I.

R. P. PJLLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. TS 149/2, Pollachi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the offic of 'the Perivering Officer at Pollachi (Doc. No. 26531/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the ransferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by - the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri D. Subramanian Shri D. Kannan, Shri D. Kandaraja. Shri Rajarajasekaran, Shrimati Chiunathayi Hamsaveni, Shrimati Padmavathi, 91, Coimbatore Road, Pollachi.

(Transferor)

(2) Shrimati N Reni 54B, Thiruguanasambandam St., Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 149/2, Pollachi. (Doc. No. 2651/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 20th June 1983

Ref. No. 12398 .- Whereas, I · R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. TS 149/2, situated at Pollachi

described in the Schedule annexed (and more fully hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Pollachi (Doc. 2650/82) on Novermber 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concesiment of any income or any meneys or other assets which have not been ec which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) D. Subramanian, D. Kannan, D. Kandaraja Rajasekaran Kamsaveni Padmavati, Chinnathayi 91, Coimbatore Road, Pollachi.

(Transferor)

(2) P. N. Arumugham, A26, Kamaraj Road, Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said increasable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 149/2, Pollachi (Doc. 2650/82)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge-II, Madras-600006.

Date: 20-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 20th June 1983

Ref. No. 12405.—Whereas, IR. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R.j. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 364, situated at Kavundampalayam

(and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Gaudhipuram (Doc 4103, 4104/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kali Kavunder S/o Nanjappa Gr. Idayapalayam, Coimbatore, 25.

(Transferor)

(2) N. K. Sundaram N. K. Balasubramanian Kamala Sundaram N. K. Kamala Balasubramanain Site 3, 4, Allagesan Road, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 364, Kavundampalayam (Doc. 4103, 4104/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge-II, Madras-600006.

Date: 20-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 20th June 1983

Ref No. 12454.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. S. 369/1,2,3,4, 370/3, 363/4 situated at Kallagurichi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chinnasalem (Doc. 2425, 2426/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 B. Ranganathan S/o Bangaru Chettiar
 V. Kandaswamy S/o Varadappa Grounder Chinna Salem, Kallakurichi

(Transferor)

(2) N. Kamalammal Rathinam C/o K. Narayanan Salem-2, Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A.t., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 36/1, 2, 3, 4, 370/8, 363/4, Chinna Salem Kallagurichi. (Doc. 2425, 2426/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge-II, Madras-600006.

Date: 20-6-1983.

TV Devarajan & Krishnammal 57, Theradi St., Thiruppapuliyur Cuddalore-2.

(Transferc

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T.R. Dakshinamurthy R. Krishnamurthy T. R. Viswanathan,

T. Rajasundaramudaliar, 60, Seetharam Nagar, Cuddalore.1

(Transfere

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600006

Madras-600006, the 20th June 1983

Ref No. 10061 .--- Whereas, I

R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Seetharaman Nagar, situated at Pudupalayam, No. 56,

Cuddalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Cuddalore (Doc. 1607/82-Item Nos. 374, 375, 376/82) on

November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said prope may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this not in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said imme able property within 45 days from the date of i publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as giin that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 56, Seetharam Nagar, Pudupalayan Cuddaloro

(Doc. 1607/82-Item Nos. 374, 375, 376/82,

R. P. PILL Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-II, Madras-600000

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 20-6-1983.

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 20th June 1983

ef No. 12386.-Whereas, I . PILLAI

g the Competent Authority under Section 269B of the -tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to he 'said Act') have reason to believe that the immovproperty, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing TS 10/595, 598/1, 2,3,situated at 596/1, 2,3,597/1,2,3,

hnarayapuram

nnarayapuram
i more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of the compared to the Registration Act, 1908 (16 of the compared to the consideration which is less than the fair st value of the aforesaid property and I have reason to the the consideration therefor by more than the apparent consideration therefor by more than the consideration therefor the consideration therefor the consideration therefore the consideration that the consideration therefore the consideration the consideration therefore the consideration theref n per cent of such apparent consideration and that the ideration for such transfer as agreed to between the 3 has not been truly stated in the said instrument of fer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subon (1) of Section 269D of the said Act, to the following ons, namely:-

- (1) M. Vijayalakshmi, M. Rajagopal, Sivasubramanian, M. Rajendran Usha Suda 175/1, 175/A, Adis St. Coimbatore. 18 S'vakumar, Malika. Malathi, Hariharan, Aruna, Deepa, 34A, 38A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore.
- (2) P. M. Murthy, 217, Gandhipuram 6th St., Counbatore, 12.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 10/595,598/1,2,3, 596/1,2,3, 597/,1,2,3. Krishnarayapuram. (Doc. 4956/82)

> R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge-II, Madras-600006.

Date: 20-6-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 20th June 1983

Ref No. 12386.-Whereas I R. P. PILLAI

being the Compostent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing No. TS 10/595, 598/1, 2, 3, 596, 596/1, 2, 3, 597/, 2, 3,

situated at Krishnarayapuram

situated at Krishnarayapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at-Coimbatore (Doc. 4954/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely : -

(1) M. Vijayalakshmi,

M. Rajagopal,

M. Sivasubramanian,

M. Rajendran

R. Usha.

R Suda 175/A, 175/1, Adis St. Coimbatore-18. Sivakumar, Malika, Malathi, Hariharan, Aruna, Deepa, 34-A, 38A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) R. Lakshmanan, 73, 11th St., Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 10/595, 598/1, 2, 3, 596, 596/1, 2, 3, 597/ 1, 2, 3, Krishnarayapuram.

(Doc. 4954/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge-II, Madras-600006.

Date: 20-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 20th June 1983

Ref. No. 12386.—Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. TS 10/595, 598/1, 2, 3, 596/1, 2, 3, 597/1, 2, 3, Situated at Krishnarayapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Colmbatore (Doc. 4955/82) on November, 1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 30--176GI/83

(1) M. Vijayalakshmi, M. Rajagopal,

M. Sivasubramanian, M. Rajendran

R. Usha, M. Suda 175/1, 175/A, Adis St., Coimbatore-18. Siyal-umar, Mallika, Malathi, Hariharan, Aruna, Deepa, 34A, 38A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) SP. Alagappan, 79, Gandhipuram 8th St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS No. 10/595, 598/1, 2, 3, 596/1, 2, 3, 597/ 1, 2, 3, Krishnarayapuram.

(Doc. No. 4955/82)

R. P. PILLAÌ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Renge-II, Madras-600006.

Date: 20-6-1983.

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11

Madras-600006, the 20th June 1983

Ref No. 12386.—Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 10/595,598/1,2,3, 596 596/1,2,3 , 597/1,2,3, Situated at Krishnarayapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer
Officer at Caoimbatore (Doc. 4957/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the habity of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

M. Vijayalakshmi, M. Rajagopal, Sivasubramanian, M. Rajendian Usha Suda 175/1, 175/A, Adis St. Coimbatore. 18 Siyakumar, Mallik Malathi, Hariharan, Aruna Aruna Deepa, 34A, 38A, Dr. Nanjappa Road, Coimbatore. (Transferor)

(2) R. Chinnappa 15, Gandhipuram II St., Coimbatore. 12

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 10/595, 598/1,2,3, 596/1,2,3, 597/1,2,3, Krishnarayapuram. (Doc No. 4957/82)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-



Date: 20-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

Madras-600006, the 20th June 1983

Rcf No. 12386 .- Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
TS 10/595,598/1,23, 596/1,2,3, 597/1,2,3,

Stuated at Krishnarayapuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore (Doc. 4958/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M. Vijavalakshmi, Rajagopal, Sivasubramanian, Rajendran, Mrs. Usha Mrs. Suda 175 A 175/1 Adis St., Coimbatore-18, Sivakumar, Malika, Malathi, Hariharan, Aruna, Deepa, 34A, 38A, Dr. Nanjappa Road, Colmbatore 18 Road, Colmbatore-18. (Transferor)

(2) S. Sathiyamurthy, 100, Gandhipuram III St., Coimbatore. 12 (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 10/595, 598/1,2,3, 596/1,2,3, 597/1,2,3, Krishnarayapuram (Doc. No. 4958/82)

> R. P. PIII AI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Renge-II, Madras-600006.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 B of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 20-6-1983.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 1784.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, Chandrasekaran St., situated at Raja Annamalaipuram, Madras-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 1450/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 R. T. Rajan Ambulu Ammal,
 Chandrasekaran St., Raja Annamalalpuram, Madras-28.

(Transferor)

(2) A. Ananthalakshmi Ammal, 23, Sundararajan St., Abiramapuram, Madias-18.

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 13, Chandrasekaran St., Madras-28, (Doc. 1450/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 1-7-83 **Seal:**

(1) Allied Electronics Manufacturing Co., 156, Thambu Chesty St., Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. P. S. Apparels, 586, Mount Road, Madras-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17840.-Whereas, I, R. P. PILLAI, Ref. No. 17840.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe, that the improvable property having a fair market value exceeding 1 s. 25,000/- and bearing No. RS 84/1-C, 95 AC, situated at Velacherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Saidapet (Doc. 4436/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tenefor with the chieft of of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same neaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at RS 84/1-C, 95/AC, Velacherry, Saidapet. (Doc. 4436/82)

> R. P. PILLAI Compeent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 1-7-83

 M. S. Rama Mohan Rao, 27, Tilak St, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 S. Manjula, 19, Babu Rajendra Prasad St., Madras-33.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17822.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aad bearing No.

3, B.N. Reddy Road, situated at Madras-17

3, B.N. Reddy Road, situated at Madias-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at T. Nagai (Doc. 1998/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has the been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 3, B. N. Reddy Road, Madras-17. (Doc. 1998/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-7-83

FORM I.T.N.S .--

(1) S. D. Ramamurthy Reddy & others, 14, 12, Iswaran Koil St. Madras-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

•

(2) P. Mariadoos, 9A M K. Reddy St, West Tambaram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th June 1983

Ref. No. 17818.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

10, Gopal St., situated at Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

T. Nagar (Doc. 1922/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than then per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA* of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 10, Gopal St., Madras-17. (Doc. 1922/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 29-6-1983

(1) K. Ekambaram, K. Dhanasekaran, 3, Baroda II Lane, Madras-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Loganathan, 2, Ari Gowder Road, Madras-33.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17855.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12, Raju Naicken St., situated at Madras-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4551, 4552/82 on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 12, Raju Naicken St., Madras-33. (Doc. 4551, 4552/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,)
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 1-7-83 Seal:

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006. Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17831.-Whereas, 1 R P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 36, Subramaniam St., situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thousandlights (Doc. 818/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--31-176GI/83

(1) L. A. A. N. Alagappan, AL. Lakshmanan AL. Narayanan, AL. Srinivasan, AL. Premkumar, AL. Nandakumar, 36, Subramaniam St., Madras-18

(Transferor)

(2) Dhanalakshmi, Thandavaraya Mudah St., Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and and building at 36, Subramaniam St. Madras-18. (Doc. 818/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,) Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 1-7-83 Scal:

GOVERNMENT OF INDIA

•

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17847.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 109, Puliyur Madras-24 situated at TS 7/5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rodambakkam (Doc. 4716/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

 P. C. Leelavathy, 109, Puliyur Village, Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) V. Varadharajan, 48, Moosa Sait St., Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 7/5, 109, Puliyur, Madras-24. (Doc. 4716/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 1-7-83 Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17787.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9A, Venkateswara Nagar, situated at Madras-87 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam (Doc. 1222/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. M. Haneefa 19, Shaik Dawood St., Madras-14.

(Transferor)

(2) P. I. Subramania Iyer, Western House, Thiroor (P.O.) Malayunnathukara, Trichur Kerala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 9A, Venkateswara Nagar Madras-87. (Doc. 1222/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Dato: 1-7-83

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17781,-Whereas, J R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 4903/2, situated at GN Chetty Road, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 3402, 3403, 3404/82) on November 1982

for an apparent consideration which i lsses than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Bhaskar S. Patel. Aakur Enterprise, 43, Godown St., Madras-1.

(Transferor)

C. N. Raghwaman,
 C. N. Shekar,
 C. N. Shankaran,

5. Babu Rajendraprasad Road, Madras-33.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (Undivided share) at TS 4903/2 G. N. Chetty Road. Madras-17.

(Doc. 3402, 3403, 3404/82)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 1-7-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17877.-Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, III Canal Cross Road, situated at Gandhinagar, Adyar, Madias-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 335/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (4b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:—

 Mrs. K. Neelambal,
 HI Canal Cross Road, Gandhinagar, Adyar, Madras20.

(Transferor)

(2) FeroseA. Sayced, 4, III Canal, Closs Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, III Canal Cross Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Doc. 335/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 1-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) T. K. Ravi, C 596, 53rd St., Madras-83.

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjahan, 10, 92nd St., Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17865.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C 596, 53rd St., situated at Madras-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kodambakkam (Doc. 4682/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and building at C 596, 53rd St., Ashok Nagar, Madras-83.

(Doc. 4682/82)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-83

Shri P. B. Vanchy Iyer,
 Zackria Colony I St.,
 Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) Shri Ameen Abbas Hussain 7. P. V. lyer St., Madras-1.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th June 1983

Ref. No. 17864.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1, Zackria Colony 1 St., situated at Kodambakkam,

Madras-24

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4681/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 1, Zackria Colony I St., Madras-24 (Doc. 4681/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 29-6-83

(1) M/S. Mohammed Ali Jinnah, 35, Damodara St., Madras-17.

(Transferor)

(2) P. V Emmanual, 74, Usman Road, Madras-17.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-

able property within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17821.—Whereas, I R. P. PILLAl being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

35, Damodara St., situated at Madras17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 1983/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building at 35, Damodaian St., Madras-17. (Doc. 1983/82)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madrus-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Slni A. S. Krishnamurthy A. K. Piabhakar, A. K. Padma, A. K. Usha, A52, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferor)

(2) Shri A. Vijayaraghavan 23, North Gangaiamman Koil St., Madras-26.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17783.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value caceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 47/4, Saligramam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Virugambakkam (Doc. 1159/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building TS 47/4, Saligramam (Doc. 1159/82)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

32-176GI/83

Date: 1-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17880.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 65#4, Mount Road, Madrag-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 373/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anandavalli Radhakrishnan 26, Sambasivam St., Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri M. A. Ponnuswamy, P. Baburaj Rajasekaran P. Rajaram, 192, Mount Road Madras-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 65/1, Mount Road, Madras-32 (Doc. 373/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 1-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17814.—Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. RS 47, Kuppiah Chetty stuated at St., Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras North (Doc. 3331/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri C. K. Satyabama, C. K. Nagarajan C. K. Subbarao, 22, Thillaigana Nagar, Madras-61.

(Transferor)

(2) Shri Asan Ebrahim, 8, Muktha Unnisa-Begam S I Lane, Madras-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS 47, Kuppiah Chetty St., Madaras 33. (Doc. 3311/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-7-83

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17771.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at Nerkundram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras South (Doc. 3900/82)

on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Agt, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, _ 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'sald Act' is the following persons, namely:---

- (1) Shri A. Raghava Ramakrishna, A. Sitara A. Lakshara, 3 ,8th Cross St., Mandavalipakkam, Madras-28
- (2) Shri G. Chitti Babu, President Selliamman Koil Co-op. House Site Society, 133, Palaniappa Nagar, Madras-87.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nerkundram (Doc. 3900/82)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 1-7-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17856.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 32 ,I Main Road, Telepost situated at Colony, Madras-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Kodambakkam (Doc. 4567/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Ethirajulu
 I Main Road, Telepost Colony Madras-33.

(Transferor)

(2) Shri S. Penchala Reddy 23, Ramakrishnapuram II St., Madras-33. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32, I Main Road, Telepost Colony, Madras-33. (Doc. 4567/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 1-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 06, the 30th June 1983

Ref. No. 17764.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2, East Abiramapuram II St., stuated at Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore (Doc. 1420/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Panneerselvam
 Jl St. East Abiramapuram, Madras-4.

(Transferor)

(2) Shri M. Chandrasekar 69, Dr. Rangachari Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 2, East Abiramapuram, II St., Madras-4 (Doc. 1420/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II, Madras-600 006.

Date: 30-6-1983

FORM I.T.N.S.—

 Shri Chandra, Saradapandian
 Madanagopal, 17, Beracah Road, Madras-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Lakshmi Devi Gupta
 Kadash Devi Gupta
 1, Basni Water Works St., Madras-1

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-600 006, the 1st July 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 17798.—Whereas, I R. P. PILLAI,

EVPLANATION: The terms and evaragion used herein

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 62, Medavakkam Tank Road situated at Secretariat Colony, Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Purasawalkam (Doc. 2046/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and compound wall at 62, Medvakkam Tank Road, Secretariat Colony, Madras-10. (Doc. 2046/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1983

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri R. Appadurai A Subramani, A. Selvaraj 22, Sheik Dawood St., Royapettah Madras-14.

(Transferor)

(2) M. M. Hanifa, 19, Sheik Dawood St., Royapottha Madras-14.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17762.—Whereas, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 22, Sheik Dawood St., situated at Royapettah Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Triplicane (Doc. 919/82 on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 22, Sheik Dawood St., Royapettah Madras (Doc. 919/82)

R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 1-7-1983

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st July 1983

Ref. No. 17772.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 7176/1, 2, situated at T. Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 3898/82)

on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
33—176GI/83

(1) Shri Chandulal B. Parikh & others 12, Jagadambal St., Madras-600 017.

(2) Shri Vinaykumar C. Parikh 12, Jagadambal St., Madras-17. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land TS 7176/1, 2 Madras-17 (Doc. 3898/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II, Madras-600 006.

Date: 1-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17788.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot Nos. 119, 120, situated at Valasarawakkam RS No.

161/1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Varugambakkam (Doc. 1047/82) on November for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Shambu Prasad 53, B. N. Reddy Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s. Nivaram Pharma (P) Ltd. 15, V. G. Mudali St., Madras-34.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at Plot Nos., 119, 120, RS. No. 161/1, Valasarawakkam (Doc. 1047/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 1-7-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17766.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8, If St., situated at Ganopathy Colony, Madras-6. (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Mylapore (Doc. 1409/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. Ramu F-76, Anna Nagar, (Near Chinthamani) Madras-600 040

(Transferor)

(2) R. Veeramani, Mrs. Rajammal, 8, II St., Ganapathy Colony Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 8, St., Ganapathy Colony, Madras-6 (Doc. 1409/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 1-7-1983. Seal:

DOHI

(1) Ranganayaki Ammal W/o. Chennippan Gandhinagar, Udumalpet.

(Transferor)

(2) R. Shanmughasundaram, R. Khannan,

R. Venkatachalapathy Big Bazar St., Coimbatore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 4th July 1983

Ref. No. 12414.—Whereas, I,

Ref. No. 12414.—whereas, 4,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and
Rs. 25,000/- and
Rs. 25,000/- and

No. 11/C 38, KV Ramaswamy Iyer situated at St, Gandhinagar, Udumalpet

(and more fully described in the Schedule annexed herto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering at Udumalpet (Doc. 2616/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at 11/C38, KV Rameswamy Iyer St Gandhinagar, Udumalpet (Doc. 2616/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 4-7-1983. Seal:

(1) Dr. K. Prabhakar 9, Sannadhi St., Madras-29.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. Dhanalakshmi 310, Poonamallee High Road, Madras-29.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17854.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 4, Puliyur, situated at Kodambakkam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 4612/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 4, Puliyur, Kodambakkam (Doc. 4612/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-1887,
Acquisition Range-II, Madras-600 000.

Date: 1-7-1983.

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) T. Rangrup Chordia Shoba, 96, Poes Gardens

Madras-86.

(1) Pushparani, 94, Poes Gardens,

Madras-86.

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No 17826.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and

No. 94, Poes Gardens, situated at Madras-86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 o. 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights (Doc. 885/82) on November 1982
for an apparent consideration which is less han the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such appaient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 94, Poes Gardens, Madras-86 (Doc. 885/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date . 1-7-1983. Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) M. G. Krishnan, Ramachandran 32, East Andar St., Trichy-2

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) K. Krishnamurthy
 Venkatanarayana Road, Madras-17.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17777.—Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to elieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 6734, 3, Hindi Prachar Sabha situated at Road, Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 3650/82) on November 1982 for an apparent consideration which Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 3, Hindi Prachar Sabha St. Madras-17 (Doc. 3650/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1983.

FORM !TNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17834.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7, Masilamani Mudaliar II St., situated at Balasubramanian Colony, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Thusandlights (Doc. 810/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

 S. Lakshmanan,
 Masilamani Mudaliar II St., Balasubramanian Colony,
 Madras-4

(Transferor)

(2) C. Suscela, 9, Nimmo Road Santhome Madras-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 7, Masilamani Mudaliar II St., Bala-subramanian Colony, Madras-4 (Doc. 810/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 1-7-1983, Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17866.—Whereas, J.

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 6, Plot B-229, situated at Kodambakkam-Pudur Part I Scheme

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Kodambakkam (Doc 4594/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

34-176GI/83

- (1) S. Ramaswamy, Iyer, Anaimalai Pollachi Tk
- (2) N. Kunchithapatham, 14A (SP) Industrial Estate, Mad1as-32.

(Transferor)

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 6, Plot No. B 229, Kodambakkam Pudur Part I Scheme (Doc. 4594/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 1-7-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17878,—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. TS 4, 7th Cross St., situated at Shastri Nagar, Madras-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 340/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) MAS Jeddy, 13, B-104, 7th Cross St., Shastri Nagar, Madrus-20.

(Transferor)

(2) AR Nagappan, 95, Abiramapuram 4th St., Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 4, 7th Cross St., Shastri Nagar Madras-20 (Doc. 340/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 1-7-1983.

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 29th June 1983

Ref. No. 17778.—Whereas I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10, Gopal St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 3654/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) SD Rammamoorthi Reddy and others 14, 12, Iswaran Koil St., Madrus-33

(Transferor)

(2) P. Mariadoss 9A MK Reddy St. East Tambaram

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 10, Gopal St., Madras-17 (Doc. 3654/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 29-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 29th June 1983

Ref. No. 17804.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
No. 37, I St., Secretariat situated at Colony, Madras-10
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Purasawalkam (Doc. 2107/82) on November 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) D. Lakshmi Bai, Secretariat Colony 37, I St., Madras-10,

(Transferor)

(2) G. Steepathi Chetty 7, Ramakrishna St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 37., Secretariat Colony, Madras-10 (Doc. 2107/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 29-6-1983.

Soal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) CR Rama Rao 177, Lake View Road, Madras-33.

(Transferor)

(2) Mariya Aiysha, 8 Muktha Unnisa Begam, I Lane Madras-2.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 1st July 1983

Ref. No. 17812.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. TS 47, Kuppiah Chetty St., situated at Madras-33
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Madras North (Doc. 3315/82) on November, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at TS 47, Kuppiah Chetty St., Madras-33 (Doc. 3315/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 30th June 1983

Ref. No. 17813.-Whereas I, R P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the

mmovable property, having a fan market value exceeding Rs 25,000/- and bearing
No 224/4, 233, Injanibakkam, situated at Saidapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc 3313/82) on November 1982

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Rajaram & Co 18, Abbu Naicken St, Madras-34.

(Transferor)

(2) S Ekambaram and Mrs E. Vijayalakshmi, AH/16, MIG Block, Shanthi Colony Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 224/4, 233, Injumbakkam, Saidapet (Doc. 3313/ 82)

> R P PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

30-6-1983. Date Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 1st July 1983

Ref. No. 17829.—Whereas, J

R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, Josier St., stuated at Dr. Thirumurthy Nagar Madras-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Thousandlights (Doc. 847/82) on November 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

(1) K. Saraswathi 10, Josier St., Dr. Thirumurthy Nagar Madras-34

(Transferor)

(2) N. Suryanarayan 29, Puliyur II Main Road, Trustpuram, Madras. 24

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Josef St., Dr. Thirumurthy Nagar, Madras-34. (Doc. No. 847/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Seal:

Date: 1-7-1983.

(1) Damodaran Venkatachalpathy 7, Second Cross St., U.I. Colony Madras.24

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Bhaskar, Mallaya Pettah, Rajahmurday AP

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006 the 1st July 1983

Ref. No. 17850.—Whereas I

R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 62/1 Puliyur situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Officer at Kodambakkam (Doc. 4785/82) on November 82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at TS 62/1, Puliyur (Doc, 4785/82)

> R. P. PILLAI COMPETENT AUTHORITY, (Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.) Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 1-7-1983.

(1) V. Seshamma 20, Lake First Closs St, Madras. 34.

(Transferor)

 Mrs. Soundarya
 Hindi Prachai Sabha Road, Madins. 17

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 30th May 1985

Ref. No. 17672.—Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RS, 590/5, situated at Nungambakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 869, 870/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov: able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at RS 590/5, Nungambakkam. (Doc. 869,870/82)

COMPETE IT AUTHORITY,
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Madray-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—
35—176GI/83

Date .: 30-5-1983

(1) Smt. Kanchana and Sri S. Damodaran No. B/60 Subramania Nagar, Salem-5

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri R. Shanmugasundarammal No. 60 Adam Saheb Street, Rayapuram, Madras-13

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IJ

Madras-600006, the 23rd May 1983

Ref. No. 1/Nov/82.—Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at Vacant Land R. S. No. 3894 of Thondar-

pet, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rayapuram (Doc. No. 1599/82) on November 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the officer of the registration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions usd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land R.S. No. 3894/ of Thondiarpet, Madras (Doc. No. 1599/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

Madras-600006, the 23rd May 1983

Ref. No. 3/Nov/82.—Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 7, situated at Thiru Narayana Avenue, Kilpauk Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc No. 1443/82)
On Nov. 82
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri R. B. Singh Budhraja S/o Shri Amir Singh 3 B Montieth Court 15 Montieth Road Egmore, Madras-8

(Transferor)

 Mrs Leela Ravindranath W/o Shri P. Ravindaranath
 Appavoo Avenue, Mandapam Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peirod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Biuling -Flat No. 7 at Thiru Narayana Avenue Kilpauk, Madras-1/24 shere in the land Doc. No 1443/82.

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 23-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 28th May 1983

Ref No. 7/Nov/82.—Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Situated at 59 Rundalls Road Veplry, Madras-7. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 1489/82) on Nov. 1982.

Officer at Periamet (Doc. No. 1489/82) on Nov. 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infreen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Prem chand S/o P. G. Saranyan
 Sylvan Lodge Colony Kelpak
 Madras-10

(Transferor)

(2) Sri Vepery Swctamber Murthi Pujak Jain Sangh 27 E. V. K. Sampa the Road, Vepery, Madras-7

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 59 Rundalls Road, Vepery, Madras-7 (Doc. No. 1489/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 28-5-1983

36 Pachiappas Hostel Road, Kilpauk, Madras

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sr. Shahul Hameed Forayatha Kadai Street, Nagore, Thanjavur Dt.

(1) Mrs. Sumathi Cittaranjan,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 23rd May 1983

Ref. No. 9/Nov/82.—Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 216 situated at Flat No. 331 Pantheon Road, Egmore,

Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 3376/82) on Nov 82 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 331 Pantheon Road Egmore Madras (Doc No. 3376/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 23-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.

Madras-600006, the 30th May 1983

Ref No. 11/Nov/82.—Whereas, I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. sinated at 103 & 104 Linghy Chetti Street, Muthialpet,

Madras-1

Madias-I (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer Madras-North (Doc No. 3429/82) on Nov 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweenthe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Sri P. S. Rajkumar Sri P. S. Chandrasekaran Smt. Bagylakashmi Smt. Vijayalakshmi Smt. Kanakalakshmi Smt. Sugunalakshmi Smt. Seethalakshmi Smt. Rajalakashmi No. 6 Vidyalaya East Main Road T. Nagar, Madras-17

(2) Bismillah Trush. 106 Linghy Chetti Street, Madras-1

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 103 and 104 Linghy Chetti Madras-1 (Doc No. 3429/82) Street.

> R. P. PJI LAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date .: 30-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

Madras-600006, the 23rd May 1983

Ref No. 12/Nov/82.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. situated at

No. 85 Achaiappan Street, Madras-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras-North (Doc. No. 3448/82) on Nov 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P. Balasundaram, Sri P. Padmanabhan
 Sri P. Krishnamurthy
 Shri P. Sankaran
 Sri P. S. Samiullah
 Raghavan Colony Vadapalani, Madras-26

(Transferor)

(2) Shri P. S. Amanullah Shri P.S. Svanullah Sri P. S. Samilulahh Sri P. S. Hidayathullah Sri P. S. Samiullah's No. 35 Chinnathumbi Street Madras-1

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 85 Acharappa Street, Madras-1. (Doc. No. 3448/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 23-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 2nd June 1983

Ref. No. 13/Nov/82.—Whereas I R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule Situated at 19 Millars Road Kilpauk Madras-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras-North (Doc. No. 3472/82) on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri J. Suryaprakasa Rao
Sri J. Venkateswara Rao
Sri J. Parthasarathy
Sri J Ram Rao
Sons of Shri Lakataninarayana No. 55 Orms
Road. Kilpauk Madras-10

(Transferor)

(2) Dr. P. M. Rex No. 15 Jones Street Mannady, Madras-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 19 Millars Road, Kilpauk, Madras-10 (Doc. No. 3472/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-6-1983

Scal:

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 14/Nov/82.—Whereus, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at 13 Ayyappa Mudali Street, Sowcarpet,

Madras-1

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) i nthe office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 3574/82) on Nov 1982.

at Madras North (Doc. 3574/82) on Nov 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. K. V. Mohanambal W/o Late K. S. Venugopal 18, 1st Street, Zackiia Colony, Kodambakkam, Madras-24,

(Transferor)

(2) Smt. Bijay Kawar
 W/o Sri Sumerchand Bhandari,
 Oswal Jain,
 20 Frulappan Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforead persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely:—

THE SCHEDULE

Land and building 13 Ayya Mudali Street, Sowcarpet, Madras-1, (Doc. No. 3574/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 23-5-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 15/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at 50 Bunder Street, G. T. Madras-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras-North (Doc. No. 3221/82) on Nov 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely:—

 Smt. S. Jayarathnamma_ W/o Sri Soorichetti Govindaraulu Chetti No. 8 Kasi Chetty Lane, Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri Surendra S/o Soorchetty Govindarauluj Chetty 44/186 Prakash Nagar Kurnool, Andhra Pradesh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of 'his retice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 50 Bunder Street, G. T. Madras-1. (Doc. No. 3221/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Madras-600 006.

Date: 23-5-1983

Seal ;

FORM NO. I.T.N.S.—

.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 17/Nov/82.---Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at 32 Thottikkalai Kumarappa Mudali Street, Choolui, Madras-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 3322/82) on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (h) facilitating the reduction or evasion of the Baolity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :--

- (1) Sri T. Natesamudaliar. 32 Thottikkalai Kumarappa Mudali Street, Madras-7,
- (2) Sri M. A. Mohamed Ali S/o Sri K. M. Abdul Razack 3/67, Nattammai Street, Karaipakkam, Enangudi Post, Nannilam Tk., Thanjavur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 32 Thottikkalai Kumarappa Mudali Strect, Madras-7 (Doc. No. 3322/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 23-5-1983

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri G. B. Doraiswamy 159 Santhome High Road, Madras-4.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kousalya A. J. 17 Annanagar, Madras-40.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, MADRAS

Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 18/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1437 situated at Villivakkam Village, Annanagar, Madras-40.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritnagar (Doc. No. 1725/82) on Nov 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arsining from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transftree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land Plot No. 1437 Villivakkam Village, Annanagar, Madras-40.
(Doc. No. 1725/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely:—

Date: 23-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006 Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 20/Nov/82.--Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 1090 Madras-40. situated at Mullam Village, Annanagar,

Madras-40. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagar (Doc. No. 1782/82) on Nov., 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the offerend property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Vedamurthy 3121, A. H. 70 Annanagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Agarwal Plot No. 3362-A1, Annanagar. Madras-40.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE Vacant land Plot No. 1090 Mullam Village, Annanagar, Madras-40. (Doc. No. 1782/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 23-5-1983

(1) Shri K. Sudarsan S/o Shri P. Kulyanasundaram No. 9 Burkit Road, T. Nagar. Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 22/Nov/82.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4444 situated at Mulfam Village,, Annanagar,

Madras-40.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Annanagar (Doc No. 1580/82) on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri A. Sripathy Udupa S/o Shri A. Anantha Udupa 20, 8th Cross Street, West Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 4444 Mullam Village Anna Nagar, Madras-40. (Doc. No. 1580/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 23-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 23/Nov/82,-Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No, M. I. G. Flat No. 33 situafed at Annanagar, Naduvak-

kurai Village, Madias, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagai (Doc. No. 1589/82) on Nov., 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

believe that the fau market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shri A. Chadrasekaran S/o Shri A. M. Gupta A. H. 63 Annanagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mrs. M. Jayaseely W/o Maria Joseph, A. H. 252, Annanagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

M. J. G. Flat No. 33 Anna Nagar, Madras-40 (Doc. No. 1589/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date: 23-5-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006 Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 24/Nov/82.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'asid Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 1950 situated at Annanagar Scheme, Madras,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Annanagar (Doc. No. 1699/82) on Nov., 1982.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Shri G. Jothilingak
 S/o Shri V. R. Gajaraja Mudaliar,
 24/D Krishna Nagar,
 Office Line, Vellore.

(Transferor)

(2) Mrs. Ambujavalli W/o Dr. Vipasi No. 3 Chellammal St., Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building plot No. 1950 Annanagar Scheme, Madras.
(Doc. No. 1699/82).

R. P. PILI AI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006,

Date: 23-5-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 25/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 3665A situated at Mullan Village, Anna Nagar

Scheme, Madras-40.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Annanagar (Doc. No. 1834/82) on Nov., 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Austin Chritopher Furtado 1/H Ritherdon Road,

(Transferor)

(2) Shri N. Vijayalakshmi D/o Shri N. Natarajan 12A Chamier's Road, Nandanam, Madras-35.

Veppery. Madras-7.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building '3665 A. Mullam Village, Annanagar Scheme Madras-40. (Doc. No. 1834/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006,

Date: 23-5-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri P. N. Shanmuga Sundaram Smt. Santha Lakshmi Sri M. Indu Sekhar Sri P. N. Vivekanandan
Sri P. V. Meyyappan
M/s. P. N. Vivekanandam
Plot No. 1, 22nd Street, Extension
Thilmi Ganganagar Pazhavanthangal, Madras-61.

(2) Mrs. Hamsa Kumari 9 Peddu Naicken Str

Madras-1

Peddu Nalcken Street,

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006 Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 26/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

30 situated at Bashyakaralu Naidu Street, Kondithop, Madras.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcrapet (Doc. No. 486/82) on Nov., 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 30 Bashyakaralu Naidu Street, Kondithop Madas. (Doc. No. 486/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Madras-600 006.

Date: 23-5-1983

Shri T. Krishnan New No. 7, Nambulier Street, Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 23rd May 1983

Ref. No. 30/Nov/82.--Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
7 situated at Nambulier St., Peddunaichenpet, VOC
Nagar, George Town, Madras-1.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sowcarpet (Doc. No. 494/82) on Nov., 1982.
tor an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Mrs. Fulavanthi Devi Jhabak, 35. Ariyalur Muthaiah Mudali Street, Madras-1. Mrs. Meena Devi Jhabak, 35, Lawyer Chinnathambi St,

Madras-1. Mrs. Chandra Devi Jhabak, 10, Subbaraya Pillai Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCREDULE

Land and building 7 Nambulier Street, George Town, Madras-1. (Doc. No. 494/82),

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 23-5-1983 Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

Shii Ramachandran Shri C. Jayachandran Shri C. Kanakavel & Shri C. Kathiryel, 35, South Car Street, Virudhunagar.

Transferor(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 23td May 1983

(2) Shi P. Sukumar Shri P. Krishnamuthy Smt. P. Sujathamma Shri P. Balachandran Smt. P. Malleswari 134, Annapillai Street, Madras-1.

Transferec(s)

Ref. No. 32/Nov/82.—Whereas, f, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

134 situated at Anna Pillai Strect, Madua-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 504/82) on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

sowcarpet (Doc. No. 304/82) of Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 134 Anna Pillai Street, Madras-1. (Doc. No. 504/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 23-5-1983

Scal:

(1) M/s Jeevan Lal Ltd., Co. 3, Brabourne Road, Calcutta-700001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sundaram Tobaccos P.O. Box No. 77 Guntur-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 24th May 1983

Ref. No. 33/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Door No. 6 & 7 G.A. Road, Madras-21 & 15

Thandavaraya Gramani St. Madras-81

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rayapuram (Doc. No. 1658-82) on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 6 & 7 G. A. Road, Madras-21 and Door No. 15. Thabdavaraya Gramani Street, Madras-81 (Doc. No. 1658/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 24-5-83

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th May 1983

Ref. No. 34/Nov /82.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Door Nos. 6 & 7 G.A. Road, Madras-21 & 15 Thandavaraya Gramani St. Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rayapuram (Doc. No. 165/82) on Nov 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely:

- (1) M/s Jeevan Lal Ltd. Co.
 No. 23 Brabourne Road,
 Calcutta-700001.
 Branch. Office No. 6, G. A. Road, Madras-21.
 (Transferor)
- (2) M/s. Polisetty Somasundaram (P) Limited P.O. Box No. 99 Guntur-522001.
 Branch Office, No. 6 G.A. Road, Madras-21.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 6 & 7 G. A. Road, Madras-21 and Door No. 15 Thandavaraya Gramani Street, Madras-81 (Doc. No. 1653/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date:30-5-83

 Smt. V. Narayani Ammal W/o Sri Sri V. S. Krishna Nayar Smt. V. K. Thangam W/o Sri Bas Karan Seerangapalayam Road, Salem Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri E. Srinivasan S/o Sri Ethirajulu Chettiar, Ammapet Main Road, Salem Town.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st May 1983

Ref. No. 37/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAl being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at 48, Seerangapalayam, Komaraswamy Patti, Salem

Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 3774/82) on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building 48 Seerangapalayam Road, Komaraswamy Patti Salem Town (Doc. No. 3774/82).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-5-83

Seal

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 31st May 1983

Ref. No. 48 Nov/82.—Whereas, I. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at 8 Gandhi Nagar, Subbaraman Road, Thallakulam, Madurai

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thallakulam (Doc. Nos. 5204/82, 5205/82 & 5219/82 on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Samuel Jhon Asivatham Seo Sri Arulanandam Samuel Kunju Chettiar Stores Compound Parvathipuram, Musiri, Trichi Dt.

(Transferor)

(2) Smt. K. Kasturi Sri M. Kathiresan No. 3 Sangeetha Vinayagar Koil Theru, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building No. 8 Gandhi Nagar, Subburaman Road, Madurai (Doc. Nos. 5204/82, 5205/82 & 5219/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th May 1983

Ref. No. 49/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. situated at Plot No. 35 Door No. 17 Vallabhai Road, Chokki-

kulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam (Doc. No. 5212/82 on Nov 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Miss Annu Susan Mathew
D/o Smt. Lalitha Mathew,
Door No. 67/3-B Lavelle Road, Bangalore
Pin-560001.

2) Sri S. Annamalai

Managing Director, M/s. Pandiyan Chemicals Limited, 41 Besant Road, Chokkikulam, Madurai-2.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transfereo for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building Plot No. 35 Door No. 17 Vallabhai Road, Chokkikulam, Madurai (Doc. No. 5212/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

38-176GI/83

Date: 30-5-83

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st May 1983

Ref. No. 63/Nov/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at No. 6 Balagurunathan Street, Natham (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Natham (Doc. 1734/82) on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Inian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri S. Subramaniam
S. o Suntharamaier
10B Barathiar Road, Narimedu,
Mathurai-2.
Sri Balaganapathi
S o Varatharajaier
Dr. N-6, 4B Kaval Nilaya West Street.

(Transferor)

(2) Dr. S. Nagammal M.B. B.S., W/o A. Rajamanickam Natham, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 6 Balagurunathau Street, Natham, Madurai, (Doc. No. 1734/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 31-5-83

Seel:

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st May 1983

Ref. No. 67 Nov, 82.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S No. 373 & 396 situated at Megamalai Village Chinnamannur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chinnamannum (Loc. No. 2751/52 & 2752 82) on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri P. Sankalya Thevar
 Sri P. Avudaiyappa Thevar
 Sri S. Pandithevar
 Kamapatti Nadu Theru
 Kodikulam Village
 Sri Villiputhur Tk
 Ramanathapurum Dt

(Transferor)

Minor A. S. Athiban
 Father and guardian Sri A. Subash
 Chandra Bose, Dream Castle, Shield Road,
 Sivakasi, Rammad Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Megamalai Chinnamannur T. S. No. 373 & 396 (Doc. No. 2751/82 & 2752/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 31-5-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri G. Padmanabhan and others Door No. 27 Mettu Theru Agraharam Lane, Salem Town.

(Transferor)

(2) Shri A. B. Sudarsanam, s/o A. R. Balakrishnan Chettiar, Door, No. 36 Sankar Nagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st May 1983

Ref. No. 74/Nov/82,--Wherens I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the sam Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Salem B Block 30 T.S. No. 39/2 & 39/3, situated at Salem Town, Salem (Doc. No. 3917/82)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Novemer, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land building in T.S. No. 39/2 & 39/3 Block 30 Salem Town (Doc. No. 3917/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L Madras-600 006

Date: 31-5-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st May 1983

Ref. No. 78/NJV/82.—Wereas lh, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 156/5, 156/6, 156/7, 156/8, situated at Pallapatti, Salem Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 2633/82)

on November 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. Rathinavel Sri S. Narayanavel s/o Sri M. Shanmugam, Meyyanur Road, Pallappatti, Salem.

(Transferor)

(2) Sri S. Manickam, s/o Sri Sengoda Gounder, Pallappatti, Mannarpalayam, Salem Tk. Salem.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land S. No. 156/5, 156/6, 156/7 & 156/8 Pallappattl Village Salem. (Doc. No. 2633/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd June 1983

Ref. No. 73/Nov/82.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

T. S. No. 89, situated at Ward 'L' Block 4 Salem Town, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 3896, 3897, 3898, 3899, 3900, 3901/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to ray tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri M. Thandavan
Shri T. Periyaswamy s/o Sri Thandavam
Shri T. Rejan s/o Sri Thandavam,
Minor Senthilkumar s/o Sri T. Rajan
Sri T. Jayakumar s/o Sri T. Thandavan
Sri T. Vidyasekaran s/o Sri Thandavan
Minor Lak.hminarayanan s/o Sri Jayakumar
Minor Gokulnath s/o Sri Jayakumar
Minor Gokulnath
Rajajinagar, Fairlands,
Salem-4.

(Transferor)

(2) Sri R. Narayana Chettiar s/o N. B. Radhakrishnan Chettiar, 132 Syed Amir Saheb Street, Salem-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building T.S. No. 89, Ward 'L' Block 4 Salem Town (Doc. Nos. 3898, 3899, 3896, 3897, 3900 & 3901/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 2-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006,

Maras-600 006, the 28th May 1983

Rcf No 87/Nov, 82—Whereas I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 situated at Kiliyur Village Yercaud (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Pegistering Officer at Yercaud (Doc No. 385/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hiability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sti Periyaswamy
s/o Sti Muthu Kali Gounder
Sri P Siyataman
s/o Perumal Gounder
Kuta'nathan Village
Salem Tk, Salem.

(Transferor)

(2) St. N. Dhatmalingam s/o Natasa Gounder, Vanavasi Village Kattu Valavu, Mettur Tk, Salem Dt.

(Tronsferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

6 Acres of land in S. No. 30/6-A in 11—Kiliyur Village, Yercaud (Doc. No. 385/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 28-5-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd June 1983

Ref. No. 75/Nov/82.—Whereas I, R. P. PILLAl being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereluafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 11

situated at Ward Iqbal Nadutheru, Kadayanallur,

Tirunelveli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadayanallur (Doc. Nos. 2582/82, 2583/82 & 2577/82) on November, 1982

on November, 1902 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Mr. Syed Majced s/o Mr. S. Abdul Sahim Saheb, Kadayanallur. Mr. P. N. M. Mohammed Yussuff s/o Mr. P. N. Mohideen Pichai, Pulivankudi.

(Transferor)

(2) Mr. P. N. M. Sahul Hameed s/o Mohideen Pitchai Mr. Mohammed Ibrahim s/o Mohideen Pitchal, Puliyankudi Jinnanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land 11 ward, Iqbal Nadu Theru, Kadayannilur. (Doc. No. 2582/82, 2583/82 & 2577/82).

R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 2-6-1983

on November 1982

39-176GI/83

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI-FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADR 45-600 006

Madras-600 006, the 2nd June 1983

Ref. No. 75/Nov/82—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 situated at Ward Iqbal Nadutheru, Kadayanallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Kadayanalur (Doc. No. 2594 82) (Hem Nos. 173/82 & 174/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Syed Majeed s/o
Mr. S. Abdul Rahim Saheb,
Kadayanallur.
Mr. P. N. M. Mohammed Yussuff s/o
Mr. P. N. Mohideen Pichai,
Pulivankudi.

(Transferor)

(2) Mı, Hajamohideen s/o Mr, Hassan Pakkir, Jinna Nagai, Puliankudi.

(Transferec)

Ob ctions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land 11 ward Iqbal Nalu Theru, Kadayanallur, Tirunelyeli (Doc. No. 2594/82-

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 2-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INGOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd June 1983

No. 75/Nov/82.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11 situated at ward Iqbal Nadu Theru, Kadayanallur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadayanallur (Doc. Nos. 2576/82 & 2578/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which the consideration for the consideration and that the consideration for which the consideration for the consideration consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely ;--

(1) Mr. Syed Majced s/o Mr. S. Abdul Rahim Saheb, Alli Mooppan Theru, Kadayanallur. Mr. Mohemmed Yussuff s/o Mr. Mohideen Pichai Puliyankudi

(Transferor)

(2) Mr. Abdul Rahim 8/0 Mr. Mohemmed Abubakkar Jinnanagar 1st Theru, Puliyankudi, Kadayanallur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land 11 Ward Iqbal Nadu Theru, Kadayanallur, Tiruneveli (Doc. No. 2576/82 & 2578/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 2-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd June 1983

Ref. No. 75/Nov/82.--Wheteas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing situated at 11 Ward Iqual Nadutheru, Kadayanallur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadayanallur (Doc. Nos. 2584/82 & 2588/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Syed Majerd s/o Mr. S. Abdul Rahim, Kadayanallur. Mr. P. N. M. Mohammed Yussuff s/o Mr. Mohideen Pichai, (Transferor)

(2) Sankaranarayanan s/o Thuumalaivel Karaiyalar, Punnaipuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land 11 ward Iqbal Nadu Thoru, Kadayanallur (Doc. No. 2584/82 & 2588/82).

> R. P. PULLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd June 1983

Ref. No. 75/Nov/82.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. vacant land

situated at 11th Ward Iqbal Nadu Theru, Kadayanallur, Tirunelveli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadayanallur (Doc. No. 2585/82, 2587/82 & 2596/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mr. Syed Majeed s/o S. Abdul Rahim Saheb, Kadayanallur.
 - M. Yusuf s/o Shaid Mr. P. N. Mohideen Pichai, Puliyankudi.

(Transferor)

(2) Mr. Mohemmed Hussain Mr. Nohemmed Miran sons of Maideen Vavapannaiyar, Pulivankudi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms, and expressions used herein as pre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land 11 ward fqbal Nadu Theru, Kadayanallur, Tirunelveli (Doc. No. 2585/82, 2587/82 & 2596/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 2-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd June 1983

Rct. No. 75/Nov/82.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. vacant land situated at Ward ii. Iqbal Nadu Theru, Kadayanallur, Titu-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kadayanallur (2574/82, 2593/82, 2575/82 & 2586/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Mr. Syed Majeed s/o S. Abdul Rahim Saheb, Kadayanallur.
 - 2. Mr. P. N. M. Monammed Yussuf s/o Mr. P. N. Mohideen Pichai Puliyankudı.

(Transferor)

(2) Mr. Meeran s/o Mr. A. Sahul Hamced, Kadayanallur. Mr. Mohammed Yussuf s/o Sahul Hamced Culiyankudi. Mr. Niam Avuliya s/o Srì Abdul Kasim, Puliyankudi. Karaiyalar 8/0 Sri Ananji Karaiyalar, Punnaipuram.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land Ward 11, Iqbal Nadu Theru, Kadaiyanallur, Tirunelyeli (Doc. Nos. 2574/82, 2593/82, 2575/82 & 2586/82.

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Date: 2-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12385.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

situated at Gandhipuram, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. 5138,82) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) R. Govnadarajulu Naidu 1, Dispensary Road, Peelamedu, Coimbatore.

(Transferor)

(2) P. V. Doraiswamy, Lalitha, 47, Padakuthurai, Sirumugai, Mettupalayam, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S.F. No. 467, Velankurichi, Gandhipuram, Coimbatore (Doc. 5138/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 20-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 20th June 1983

Ref. No. 10038.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.

33. Thiruppapuliyur, situated at Cuddalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been (transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Cuddalore (Doc. 1796/82)

on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. Nagarathinam
 North Andar St., Teppakulam, Trichy.

(Transferor)

R. Kamalam Ammal,
 A.L.C. Campus, Pudupalayam,
 Cuddalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 33, Thiruppapuliyur Cuddalore. (Doc. 1796/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12382.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/2A, Ponniahrajapuram, situated at Rajammal Lay out, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5069/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transefree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) B. Thayammal, 32/2A, Rajammal Lay out, Pountahrajapuram, Coimbatore,

(Transferor)

(2) K. Kamalani, 32/2A, Rajammal Lay out, Ponniahrajapuram, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 32-2A, Ponniahvajapuram Rajammal Lay out, Coimbatore. (Doc. 5069-82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 20th June 1983

Ref No. 17811.—Whereas J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. 35, Rattaimal St., situated at Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc 3331/82) & (Doc 3330/82) on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any incommentating from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) N. T. Chandramouli Saraveswaran Devasigamani Mudali St, Lakshmipuram, Madras-14

(Transferor)

(2) Chelliah Pillai Ramanathan 35, N. S. B. Road, Trichy.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 35, Rattaimal St., Trichy. (Doc. 3330, 3331/82).

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Lacome-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---40—176G1/83

Date: 20-6-1983

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Thayyanayaki
 Pera Naidu Lay out,
 Saibaba Mission (PO)
 Coimbatore,

(2) T. Vijnyalal.shmi, w/o N. Thiagarajan 7, Alagesan Road, Coimbatore. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12376.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the In one-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS \$\infty\$85/7, situated at Telungupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4107/82)

on November 1982
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforcsaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 12/85/7, Telungupalayam, (Doc. 4107/82)

R. P. PILLAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-II,
Madras-600 006

Date: 20-6-1983

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ramu Achari 25, Periaswamy Road, RS Puram.

34, Venkataswamy Road,

(1) Krishnaswamy,

Coimbatore.

(Transferor)

Coimbatore.

(Iransferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

12390.--Whereas I, R. P. PILLAI, Ref. No. Ref. No 12390.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 8/316P, situated at West Venkutaswam, Road, Combatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

situated at West Venkintaswam, Road, Combatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5046/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at TS 8/316P, West Venkataswamy Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. 5046/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dute: 20-6-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 10037.—Whereas I, R, P PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.
TS 111, Vadavur, Thennur, situated at Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Trichy (Doc. 2912/82)

on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) N. Rajalakshmi

N. Subramanian, N. Elango,
N. Rajendran, N. Anbu, N. Senthan,
N. Anandan, N. Adivanan, Thenmozhi,
5, Ramnagar, Thilleinagar,
Trichy.

(Transf-101)

(2) K. L. Alagappan, B3, I Cross St., Thillainagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 111, Vadavur, Thennur, Trichy. (Doc. 2912/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date : 20 6-1983

(1) A. R. Busheer Aharand Sait, Heera Villa, Kandal, Ooty.

(Transferor)

(2) P. K. Karunakaran, P. K. Balakrishnan, Sivarama Nilayam, Bandisholai,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12458.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1941 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

15, 15A, Heera Villa, situated at Kandal, Ooty

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Romantic annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Oty (Doc. 771/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect on the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land and building at 15, 15A, Heera Villa, Kandal, (Doc. 771/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 20-6-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 17841.--Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

35, Saravana Mudah St., situated at Madras-17 can't more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfer ed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 3778/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe

that the fair market value of the property as aforesaid that the late market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been retuly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. Kittabai 1224, Bobili Raja Road, K. K. Nagar, Madras-78.

(2) P. L. Narayanan, 51, Habibullah Road, Madras-17.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 35. Saravana Mudali St., Madras-17. (Doc. 3778/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Janta: 20-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)*

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE-II,

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12449.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 1101, 1109, situated at New TS No. 5/960, Oppanakara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4739/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair 12449.—Whereas I, R. P. PILLAI, Ref. No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) C. V. Buphal Chettiar P. Sathyanarayanan, P. Surayanarayanan, P. Sreepathi, P. Sureshbabu,

Krishnan Koil St., Ramakrishnapuram,

(Transferor)

(2) E. A. Ismail 15, R. R. Lay out, M. T. P. Road, Coimbatore-641 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17/178, Oppanakara St., Coimbatore. (Doc. 4739/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-6-1983

(1) C. S. Natarajan, D.C.T.O. Coimbanore.

(Transferor)

(2) Jayanthi Shanmugjamathan, Plot 57E, Maria Susainager, Vannarapalayam, Cuddalore.

(Fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 10060.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 1162, Maria Susainagar, situated at Vannarapalayam,

Cuddalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore (Doc 1556/82), on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and ther the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sad linstrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ter-Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot 57, Maria susainagur, Vannarapalayam, Cuddalore.

(Doc. 15556/82.)

R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aboressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:-

Date: 20-6-1983.

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12381.--Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS. No. 3/1590 (Komarapalayam situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Coimbatore (Doc. 5067/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----41-176/83

(1) Nanjappa Gr. N. Ramakrishnan. N. Vasudevan, N. Sukumaran, 92, Telungu Brahmin St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) R. Prama, 248A, Sullivan St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 3/1590, Komarapalayam. (Doc. 5067/82.)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-6-1983,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12378.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

SF 223, Komarapalayam, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 4094/82), on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) P. Balan, 351, Oppanakara St., Colmbatore.

(2) S. Rajagopal, V. S. Chellappa, 32/148. Subbiah Mudaliar St., Combatore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at SF 223, Komarapalayam, Coimbatore. (Doc. 4094/82.)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 20-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12407.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable respective that the property house of the property that the immovable respective that the immovable respective that the immovable respective them. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Sirumugai, Mettupalayam, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. 2171 82) on November, 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaiexceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Thirumalai Chettiar, Sowdeswari Hotel, Ooty Main Road, Mettupalayam,

(Transferor)

(2) Saraswathy Kamarajnagar, Chikkadasampalayam, Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the Late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 25 days from the diffe of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Sirumugai, Mettupalayam. (Doc. 2171/82).

R. P. PILLAI

Inspecting

Competent Authority of Income-tax Madras-600 006

Date: 20-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 17820.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Vaidyarama Iyer Street, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1906 (16 of 1908) in the office of the Recistering Officer at T. Nagar (Doc. 1975/82) on November, 1922 (16 of apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the section of the said instrument of transfer with the object of the section of the said instrument of transfer with the object of the section and the said instrument of transfer with the object of the section of the said instrument of transfer with the object of the section of the section of the said instrument of transfer with the object of the section of the section

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

V. Rathna Bai,
 Vaindyarama Iyer Street,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) M.Shanmugham, S/o Muthiah Ambalam, Sundhanavoor, Adamboor, Avudiarkoil, Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Vaidyarama Iyer Street, Madras-17. (Doc. 1975/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-6-1983.

(1) Arokiaraj Muthappa, Olapporth St., Pondicherry.

(Transferor)

(2) Anniepaul Sakuntala, 78A, Lalbahadur Shastri St., Pondy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 10027.--Wherens, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 75/2, situated at Savurirayanlu St., Pondy (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondy (Doc. 2842/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land and building at 75/2, Savuri rayalu St., Pondicherry. (Doc. 2842/82).

R. P. PILLAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-6-1983.

Kaja Mohideen,
 Nehruji Road, Villuupuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Southern Agrrifuranc Industries, Madras.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 10035.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 20/4, situated at V. Mudality (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Villupuram (Doc. 2483/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 20/4, V. Mudality, (Doc .2483/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 17825.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10, Mangaduswamy Iyer Street, situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 783/82)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 1-fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 C. Balachandran & others, 10, Mangaduswamy Iyer Street, Madras-34.

(Transferor)

N. Thamu,
 11, Karpagambal Nagar,
 Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 10, Mangaduswamy Iyer Street, Madras-34.
(Doc.783/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-6-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVÈRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 10046.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35, 36, 37, 37B, 38, situated at Mutt. St., Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. 2249/82), on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the gransfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Halima Bivi, Pallivasol St., Vadakarai, Mayıladurai.

(Transferor)

(2) Haji Mohammed, 210, Pallivasal St., Athur, Maviladurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 35, 36, 37, 37B, 38, Mutt St., Kumbakonam.
(Doc. 2249/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-6-1983.

Scal:

(1) Malleswari Textiles, Old Fort Aranmanai Periyar Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) International Child Welfare Service, Kotagiri, Nilgiris.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 10049.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Manavasi, Kulithalsi situated at Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur (Doc. 1203/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Manavasi, Krishnarayapuram, Karur, (Doc. 1203/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—42—176GI/83

Date: 20-6-1983,

Soul :

FORM I.T.N.S,----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

V. Santha, 19, Raja Nagar Colony, Peria Naickenpalayam, Coimbatore.

(Transferor)

 C. Ramaswamy, 38B. III St., Saibaba Colony, Coimbatore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 12403.—Whereas, J, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 275/1, 275/2, 280 situated at Sanganur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Gandhipuram (Doc. 4175/82) on November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 275/1, 275/2, 280, Sanganur (Doc. 4175/82),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-6-1983,

Scal:

Savithri,
 31/5, Salai Road, Uraiyur Trichy.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) E. Jabbarkhan, E. Akbar Khan,
 E. Mahboobkhan, E. Raja Mohindeen,
 A/3, I Main Road, Ramalinganagar, Trichy.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 20th June 1983

Ref. No. 10032.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 27, Thiruthanthoni situated at Road, Thamalavarubayam, Uraiyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at at Trichy (Doc. 2724/82), on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27, Thiruthanthoni Road, Uraiyur, (Doc. 2724/82),

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 20-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 20th June 1983

Ref. No. 17876.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 40, Eighty Feet Road, situated at Kotturpuram, Madras-85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adyar (Doc. 329/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a seed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. V. Narayanan, 9, Eighty Feet Road, Madras-85.

(Transferor)

(2) Nilgiris Hotels and Properties (P.) Ltd., Rayala Building, 781, Mount Road, Madras-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 40, Eighty Feet Road, Kotturpuram, Madras-85.

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madnas-600 006.

Date: 20-6-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 20th June 1983

Ref. No. 12401.—Whereas, I R. B. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27, Tatabad 9th St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 4178/82) on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Annapoorni Venkatram,

E. V. Meenakshi E. V. Parvathi, E. V. Mangalam,

E. V. Savithri, E. V. Lakshmi, E. V. Lalitha, 27/103, Sivasuoramanuam Road, RS Puram, Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) V. Indrani,

27, Tatabad 9th St., Coimbatore-641012.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undervigued :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27, 9th St., Tatabad, Coimbatore. (Doc. 4178/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 20-6-83

Scal :

 Ammasai Gounder S/o Kahappa G1. Maniakara Palayam, Ganapathy Coimbatore Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Jagan Nayaki W/o R. Sampath, 20B, Ansari St., Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 20th June 1983

Ref. No. 12402.—Whereas, I R. P. PILLAl being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 119, situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering officer at

Gandhipuram, (Doc. 4176/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 119, Sanganur. (Doc. 4176/82)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 20-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 20th June 1983

Ref. No. 12393.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

28/187, 187A, Raja St., situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 5039/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) N. K. Balasubramania Chettiar, 187, Raja St., Colmbatore.

(Transferor)

(2) B. Krishnan 187, Raja St., Coimbatore.

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/187, 187A, Raja St., Colmbatore. (Doc. 5039/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tau
Acquisition Range-II
. Madras-600 006,

Date: 20-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 20th June 1983

Ref. No. 10063.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 673, Sekkalaikottai situated at Karaikudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Karaikudi (Doc. 1840/82) on November 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M. Sathammai
 51, 5th St., New Town Church, Karaikudi.
- (2) TVS Kadarkarai Vadivel Murugan & Sons 9, Vellakuadar St., Karaikudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 673, Sekkalaikottai, Karaikudi. (Doc. 1840/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 20-6-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 20th June 1983

Ref. No. 12380.-Whereas, I, R. P. PILLAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. TS 12/20, 23, 51, 57 situated at Telungupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3895/82) on November 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-uax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

43---176GL 83

- (1) Santhamani (Alias) Mani, 26/36, Chinnavadanpatti Lane, Coimbatore. (Transferor)
- (2) Jaishiee Rajan, 57, T.V.S. Nagar, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 12/20, 23, 51, 57, Telungupalayam, Coimbatore, (Doc 3895/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 20-6-83

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE II CALCUTTA

Calcutta, the 2nd July 1983

Ref No AC-14/Acq R-11/Cal/83 84 -Whereas, I, M AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No 5, Mordecai Lane situated at PS Dum Dum, Dist 24 Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1978 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Cossipore on 29-11-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Mis Marie Mordecai

(Transferor)

1

(2) Miss Seema Modecai of 6, Short Street Calcutta (2) Mordecai (o operative Housing Society Limited 14/9 Dun Dum Road Calcutta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ale 1 = 9 Bighas 15 Cottahs 4 Chitt.cks Address-5, Mordecai Lane, P S Dum Dum, Dist 24-Pargs

Deed No =10992 dated 29-11-1982

M AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dae Seal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ananta Kumar Barman, 43, Monmatha Datta Road, Calcutta-37

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lake-Corner Co-op Hsg Society Ltd. P-134, Block-'Λ' Lake-Town Cal-89

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGL-II, CALCUTTA

Calcutta, the 27th June 1983

Ref. No AC-12 R-II/Cal/83-84 -- Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-

and bearing No P-134, Block-'A' Lake-town, situated at P. S. Lake-town, Cal. 89

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer t R. A. Calcutta on 25-11-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area: 4k. 5ch 8 sft. (v.cant) being premises No. P-134, Block-'A' PS Lake-town, Calcutta-89 More particularly described in deed No. 10148 of R.A. Cal. of November, 1982

M. AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IJ Calcuita.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date : 27-6-83

(1) Sri Haradhan Chatterjee 18/5, Madhusudan Biswas Lane, P.S. & Dist. Howrah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Smt. Bela Paul w/o Sri Sailendra Kumar Paul of—as above. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 27th June 1983

Ref. No. AC-35Acqn.R-IV/Cal/83-84.--Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

18/5 situated at Madhusudan Biswas Lanc, P.S. & Dist

Howrah

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Howrah on 29-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 3 Cottahs 13 Chattaks 8 Sq. Ft. (3.82 Cottahs) with Building. Address: 18/5, adhusudan Biswas Lane, P.S. & Dist. Howrah, Deed No. 6695 of 1982.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 1st July 1983

Ret No AC 13/AC.R-II/CAL/83-84.--Whereas, I M. $\triangle HMAD$

teing the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding is. 25,000/- and beauing No.

No. 34/4D. Gupta Lane

sanated at P.S. Cossipore, Calcutta-50 and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Cossipore on 2-11-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Smt. Pratima Pal of 34/1 Barrackpore Truk Road, Calcutta 700 002

(Transferor)

Sri Shymal Dutta 2. Smt. Anuradha Dutta both residing in 34/4 D. Gupta Lane, Calcutta 700 050

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Area: 2 Cottahs 12 Chittaks 3 Sqf of land with two storied building being No. 34/4 D. Gupta Lane, P. S. Cossipore, Calcutta-50. More particularly described in deed No. 10295 of November 1982 of S.R. Cossipore.

M. AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 1-7-83

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd June 1983

Ref. No. A. P. No./4418.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Muktsai on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sita Ram S/o Lachhman Dass R/o House No. 344, Gali Nathu Ram, Muktsar. (Transferor)
- (2) Shrimati Sharanjit Kaur W/o Charanjit Singh, Goldsmith, Shop No. 3790, Saddar Bazar, Muktsar.
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop No. 3790 (P) situated in Saddar Bazar, Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2796 of December, 1982 of the registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-6-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd June 1983

Ref. No. A. P. No/4419.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of Muktear on Ian. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfas agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Sita Ram S/o Lachhman Dass R/o House No. 344, Gali Nathu Ram, Muktsar. (Transferor)

(2) Shri Charanjit Singh S/o Nazar Singh Goldsmith, Chop No. 3790, Saddai Bazar. Muktsar.

(Transfilee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FYPI NATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giv n in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop No. 3790 (P) situated in Saddar Bazar, Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 2996 of January, 1983 of the Registe Lip Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competen Author to
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lilandher.

Date : 23-6-1983,

두] .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 23rd June 1983

Ref. No. A. P. No/4420.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Muktsar
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
at Muktsar on Dec. 1982
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

perty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Dwarki Devi Wd/o Mali Ram through Sh. O. P. Gupta S/o Mehar Chand r/o 10/17, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Kulbushan, Sukhdev Kumar, Suresh Kumar Ss/o Siri Ram C/o M/s. Siri Ram Gummani Ram, Subzi Mandi, Sadar Bazar, Muktsar.

(3) As S. No. 2 above. (Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop situated in Saddar Bazar, Muktsar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2662 of December, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. I GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 23rd June 1983

Ref. No. A. P. No./4421.—Whereas, I. J. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

44---176GT/83

 Shrimati Dwarki Devi Wd/o Mali Ram through Sh. O. P. Gupta S/o Mehar Chand r/o 10/17, West Patel Nagar, New Delhi.

(2) Shri Harish Chander, Satish Kumar Ss/o Raghubir Chand. Bhatia, C/o M/s. Siri Ran Gummani Ram, Subzi Mandi, Sadar Bazar, Muktsar.

(Transfereo)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop situated in Saddar Bazar, Muktsar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2663 of December, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 23-6-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st July 1983

Ref. No. A. P. No./4422.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajan Agrish S/o Chander Parkash near DAV College, G. T. Road, Jalandhar through Sh. Chander Parkash S/o Sohan Lai, G.A. (Transferor)
- (2) Shri Amarjit Singh S/o Kartar Singh R/o 577, Preet Nagar, Sodal Road, Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated near Preet Nagar, Sodal Road, Jalaudhar and parsons as mentioned in the registration sale deed No. 5538 of November, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 1-7-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 1st July 1983

Ref. No. A. P. No./4423.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), has e reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₅ 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on November, 1982

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajan Agrish S/o Chander Parkash r/o near DAV College, G. T. Read, Jalandhar through Sn. Chander Parkash S/o Sohan Lal, G.A. (Transferor)
- (2) Shri Kuilip Singh S/o Kartar Singh R/o 209, Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House situated near Preet Nagar, Sodal Road, Islandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No 5539 persons, 1982 or the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 1-7-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th July 1983

Ref. No. A. P. No./4424.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as 'per schedule situated at Basti Sheikh, Jalandhar (and section).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandnar on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair

marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Mohinder Singh S/o Gujar Singh, Self & G.A. of Sh. Arjan Singh, Kartar Singh, Ajit Singh & Sucha Singh Ss/o Gujar Singh, r/o Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) 1. Surrinder Kumar & Sanjay Malhotra Ss/o Chaman Lal

 - Ss/o Chaman Lai
 r/o W. R. 90, Basti Sheikh, Jalandhar
 2. Karnail Singh S/o Surmekh Singh
 r/o 3528, Model House Chowk, Jalandhar.
 3. Ajay Kumar Malhotra S/o Raj Kumar,
 N. D. 39, Bikram Pura, Jalandhar.
 4. Smt. Harbhajan Kaur W/o Amrik Singh
 - r/o 176L, Model Town, Jalandhar. Amar Pal S/o Hans Raj & Smt. Shakuntla, Rani W/o Chaman Lal r/o Phagwara.
 - 6. Kamal Kishore S/o Hari Parkash r/o Danna Mandi, Nawan Sheher,
 - 7. Smt. Kamlesh W/o Subhash Chander C/o Subhash Book Depot, Jalandhar,

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in Basti Sheikh, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5478 of November, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th July 1983

Ref. No. A. P. No./4425.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lamewable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jalandhar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Dalbir Singh S/o Joginder Singh and Paramjit Kaur D/o Joginder Singh through G.A. Smt. Darshan Kaur Wd/o Joginder Singh r/o V. Gurah, Teh. Nakodar, Distt. Jalandhar.
- (2) Shrimati Sharda Bansal W/o Balvinder Singh C/o M/s Sukhram Dass Satian Parkash.
 7-New Grain Market, Sangrur.

(3) As S. No. 2 above.

(Transfer∞)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration deed No. 5252 of November, 82 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43° OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th July 1983

Ref. No. A. P. No./4426.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at

V. Kingra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any

(1) Shit Delbu Singh S/o Joginder Singh and Paramjit Kaur D/o Joginder Singh through Earl. Dathian Kaur Wd/o Joginder Singh r/o V. Guiah, Teh. Nakodar, Distr. Jalandhar.

(Transferor) (2) Shrimati Avınash Kaur W/o Sarbjit Sıngh

Sohal r/o 627, Model Town, Jalandhar

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property land situated in V. Kingra and persons as me 1tioned in the registration sale deed No. 5571 of November, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oersons, namely:-

Date: 4-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th July 1983

Ref. No. A P. No./4427.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar on Nev. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dalbir Singh S/o Joginder Singh and Paramit Kaur D/o Joginder Singh through G.A. Smt. Darshan Kaur Wd/o Joginder S ngh 1/o V. Gurah, 1en. Nakodar, Distt. J.dandher.

(Transferor)

(2) Sheimati Beant Kaur W/o Jaskaran Singh and Jaskaran Singh S/o Mohinder Singh r/o 144, Lajpat Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registration sale deed No. 5382 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1983

Ref. No. A. P. No./4430.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Nov. 1982

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following pergons, namely:

(1) Shri Ram Sarup S/o Sh. Bhagat Ram R/o Mehli Gate, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sarwan Singh S/o Sh. Gurdial Singh Vill. Rahana Jattan Teh. Phagwara.

(3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person in occupation of the property)
(Person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1891 of Nov. 1982 of the Registering Authoas mentioned in the Registration rity, Phagwara.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-7-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1983

Ref. No. A. P. No./4431 & 4432.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, '1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Phagwara on Nov. & Dec. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Shakuntla Devi W/oRajinder SinghR/o Mohalla Taruka Bara, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sewa Singh S/o Mahiya Singh R/o Mohalla Teruka Bara, Phagwara.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed Nos. 1922 of 19-11-1982 & 2095 of 16-12-1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Jalandhar.

Date: 6-7-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shrimati Balbir Kaur Wd/o Karnail Singh S/o Sham Singh R/o Vill. Mehraj Patti Kala Teh. Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh S/o Sh. Waryam Singh Sh. Mohraj Patti Kala Teh, Rampura Phul,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1983

Ref. No. A. P. No./4433.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Vill. Mehraj Patti Kala Teh. Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2936 of Nov., 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-7-1983

Scal:

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM I.T.N.S.----

(1) Shri Vijay Kumar S/o Duni Chand S/o Gokal Chand R/o Rampura Mandi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Asha Rani D/o Des Raj S/o Devi Dayal R/o Rampura Mandi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to the interested in the property)

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Jaladhar, the 6th July 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. A.P. No./4434.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immiovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Mandi Rampura Phul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampura Phul on Dec., 1982

> Explanation: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 3281 of December, 1982 of the Registering Authority, Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority, Inspecting Assis ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-7-1983.

Seal:

46-176G1/83

(1) Shri Shiv Singh s/o Gurbax Singh r/o V. Dehrian, Teh. Jalandhar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2000(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 4th July 1983

Ref. No. A.P. No. 4428.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
as per schedule situated at V. Kingra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred to the schedule annexed hereto).

has been transferred under one Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov 1982

for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceail property by the issue of this rotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :--

(2) S/Shri Tara Singh Ghuman s/o Kharak Singh V. Nadalı P.O. Jaid Distt. Kapurthala, (2) Balwant Singh s/o Kishan Singh EQ-340, Rainak Bazar, Jalandhar.
(3) Smt. Santosh Chopra w/o Dharam Pal, W.S. 43, Basti Sheikh, Jalandhar.
(4) D. R. Verma s/o R. R. Mal, A-3/6, Rana Partap Bagh, Delhi-7.
(5) Ram Chander Chopra s/o Achhru Ram, 1838, Sector 7-C, Chardigach.
(6) Sunil Kumar S o Ram Chander 324, Shaheed Uddard Sindh Nacat. II.
(7) Shanta Chopra w/o R. C. Chopra, Ep-233, Moh. Khodian, Jalandhar.
(8) Ravi Katval 3/o Inder Sain. (2) Balwant Singh s/o Kishan Singh (8) Ravi Katyal 3/0 Inder Sain, (9) Sangita Mahajan d/o Dharam Pal, BI-189 Janak Puri, New Delhi. (10) Anil Chopra s/o Ram Chander. Nayya Bazar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(P : pa in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person vacanthe undersioned knows to the interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 4 Kls. 10 Mls. situated in V. Kingra and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 5465 of November, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 4-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhai, the 4th July 1983

Ref. No. A.P. No./4429 — Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.), have to son to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per schedule situated at Basti Sheilh, Ialandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1952

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mohinder Singh s/o Gujjan Singh r/o Basti Sheikh, Jalandhar.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Vijay Kumari W/O Dalbir Singh,
B-3492, Basti Road, Jalandhar.
(2) Gunnaii Singh s/o Pala Singh
C/o Dry Cleaners, Dharamkot Diett, Ferozepur.
(3) Ajit Kaur W/o Devinder Singh
r/o Satnam Pura, Phagwara.
(4) Smt. S. Jesshan Bhagat w/o Ved Prakash

r/o Satnam Pura, Phagwara.
(4) Smt. Sadershan Bhagat w/o Ved Prakash r/o FM-131. Model House, Jalandhar.
(5) Harcharan Singh Assi s/o Harbans Singh V. Jumsher, Distt. Jalandhar.
(6) Jaswinder Kaur v. o Jopinder Singh.
H. No. 3521, Chowis Siedel House, Jalandhar.

(7) Smt. Satwant Kaus w/o Khazan Singh, H. No. 3520, Chowk Model House, Jalandhan

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land area 4 Kl. 2 Mls. 6 S. ft. situated in Basti Shelikh Johand and per one as mentioned in the registeration sale deed to the solution of the Registering Authority, John Committee, 1982 of the Registering Authority, John Committee.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistance Commissionee of Income-tax
>
> Activities Response Librathan

Date: 4-7-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 6th July 1983

Ref. No. A.P. No./4435.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bearing

No as per schedule situated at

Danewala G.T. Road, Malout (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

fand more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on Nov, 1982. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Dr. Sant Lal 9/0 Samha Ram. r/o Malout.

(Transferor) (2) Shii Amar Singh, Baldev Singh Ss o Arjan Singh near Bharat Traders, V. & P.O. Kutrawali Teh. Malout.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property) *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 9 Mls. (Shop) situated in V. Danewala (G.T. Road, Malout) and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1790 of November, 82 of the Registering Authority, Malout.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incom-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 6-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR.

Jalandhar, the 7th July 1983

Rcf. No. A.P. No. 4436 & 4437.---Whereas, I, J. L. GIR-DHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dara Singh S/o Mehar Singh S/o Anoop Singh Vill. Patti Gill Distt. Bhatinda,

(Transferor)

The Adarsh Co-operative House Building Society Ltd. Vill. Patti Gill Teh. Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to the

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the afroesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed Nos. 5177 & 5178 of Nov., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 7-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th July 1983

Ref. No. A.P. No. /4438 & 4439.—Whereas, I, J. L. GIR-DHAR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Bhatinda Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhatinda on Nov., 1982

for an apparate consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian noome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kurtar Singh S/o Mehar Singh S/o Anoop Singh Vill, Patti Gill Teh. Bhatinda.
- (2) The Adarsh Co-operative House Building Society Ltd. Vill. Patti Gill Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) are person interested in the property.

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5248 & 5249 of Nov. 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 7-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th July 1983

Ref. No. A.P. No./4440.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No as per schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bhatinda on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harnam Singh S/o Bachan Singh Mukhtiare am of Baldev Raj Alias Boonyratna Sachathmukul 16, Sukhumvit, SOi-24, Bangkok, Thailand, C/o Harnam Singh, Jewellers, Hospital Bazar, Bhatinda.
- (Transferor)
 (2) Shakti Bihar Co-operative House Building Society
 Ltd., through Sh. M. L. Goel, S.D.O., B-34, Thermal
 Colony, Bhatinda, 2. Capt. Vidya Kumar S/o Diwan
 Chand, Delhi, 3. Suman Aggarwal D/o Raj Krishna
 Aggarwal, Chandigarb, 4. Madan Lal Goel S/o
 Saroop Singh, S.D.O., B-34, Thermal Colony,
 Bhatinda.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5138 of Nov., 1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 7-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th July 1983

Ref. N. A.P. No./4441.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, Rs. 25,000/- and having a fair market value exceeding

bearing No.

as per schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on Nov., 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shrimati Nirmala Devi W/o Ram Saroop S/o Baboo Ram, L.I.C. Agent, Improvement Trust New Colony, Amrik Singh Road, Bhatinda,
- (Transferor) (2) Shrimati Bhagwanti Garg W/o Krishan Lal H. No. 716-A, Back Side of Kundan Lal Trust, New Basti, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5415 of 30-11-1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 7-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th July 1983

Ref. No. A.P. No. /4442.—Whereas, I, J. L GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No as per schedule situated at

Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on Nov., 1982

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, inrespect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Nirmala Devi W/o Ram Saroop S/o Baboo Ram, L.I.C. Agent, Improvement Trust New Colony, Amrik Singh Road, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Garg S/o Sh. Krishna Lal R/o H. No. 716-A, Back Side of Kundan Lal Trust, New Basti, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice: in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale' deed No. 5416 of 30-11-1982 of the Registering Authority. Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 7-7-1983.

(Transferee)

FORM FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th July 1983

Ref. No. A.P. No. /4443.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Vill. Jassi Bagh Wali, Distt. Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at
Bhatinda on Nov., 1982
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the en per cent of such apparent consideration and that the cons ideration for such transfer as agreed to between the purtians has not been truly stated in the said instrument of transh or with the object of:

- (a) facilities ing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shrimati Guggi, Ballia, Akki Ds/o Sh. Gonda Mal Vill. Jassi Bagh Wali, Distt. Bhatinda.
- (Transferor) (2) Shrimati Munni D/o Gonda Mal Vill. Jassi Bagh Wali Distt. Bhatinda.
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perloc of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 5017 of 3-11-1982 of the Registering Authority, Bhatinda.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 7-7-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 4th August 1983

Ref. No. A.P. No./4444.—Wheetas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Nov. 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or inch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Gurlal Singh s/o Bachitter Singh, Municipal Commissioner, near Bara Roza, Gaihshankai Distt. Hoshiarpur through G.A. Sarbjit Singh S/o Kastar Singh r/o 145-L, Model Town, Jalandhai.
- (Transferor) (2) Shrimatı Paramjit Kaur W/o Navtej Singh and Navtej S'ngh s/o Ram Lal Chauhan, R/o V. Bal Khanna, Tch. Jalandhar.
- (Transferec) *(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 1 Kl. 9 Mls. and persons as mentioned in the sale deed No. 3355 of dated November, 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore, aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-8-1983.

Scal: